@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 17 अक्टूबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 342 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मस्जिद के अंदर जय श्री राम कहने से धार्मिक भावनाएं आहत नहीं होतीं

बंगलूरू, 16 अक्टूबर। मस्जिद के अंदर जय श्री राम के नारे लगाने वाले दो लोगों को कर्नाटक हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दरअसल, अदालत ने दो लोगों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि इससे किसी भी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंची है। आपको बता दें कि कोर्ट का यह यह आदेश पिछले महीने पारित किया गया था। मगर, मंगलवार को कोर्ट की साइट पर अपलोड किया गया। दक्षिण कन्नड़ जिले के दो लोग पिछले साल सितंबर में एक रात एक मस्जिद में घुस गए थे और जय श्री राम के नारे लगाए थे। इसके बाद स्थानीय पुलिस ने उन पर भारतीय दंड संहिता की धारा 295 ए (धार्मिक विश्वासों को ठेस पहुंचाना), 447 (आपराधिक अतिक्रमण) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया था। आरोपियों ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को खारिज करने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उनके वकील ने तर्क दिया कि मस्जिद एक सार्वजनिक स्थान है और इसलिए इसमें अपराध का कोई मामला नहीं बनता है। साथ ही यह भी तर्क दिया कि जय श्री राम का नारा लगाना आईपीसी की धारा 295 ए के तहत परिभाषित अपराध की आवश्यकता को पूरा नहीं करता है। अदालत ने कहा, धारा 295 ए जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कृत्यों से संबंधित है जिसका उद्देश्य किसी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना है। यह समझ में आता है कि अगर कोई जय श्रीराम का नारा लगाता है तो इससे किसी वर्ग की धार्मिक भावना को ठेस पहुंचेगी। जब शिकायतकर्ता खुद कहता है कि इलाके में हिंदू-मुस्लिम सौहार्द के साथ रह रहे हैं तो इस घटना का किसी भी तरह से कोई मतलब नहीं निकाला जा सकता है। कर्नाटक सरकार ने याचिकाकर्ताओं की याचिका का विरोध किया और उनकी हिरासत की मांग करते हुए कहा कि मामले में आगे की जांच की जरूरत है। हालांकि अदालत ने माना कि अपराध का सार्वजनिक व्यवस्था पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा। कोर्ट ने कहा, सर्वोच्च न्यायालय का मानना है कि कोई भी कार्य आईपीसी की धारा 295 ए के तहत तब तक अपराध नहीं माना जाएगा, जब तक कि उससे शांति स्थापित करने या सार्वजनिक व्यवस्था को नष्ट करने पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

केंद्र सरकार का किसानों को तोहफा

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। केंद्र सरकार ने बुधवार को किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने रबी की फसलों के लिए न्यूयनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी में इजाफा किया है। इस फैसले का मकसद किसानों को उनकी उपज के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करना है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने मार्केटिंग सीजन 2025-26 के दौरान रबी फसलों के लिए एमएसपी में वृद्धि को मंजूरी दी है। कैबिनेट समिति की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज इसकी घोषणा की। एक अधिसूचना जारी कर सरकार ने बताया कि गेहूं के लिए एमएसपी 2275 रुपये से बढ़ाकर 2425 रुपये प्रति क्विंटल की गई है। वहीं, जौ का एमएसपी 1850 रुपये से बढ़ाकर 1980 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। चने पर एमएसपी 5440 रुपये से बढ़ाकर 5650 रुपये प्रति क्विंटल की गई है। दाल (मसूर) पर एमएसपी 6425 रुपये से बढ़ाकर 6700 रुपये प्रति क्विंटल की गई है। सरसों पर एमएसपी 5650 रुपये से बढ़ाकर 5950 रुपये प्रति क्विंटल की गई। वहीं, सूरजमुखी पर एमएसपी 5800 रुपये से बढ़ाकर 5940 रुपये प्रति क्विंटल की गई है। रबी फसलों के लिए एमएसपी में यह बढ़ोतरी केंद्र सरकार के 2018-19 के बजट में की गई घोषणा के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को उत्पादन की कुल लागत से कम से कम डेढ़ गुना तय करने की बात की गई थी। एमएसपी में बढ़ोतरी से किसानों न केवल फसलों के लिए बेहतर कीमत मिलेगी, बल्कि यह फसल विविधता को भी प्रोत्साहित करेगा। इससे कृषि क्षेत्र में स्थिरता आएगी और किसानों की आय में सुधार होगा। इस नई एमएसपी वृद्धि से उम्मीद की जा रही है कि किसान अपनी उपज पर औसत उत्पादन लागत से 105 फीसदी अधिक लाभ हासिल कर सकेंगे। इसी तरह, सरसों पर 98 फीसदी, मसूर पर 89 फीसदी, चना और जौ पर 60 फीसदी और सूरजमुखी पर 50 फीसदी होगा।

पंजाब को चेतावनी: अगर आदेश का पालन नहीं हुआ तो: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट लगातार सख्त है। शीर्ष अदालत ने हरियाणा सरकार को पिछले आदेश का पालन नहीं करने पर फटकार लगाई। साथ ही चेतावनी दी कि अगर आदेश का पालन नहीं किया गया तो वह हरियाणा के मुख्य सचिव के खिलाफ अवमानना का मामला दर्ज करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने के दोषी पाए गए अधिकारियों पर मुकदमा नहीं चलाने पर बुधवार को हरियाणा और पंजाब सरकारों को फटकार लगाई। साथ ही राज्य के मुख्य सचिवों को 23 अक्तूबर को पेश होने और स्पष्टीकरण देने को कहा न्यायमूर्ति अभय एस ओका, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्ला और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई करने में नाकाम रहने पर हरियाणा और पंजाब सरकार के अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि राज्य सरकार पराली जलाने के लिए लोगों पर मुकदमा चलाने से क्यों कतरा रही है और लोगों पर मामूली जुर्माना लगाकर उन्हें छोड़ क्यों रही है। साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि इसरो आपको वह स्थान बता रहा है, जहां आग लगी थी और आप कहते हैं कि आपको कुछ नहीं मिला। पीठ ने कहा, यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है। अगर मुख्य सचिव किसी के इशारे पर काम कर रहे हैं तो हम उनके खिलाफ भी समन जारी करेंगे। कुछ भी नहीं किया गया है, पंजाब के साथ भी ऐसा ही है। रवैया स्वीकार्य करने लायक नहीं है।

उमर अब्दुल्ला ने जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

नरेश मल्होत्रा

जम्मू, 16 अक्टूबर। जम्मू कश्मीर में नई सरकार का शपथ ग्रहण हो गया। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। उनके शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विपक्षी गठबंधन के तमाम नेता भी श्रीनगर पहुंचे। 90 सीटों वाली विधानसभा के लिए करीब 10 साल बाद चुनाव कराए गए। इसमें फारुख अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कांग्रेस के साथ गठबंधन में बहुमत हासिल किया। इसके अलावा कुछ निर्दलीय और अन्य दलों के विधायकों ने भी सरकार को समर्थन दिया है। 10 साल बाद फिर अब्दुल्ला परिवार जम्मू कश्मीर की सत्ता में वापस आ गया है। जम्मू कश्मीर के गठन के बाद ज्यादातर सरकारें परिवारों ने ही चलाई है। इनमें अब्दुल्ला परिवार भी है जिसकी नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी ने राज्य को कई मुख्यमंत्री दिए हैं। आइये जानते हैं नेशनल कॉन्फ्रेंस और अब्दुल्ला परिवार की पूरी कहानी... अक्तूबर 1932 में फारुख अब्दुल्ला के पिता शेख अब्दुल्ला ने ऑल जम्मू एंड कश्मीर मुस्लिम कॉन्फ्रेंस की स्थापना की थी। नेकां की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, शेख ने मीरवाइज यूसुफ शाह और चौधरी गुलाम अब्बास के साथ मिलकर इसका गठन किया था। 11 जून 1939 को ऑल जम्मू एंड कश्मीर मुस्लिम कॉन्फ्रेंस का नाम बदल गया। अब इसका नाम बदलकर ऑल जम्मू एंड कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस कर दिया गया। इस घटनाक्रम के साथ ही ऑल जम्मू एंड कश्मीर मुस्लिम कॉन्फ्रेंस में कई बदलाव हो गए। जहां पार्टी नेतृत्व का एक ध?ा अलग हो गया, तो दूसरी ओर ऑल इंडिया मुस्लिम लीग से संबंध रखते हुए मुस्लिम कॉन्फ्रेंस को फिर से स्थापित किया गया। नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑल इंडिया स्टेट्स पीपल्स कॉन्फ्रेंस से जु?ी थी। 1947 में शेख अब्दुल्ला इसके अध्यक्ष चुने गए। 1946 में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने राज्य सरकार के खिलाफ एक ब?ा आंदोलन शुरू किया। यह आंदोलन जम्मू कश्मीर के महाराजा हरि सिंह के खिलाफ था। सितंबर 1951 में हुए चुनावों में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा की सभी 75 सीटें जीतीं। शेख अब्दुल्ला अगस्त 1953 में भारत के खिलाफ साजिश के आरोप में बर्खास्त होने तक प्रधानमंत्री बने रहे। शेख अब्दुल्ला को 9 अगस्त 1953 को गिरफ्तार कर लिया गया। दरअसल, 1965 तक जम्मू कश्मीर के संविधान के तहत राज्य में प्रधानमंत्री का पद होता था। 28 मार्च 1965 को राज्य संविधान में अपनाए गए छठे संशोधन द्वारा सदर-ए-रियासत को राज्यपाल और राज्य के प्रधानमंत्री को मुख्यमंत्री के रूप में नामित किया गया। 1965 में नेशनल कॉन्फ्रेंस का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (ढ्ढष्ट) में विलय हो गया। इसके साथ ही यह कांग्रेस की जम्मू कश्मीर शाखा बन गई। शेख अब्दुल्ला को देश के खिलाफ साजिश रचने के आरोप में 1965 में फिर से 1968 तक गिरफ्तार किया गया। अब्दुल्ला को केंद्र सरकार के साथ एक समझौते के बाद फरवरी 1975 में सत्ता में लौटने की अनुमति मिल गई। उसी दौरान शेख अब्दुल्ला के प्लेबिसाइट फ्रंट गुट ने मूल पार्टी यानी नेशनल कॉन्फ्रेंस का नाम ले लिया। इसके बाद आता है 1977 का साल जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव। इसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जीत दर्ज की और शेख अब्दुल्ला मुख्यमंत्री बने। 8 सितंबर 1982 को शेख की मृत्यु के बाद उनके बेटे फारुख अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली। जून 1983 के चुनावों में, फारुख अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने फिर से स्पष्ट बहुमत हासिल किया। जुलाई 1984 में फारुख अब्दुल्ला के जीजा गुलाम मोहम्मद शाह ने पार्टी को विभाजित कर दिया। राज्यपाल ने फारुख की जगह गुलाम मोहम्मद शाह को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। मार्च 1986 में उनकी सरकार को बर्खास्त कर दिया गया और राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया। 1987 के विधानसभा चुनावों में ने नेकां ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया। बहुमत हासिल कर फारुख फिर से मुख्यमंत्री बने। 1990 में घाटी में बेकाबू होते हालात के चलते केंद्र सरकार ने अब्दुल्ला सरकार को बर्खास्त कर दिया और राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया।

दिल्ली में भी हर महिला को 2100 रुपये हर महीने देगी भाजपा: मनोज तिवारी

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा हर महिला को 2100 रुपये हर महीने देने का वादा करेगी। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा कर रखी है। ऐसे में भाजपा उससे आगे ब?कर दिल्ली की महिलाओं का वोट लेने के लिए हर महीने 2100 रुपये देने की घोषणा कर सकती है। इसके अलावा पार्टी की तरफ से दिल्ली की महिलाओं के लिए बस यात्रा मुफ्त करने सहित कई अन्य लोकलुभावन घोषणाएं भी की जा सकती हैं। दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार में दिल्ली को एक घाटे का सौदा बना दिया गया है। आज यहां हर व्यक्ति पर 80000 रुपये का कर्ज है। जबकि भाजपा की सरकारें देश-राज्य को लाभ में रखते हुए जनता के कल्याण की कोशिश करती हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने के साथ ही दिल्ली के लोगों को वर्तमान में चल रही सभी सुविधाओं के साथ साथ कई नई सुविधाएं भी दी जाएंगी। इसमें राजधानी के हर परिवार को प्रति माह 300 यूनिट मुफ्त बिजली की योजना भी शामिल रहेगी। मनोज तिवारी के प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए दिल्ली भाजपा ने पिछले चुनाव के दौरान भी लोगों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली और महिलाओं के लिए स्कूटी के साथ-साथ हर महीने 10 किलो मुफ्त राशन देने की घोषणा की थी। इन बड़े वादों के बाद भी बीजेपी अरविंद केजरीवाल को रोकने में नाकाम रही थी। इस बार जनता भाजपा के वादों पर क्यों भरोसा करेगी? अमर उजाला के इस प्रश्न पर मनोज तिवारी ने कहा कि पिछली बार उनका घोषणा पत्र चुनाव से केवल दो दिन पहले ही लाया जा सका था। संभवत: वे अपनी बात जनता तक अच्छी तरीके से नहीं पहुंच पाए थे, लेकिन इस बार उन गलतियों से भाजपा सबक सीखेगी और सही समय पर चुनाव संकल्प पत्र में इन सभी बातों को शामिल करते हुए जनता तक पहुंचाया जाएगा। भाजपा को उम्मीद है कि इस बार वह दिल्ली में अपनी सरकार बनाने में कामयाब रहेगी।

जीत के बाद महायुति की लड़की बहिन योजना खत्म नहीं करेगा: आदित्य ठाकरे

मुंबई, 16 अक्टूबर। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को 288 सीटों पर होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति में गर्माहट है। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे का एक बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने दावा किया है कि अगर महाराष्ट्र में एमवीए सत्ता में लौटती है, तो वह मौजूदा महायुति सरकार की लड़की बहिन योजना और मुंबई के इंट्री पर टोल माफी को खत्म नहीं करेगी। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर पूर्व मंत्री ने दावा किया कि धारावी पुनर्विकास परियोजना को क्रियान्वित करने वाले अडानी समूह को मुंबई की 1,080 एकड़ जमीन दी जा रही है। उन्होंने शिंदे सरकार पर आरोप लगाया कि चुनाव से पहले पिछले कुछ कैबिनेट में कई घोषणाओं की आड़ में सरकार ने अडानी समूह को लाभ पहुंचाने के लिए फैसले लिए। ठाकरे ने कहा लड़की बहन योजना और टोल माफी का फैसला सरकार ने पहले क्यों नहीं लिया? हम लड़की बहन योजना और टोल माफी को खत्म नहीं करेंगे। इसके बजाय हम लड़की बहन योजना के तहत दी जाने वाली वित्तीय सहायता की राशि बढ़ाएंगे। इसके साथ ही सीएम शिंदे के पिछले एमवीए सरकार द्वारा सभी परियोजनाओं को रोकने के आरोप पर आदित्य ठाकरे ने पलटवार करते हुए कहा वे उसी सरकार में ढाई साल तक शहरी विकास मंत्री थे और फिर भी वे बेशर्मी से इस बारे में बात कर रहे हैं। बता दें कि अविभाजित शिवसेना, कांग्रेस और अविभाजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का एमवीए गठबंधन नवंबर 2019 में महाराष्ट्र में सत्ता में आया, लेकिन उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार जून 2022 में गिर गई, जब एकनाथ शिंदे और अन्य शिवसेना विधायकों ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ बगावत कर दी और सरकार बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी से हाथ मिला लिया। पत्रकारों के बातचीत करते हुए आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार पर दिन में अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड पेश करने के लिए कटाक्ष करते हुए कहा कि राज्य के लोगों ने अब अपना निर्वासन कार्ड तैयार कर लिया है। उन्होंने आरोप लगाया महायुति सरकार के तहत राज्य से व्यवसाय और नौकरियां निर्वासित कर दी गई हैं।

वक्फ बोर्ड मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को लगाई फटकार

बंगलूरू, 16 अक्टूबर। वक्फ बोर्ड मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को लेकर अपना सख्त रुख अपनाया है। जहां सिद्धारमैया सरकार के वक्फ बोर्ड को विवाह प्रमाण पत्र जारी करने की अनुमति देने के फैसले पर सवाल उठाते हुए अदलात ने दायर जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया है। बता दें कि कर्नाटक सरकार ने वक्फ बोर्ड को विवाह प्रमाण पत्र जारी करने की अनुमति दे दी थी, जिसके विरोध में हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई। जिसपर सुनवाई के दौरान कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए जवाब मांगा है। दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान सरकारी वकिल के तर्क पर मुख्य न्यायाधीश एनवी अंजारिया और न्यायमूर्ति केवी अरविंद की पीठ ने कहा कि वक्फ बोर्ड के पास विवाह प्रमाण पत्र जारी करने का कोई कार्य नहीं है। जानकारी के अनुसार अदालत में वकिल ने तर्क दिया था कि बोर्ड को केवल विवाह प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार दिया गया है। बता दें कि पीठ ने इस मामले में राज्य सरकार से 12 नवंबर से पहले पहले जवाब मांगा है। कर्नाटक हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका में की गई मांग की बात करें तो, याचिकाकर्ता ने मांग की है कि अल्पसंख्यक, वक्फ एवं हज विभाग के अवर सचिव द्वारा जारी 30 सितंबर 2024 के सरकारी आदेश को वक्फ अधिनियम, 1995 में कानून के विपरीत और असंगत घोषित किया जाने की मांग की गई है और इसलिए कर्नाटक सरकार के इस फैसले को अधिनियम के विरुद्ध घोषित किया जाए।

आतंकवाद और व्यापार साथ-साथ नहीं चल सकते: जयशंकर

सौरभ शर्मा

इस्लामाबाद, 16 अक्टूबर। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में आयोजित की जा रही शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने संबोधन में एक बार फिर पाकिस्तान पर निशाना साधा। पाकिस्तान का नाम लिए बगैर विदेश मंत्री ने कहा कि अगर आतंकी घटनाएं जारी रहेंगी तो फिर व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। इस तरह जयशंकर ने बिना नाम लिए पाकिस्तान को उसी के घर में लताड़ लगाई। शंघाई सहयोग संगठन के मंच पर दिए अपने संबोधन में भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि हम ऐसे समय मिल रहे हैं, जब दुनिया संकटों से गुजर रही है। दो बड़े संघर्ष चल रहे हैं और उनका पूरे विश्व पर नकारात्मक असर हो रहा है। कोरोना महामारी ने कई विकासशील देशों को बुरी तरह प्रभावित किया। साथ ही जलवायु परिवर्तन, आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितता और वित्तीय कमजोरी विकास को प्रभावित कर रही है। विदेश मंत्री ने एससीओ देशों के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने, विश्वास, दोस्ती और अच्छे पड़ोसी बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि एससीओ संगठन के सामने आतंकवाद, अलगावाद और कट्टरपंथ से लड़ने की साझा चुनौती है। पाकिस्तान को लताड़ लगाते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि अगर विश्वास की कमी है या सहयोग पर्याप्त नहीं है। दोस्ती कम हो गई है और अच्छे पड़ोसी की भावना गायब है तो निश्चित रूप से आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है। साथ ही यह तभी संभव है जब हम पूरी ईमानदारी से चार्टर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें, तभी हम आपसी सहयोग और प्रतिबद्धता के फायदों को पूरी तरह से महसूस कर सकते हैं। यह सिर्फ हमारे फायदे के लिए नहीं है। दुनिया आज बहु-ध्रुवीयता की तरफ बढ़ रही है। वैश्वीकरण और पुनर्संतुलन ऐसी वास्तविकताएं हैं, जिन्हें नकारा नहीं जा सकता। इन्होंने निवेश, व्यापार, ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग के अवसर पैदा किए हैं। अगर हम इसे आगे बढ़ाते हैं तो इससे हमारे क्षेत्र को बहुत फायदा होगा। भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि विकास और तरक्की के लिए शांति और स्थिरता जरूरी हैं। अगर सीमा पर आतंकवाद होगा, अलगाववाद और कट्टरपंथ होगा तो फिर व्यापार, ऊर्जा, कनेक्टिविटी और लोगों के लोगों से संबंधों को बढ़ावा देना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि औद्योगिक सहयोग से प्रतिस्पर्धा और श्रम बाजार का विस्तार हो सकता है। छोटे और मध्यम उद्योगों के बीच सहयोग से रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। बड़े नेटवर्क से औद्योगिक समुदाय को फायदा होता है। आपसी जुड़ाव नए रास्ते खोल सकता है। लॉजिस्टिक एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है। साथ ही पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य क्षेत्र, खाद्य और ऊर्जा में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। साथ ही संस्कृति, शिक्षा और खेल में भी काफी विकास हो सकता है और हम मिलकर बहुत कुछ कर सकते हैं।

राज्य सरकार अपने कर्तव्यों का पालन करने में रही विफल: राज्यपाल बोस

कोलकाता, 16 अक्टूबर। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने बुधवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार नागरिकों के जीवन और संपत्तियों की रक्षा करने के अपने मूल कर्तव्यों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि उनका कार्यालय (राजभवन) संविधान के प्रावधानों के तहत आरजी कर गतिरोध में पहले से ही हस्तक्षेप कर रहा है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दुष्कर्म-हत्या की घटना के बाद चल रहे गतिरोध पर नाराजगी व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने सीवी आनंद बोस ने कहा कि मामले में एक पुलिस अधिकारी और एक वरिष्ठ डॉक्टर की गिरफ्तारी ने फिर से कई क्षेत्रों में व्याप्त संस्थागत अपराध की ओर इशारा किया है। इस मामले में राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने राज्य में चल रहे गतिरोध पर एक समाचार एजेंसी को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा, राज्य सरकार, खासकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का यह कर्तव्य है कि वे नागरिकों के जीवन और संपत्ति की रक्षा करें। यहां सरकार अपने मूल कर्तव्यों को पूरा करने में विफल रही है। इसकी जिम्मेदारी किसे लेनी चाहिए? अगर मुख्यमंत्री ही प्रशासन की मुखिया हैं, तो इसका जवाब खुद उनके पास ही है। इस मामले में उनके कार्यालय के हस्तक्षेप करने के सवाल पर राज्यपाल बोस ने कहा, राजभवन हस्तक्षेप कर रहा है और उसे ऐसा करने से नहीं रोका जा सकता, क्योंकि राजभवन भारत के संविधान में दिए गए प्रावधानों के तहत हस्तक्षेप करता है।

नायब सैनी के हाथों में ही रहेगी प्रदेश की कमान

तेजिन्दर कौर बब्बर

चंडीगढ़, 16 अक्टूबर। हरियाणा के नए सीएम नायब सैनी होंगे। पंचकूला स्थित भाजपा दफ्तर में भाजपा विधायक दल की बैठक में उन्हें सर्वसम्मति से चुन लिया गया। भाजपा के पर्यवेक्षक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव बैठक में मौजूद रहे। विधायक दल की बैठक में अनिल विज और कृष्ण बेदी ने सैनी का नाम रखा था। सैनी गुरुवार को पंचकूला में शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। बैठक के बाद सीएम नायब सैनी राज्यपाल से मिलने पहुंचे और सरकार बनाने का दावा पेश किया। शाह ने कहा कि बैठक में एक ही प्रस्ताव मिला जो नायब सिंह सैनी के नाम का था। मैं उनका नाम घोषित करता हूं। नायब सैनी को बहुत बहुत बधाई देता हूं। वहीं मुख्यमंत्री सैनी ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही 24 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी। गृहमंत्री अमित शाह रात को चंडीगढ़ के ललित होटल में रुकेंगे। गुरुवार को शपथ ग्रहण समारोह के बाद पीएम नरेंद्र मोदी हरियाणा राजभवन में मीटिंग लेंगे। भाजपा ने अपने सभी 48 विधायकों को अगले दो दिन चंडीगढ़ में ही रहने के निर्देश जारी किए हैं। होटल ललित और हरियाणा राजभवन सेक्टर-6 में काफी संख्या में पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है। बीते मार्च में मनोहर लाल को हटाकर विधायक दल की बैठक में जब नायब सिंह सैनी का नाम रखा गया तो अनिल विज नाराज हो गए थे। वह बैठक से बाहर निकल गए थे। चुनाव से पहले अनिल विज मुख्यमंत्री की दावेदारी जता चुके हैं। वहीं, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत भी समय-समय पर दावेदारी जताते रहे हैं। लिहाजा इस तरह के विवादों से बचने के लिए शाह को पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले 2022 में शाह यूपी में केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर भाजपा विधायक दल की बैठक में शामिल हुए थे और योगी के नाम पर मुहर लगाई गई थी। विधायक दल की बैठक में नेता के नाम पर मुहर लगने के बाद राज्यपाल के पास सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। इसके साथ ही राज्यपाल को अगले दिन शपथ ग्रहण करने वाले मंत्रियों की सूची सौंपी जाएगी। उसके बाद राज्यपाल विधायक दल के नेता और मंत्रियों को शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित करेंगे। नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 17 अक्तूबर को पंचकूला के दशहरा ग्राउंड में होगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने बताया, समारोह में पीएम मोदी समेत 37 विशेष अतिथि होंगे। इनमें केंद्रीय मंत्री, एनडीए घटक दल के राष्ट्रीय नेता, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री शामिल हैं। हम लोग सभी के संपर्क में हैं और सौ फीसदी हाजिरी पूरी होगी। उन्होंने बताया 17 को करीब 11 बजे कार्यक्रम शुरू होगा और लगभग एक बजे तक समारोह संपन्न हो जाएगा।

इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी लेबनान की यात्रा पर जाएंगी

एजेंसी

बेरूत। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी लेबनान की यात्रा पर जाएंगी, जबकि विदेश मंत्री एवं उप प्रधानमंत्री एंटोनियो तजानी अगले सप्ताह फिलिस्तीन तथा इजरायल का दौरा करेंगे।

सुश्री मेलोनी ने इटली की संसद में कहा, मैंने लेबनान की यात्रा की योजना पहले ही बना ली है। मंत्री तजानी अगले सप्ताह इजरायल और फिलिस्तीन जाने की भी तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह शुक्रवार को लेबनान के लिए रवाना होंगी। उन्होंने कहा कि इटली ने अपने सैनिकों की सुरक्षा और संयुक्त राष्ट्र संकल्प 1701 के क्रियान्वयन की मांग की है, जिसमें लेबनान की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के लिए समर्थन तथा दक्षिणी लेबनान से इजरायली सैनिकों की वापसी का आह्वान किया गया है, जहां संयुक्त राष्ट्र बल तैनात हैं।पिछले सप्ताह, लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) ने कहा कि इजरायली सैनिकों ने उनके मुख्यालय और चौकियों पर गोलाबारी की, जिसमें कई सैनिक घायल हो गए।

यूनान द्वीप के पास प्रवासी नाव डूबी, चार की मौत

एथेंस। एजियन सागर में यूनान के द्वीप कोस के तट पर प्रवासियों और शरणार्थियों को ले जा रही एक नाव को डूब गई, जिसके कारण चार लोगों की मौत हो गयी। यूनान के सरकारी चैनल ईआरटी के अनुसार,पीड़ितों में दो महिलाएं और दो बच्चे शामिल थे। बचाव अभियान चल रहा है। हेलेनिक कोस्ट गार्ड ने बताया है कि 26 लोगों को पहले ही बचा लिया गया है। घटना के समय नाव पर कितने लोग सवार थे, इसके बारे में पता नहीं चल पाया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 से यूनान शरणार्थियों और प्रवासियों के अनियमित प्रवाह के लिए यूरोपीय संघ में प्रमुख प्रवेश बिंदुओं में से एक रहा है। पिछले नौ वर्षों में दस लाख से अधिक लोग यूनान के तटों पर पहुँच चुके हैं।

ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स के मुख्य कमांडर तेहरान में एक समारोह में शामिल हुए

तेहरान। ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) कुद्स फोर्स के मुख्य कमांडर इस्माइल कानी को यहां एक समारोह के दौरान टीवी पर देखा गया। ईरान के सरकारी आईआरआईबी टीवी द्वारा प्रसारित फुटेज में श्री कानी को मेहराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुबह आयोजित समारोह में शामिल होते हुए दिखाया गया है।यह समारोह वरिष्ठ आईआरजीसी कमांडर अब्बास निलफोरोशान के पार्थिव शरीर को लाये जाने के मौके पर रखा गया था, जो 27 सितंबर को लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगर दाहिह में लेबनानी समूह के मुख्यालय पर एक बड़े लक्षित हमले में हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह के साथ मारे गए थे। इजरायली और पश्चिमी मीडिया ने दावा किया कि बेरूत पर इजरायल द्वारा हाल ही में किए गए हमले में श्री कानी की मौत की आशंका जतायी गयी थी।

लेबनान ने इजरायल में 115 गोले दागे

बेरूत। लेबनानी शिया आंदोलन हिजबुल्लाह ने इजरायल पर लगभग 115 गोले दागे हैं।इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) ने यह जानकारी दी।

सेना ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा, हिजबुल्लाह आतंकवादी संगठन द्वारा दागे गए लगभग 115 गोले को लेबनान से इज़राइल में प्रवेश कर गए हैं।

गौरतलब है कि एक अक्टूबर से इजरायल दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह बलों के खिलाफ जमीनी अभियान चला रहा है। साथ ही हवाई हमले कर रहा है। इजरायली हमले में शिया आंदोलन के नेताओं सहित दो हजार से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, और करीब दस लाख से अधिक लोग शरणार्थी बने हुए हैं। इतने नुक्सान के बावजूद हिजबुल्लाह जमीनी लड़ाई कर रहा है और इजरायली क्षेत्र पर रॉकेट दाग रहा है।

इजरायल के सैन्य अभियान का मुख्य लक्ष्य देश के उत्तर से 60 हजार निवासियों की वापसी के लिए स्थितियां बनाना है, जिन्हें एक साल पहले फिलिस्तीनी आंदोलन हमास के समर्थन में हिजबुल्लाह द्वारा शुरू की गयी गोलाबारी के कारण निकाला देश से छोड़ना पड़ा था।

आतंकवाद और व्यापार साथ-साथ नहीं चल सकते, इस्लामाबाद में जयशंकर ने बिना नाम लिए पाकिस्तान को घेरा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में आयोजित की जा रही शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने संबोधन में एक बार फिर पाकिस्तान पर निशाना साधा। पाकिस्तान का नाम लिए बगैर विदेश मंत्री ने कहा कि अगर आतंकी घटनाएं जारी रहेंगी तो फिर व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। इस तरह जयशंकर ने बिना नाम लिए पाकिस्तान को उसी के घर में लताड़ लगाई।

'दो युद्धों के चलते संकट से गुजर रही दुनिया'

शंघाई सहयोग संगठन के मंच पर दिए अपने संबोधन में भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि 'हम ऐसे समय मिल रहे हैं, जब दुनिया संकटों से गुजर रही है। दो बड़े संघर्ष चल रहे हैं और उनका पूरे विश्व पर नकारात्मक असर हो रहा है। कोरोना महामारी ने कई विकासशील देशों को बुरी तरह प्रभावित किया। साथ ही

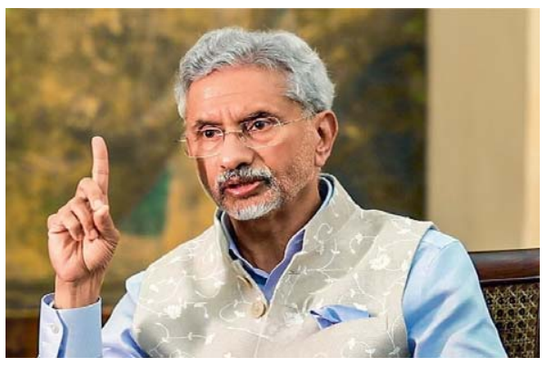

जलवायु परिवर्तन, आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितता और वित्तीय कमजोरी विकास को प्रभावित कर रही है।% विदेश मंत्री ने एससीओ देशों के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने, विश्वास, दोस्ती और अच्छे पड़ोसी बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि एससीओ संगठन के सामने आतंकवाद, अलगावाद और कट्टरपंथ से लड़ने की साझा चुनौती है।

विज्ञापन

'दुनिया बहु ध्रुवीयता की तरफ बढ़ रही'

पाकिस्तान को लताड़ लगाते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि अगर विश्वास की कमी है या सहयोग पर्याप्त नहीं है। दोस्ती कम हो गई है और अच्छे पड़ोसी की भावना गायब है तो निश्चित रूप से आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है। साथ ही यह तभी संभव है जब हम पूरी ईमानदारी से चार्टर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें, तभी हम आपसी सहयोग और प्रतिबद्धता के फायदों को पूरी तरह से महसूस कर सकते हैं। यह सिर्फ हमारे फायदे के लिए नहीं है। दुनिया आज बहु-ध्रुवीयता की तरफ बढ़ रही है। वैश्वीकरण और पुनर्संतुलन ऐसी वास्तविकताएं हैं, जिन्हें नकारा नहीं जा सकता। इन्होंने निवेश, व्यापार, ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग के अवसर पैदा किए हैं। अगर हम इसे आगे बढ़ाते हैं तो इससे हमारे क्षेत्र को बहुत फायदा होगा।

एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रम्प के प्रचार अभियान को 7.5 करोड़ डॉलर का दान दिया

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी अरबपति उद्यमी एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के मालिक एलन मस्क ने पूर्व राष्ट्रपति एवं रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के लिये उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रचार अभियान का समर्थन करने के लिए बनाई गई एक राजनीतिक कार्रवाई समिति (पीएसी) को लगभग 7.50 करोड़ डॉलर का दान दिया है।

अमेरिकी संघीय चुनाव आयोग (एफईसी) की प्रकाशित विज्ञप्ति के अनुसार, श्री मस्क ने जुलाई से सितंबर की अवधि में अमेरिका पीएसी को 7.49 करोड़ डॉलर का दान दिया।गौरतलब है कि श्री ट्रम्प पांच नवंबर को होने वाले मतदान में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

चीन ने नये उपग्रह समूह का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया

एजेंसी

ताइयुआन। चीन ने उत्तरी प्रांत शांक्सी में ताइयुआन उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से एक नया उपग्रह समूह अंतरिक्ष में भेजा।

लॉन्च सेवा प्रदाता चाइना ग्रेट वॉल इंडस्ट्री कॉर्पोरेशन के अनुसार, ये 18 उपग्रह स्पेससेल कॉन्सटेलेशन की पहली पीढ़ी का दूसरा बैच है, जो वैश्विक उपयोगकर्ताओं को कम-विलंबता, उच्च गति और अल्ट्रा-विश्वसनीय उपग्रह (ब्रॉडबैंड) इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है।

चाइना ग्रेट वॉल इंडस्ट्री कॉर्पोरेशन चीन एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी कॉर्पोरेशन (सीएएससी) की सहायक कंपनी है।

उपग्रह समूह को स्थानीय समयानुसार शाम 7:06 बजे लॉन्च किया गया, जो एक संशोधित लॉन्ग मार्च-6 वाहक रॉकेट पर सवार होकर अपनी पूर्व निर्धारित कक्षा में सफलतापूर्वक प्रवेश कर गया।

संशोधित लॉन्ग मार्च -6 लॉन्च वाहन एक नयी पीढ़ी का चीनी मध्यम लॉन्चर है, जिसमें तरल कोर चरणों और चार ठोस स्ट्रैप-ऑन बूस्टर की कॉन्फ़िगरेशन शामिल है। इसे सीएएससी की सहायक कंपनी शंघाई एकेडमी ऑफ स्पेसफ्लाइट टेक्नोलॉजी द्वारा विकसित किया गया था। चीन ने छह अगस्त को ताइयुआन सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से पहली पीढ़ी के स्पेससेल उपग्रहों का पहला बैच अंतरिक्ष में भेजा था।

लेबनान में एक माह में 72 चिकित्साकर्मियों और मरीजों की मौतः डब्ल्यूएचओ

एजेंसी

जिनेवा। लेबनान में स्वास्थ्य सुविधाओं पर 17 सितंबर से 20 से अधिक हमले हुए हैं, जिनमें 72 लोग मारे गए और 43 अन्य घायल हो गये। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बुधवार को यह जानकारी दी। संगठन ने एक बयान में कहा, 17 सितंबर 2024 को इजरायल और लेबनान के बीच शत्रुता बढ़ने के बाद से डब्ल्यूएचओ ने लेबनान में स्वास्थ्य देखभाल पर 23 हमलों की पुष्टि की है, जिससे 72 लोगों की मौत हो गयी और 43 लोग घायल हो गये। बयान में कहा गया है कि संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में 207 प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों और औषधालयों में से 100 वर्तमान में बंद हैं। संगठन ने बताया कि लेबनानी स्वास्थ्य सुविधाओं में आपूर्ति कम हो गई है। गौरतलब है कि इजरायल एक अक्टूबर से दक्षिणी लेबनान में लेबनानी आंदोलन हिजबुल्लाह के खिलाफ हवाई हमले जारी रखते हुए जमीनी अभियान भी चला रहा है। नुकसान के बावजूद, हिजबुल्लाह जमीन पर इजरायली सैनिकों से लड़ रहा है और सीमा पार रॉकेट दाग रहा है। लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इज़रायली हमलों में वृद्धि के बाद से लेबनान में मरने वालों की संख्या 2,300 से अधिक हो गई है। इजरायल का कहना है कि उसका मुख्य उद्देश्य देश के उत्तर में गोलाबारी से भागे 60,000 निवासियों की वापसी के लिए परिस्थितियाँ बनाना है।

जापान ने बर्ड फ्लू की चेतावनी उच्चतम स्तर तक बढ़ायी

एजेंसी

टोक्यो। जापान के पर्यावरण मंत्रालय ने उत्तरी जापान में होक्काइडो प्रान्त के दो शहरों में जंगली पक्षियों में एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) का पता लगाने के बाद राष्ट्रव्यापी बर्ड फ्लू अलर्ट को उच्चतम स्तर तक बढ़ा दिया है।

मंत्रालय ने होक्काइडो में दो अलग-अलग मामलों में वायरस का पता चलने के बाद यह निर्णय लिया । गौरतलब है कि 30 सितंबर को ओटोबे टाउन में एक बाज़ के शव में वायरस पाया गया था और 08 अक्टूबर को बेत्सुकाई टाउन में जंगली बत्तखों के मल में वायरस का पता चला था। अधिकारी देश भर में जंगली पक्षियों की निगरानी बढ़ाने का आह्वान कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि हालांकि बर्ड फ्लू आम तौर पर मनुष्यों के लिए तब तक खतरा पैदा नहीं करता है, जब तक कि संक्रमित पक्षियों के साथ अत्यधिक संपर्क न हो। अधिकारी लोगों से पक्षियों के शवों को छूने से बचने और स्थानीय अधिकारियों को सूचना देने का आग्रह कर रहे हैं। जापान भर में विभिन्न क्षेत्रों में वायरस के कई मामलों की सूचना मिलने के बाद मंत्रालय ने राष्ट्रव्यापी अलर्ट को उच्चतम स्तर 03 तक बढ़ा दिया है और वायरस के प्रसार की निगरानी और जांच को तेज करने के प्रयासों का वादा किया है।

नए भारत में अपार ऊर्जा और अवसर हैं : बिरला

एजेंसी

जेनेवा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 149वीं अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) एसेम्बली में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल (आईपीडी) का नेतृत्व करते हुए कहा कि नए भारत में अपार ऊर्जा और अवसर हैं। श्री ओम बिरला ने जिनेवा में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए भारत की सक्रिय भागीदारी के बारे में बात करते हुए कहा कि यह एसेम्बली न केवल भारत की संसदीय कूटनीति की मजबूती को दर्शाती है, बल्कि साझा वैश्विक चुनौतियों के समाधान के उद्देश्य से वैश्विक संवाद में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को भी उजागर करती है।

श्री बिरला ने भारतीय प्रवासियों के कौशल, प्रतिभा और प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि वे देश के ब्रांड एंबेसडर हैं और वे जिस देश में भी रहते हैं, वहाँ पारिवारिक संबंधों और सद्भाव को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विविधता और समावेशिता ही भारतीय समुदाय की विशेषता है। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों के समाधान में भारत द्वारा निभाई जा रही अग्रणी भूमिका का उल्लेख करते हुए इस आत्मविश्वास का श्रेय सशक्त नेतृत्व तथा भारतवासियों और प्रवासियों की शक्ति और सामर्थ्य को दिया।

श्री बिरला ने कहा कि जिनेवा में रह रहे भारतीय समुदाय ने अपने देश के लिए प्रेम के साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था तथा सांस्कृतिक विरासत में योगदान का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने भारत की समृद्ध परंपराओं और मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए एनआरआई समुदाय की सराहना की और कहा कि इससे विश्व में देश की छवि बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि व्यवसाय, शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और कला जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारतवंशियों की उपलब्धियों पर सभी भारतीयों को गर्व है। भारत और स्विट्जरलैंड के बीच गुटनिरपेक्षता और तटस्थता जैसे साझा मूल्यों पर आधारित दीर्घकालिक सौहार्दपूर्ण संबंधों की बात करते हुए श्री बिरला ने दोनों देशों के बीच सहयोग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्रों में भारत-स्विस सहयोग बढ़ रहा है। भारत और स्विट्जरलैंड के बीच आर्थिक संबंधों के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा कि भारत और स्विट्जरलैंड सहित ईएफटीए देशों के बीच व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते पर हस्ताक्षर, पारस्परिक आर्थिक विकास और रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि विश्व के सबसे युवा और तेजी से प्रगति कर रहे देशों में से एक, भारत में अपार ऊर्जा और अवसर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में हुई प्रगति से 250 मिलियन लोगों की गरीबी दूर हुई है।इस बात का उल्लेख करते हुए कि हाल में भारत में हुए बदलावों का श्रेय विशेष रूप से रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों में नई सोच और दृष्टिकोण को जाता है, श्री बिरला ने कहा कि भारत डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर में अग्रणी है, जिससे समानता को बढ़ावा मिला है; भ्रष्टाचार कम हुआ है और साथ ही देश में विभिन्न क्षेत्रों में शोध और नवाचार में प्रगति हुई है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि भारत के स्टार्टअप और यूनिकॉर्न को विश्व में मान्यता प्राप्त हो रही है।

श्री बिरला ने यह भी कहा कि भारत का विकास आर्थिक आंकड़ों से कहीं बढ़कर है और इसमें 'मेक इन इंडिया','डिजिटल इंडिया' और 'स्किल इंडिया' जैसी पहलों के माध्यम से 'विकसित, मजबूत और आत्मनिर्भर भारत' का लक्ष्य प्राप्त करने के साथ समावेशी विकास की प्रतिबद्धता शामिल है, जिससे देशवासी अधिकारसम्पन्न होंगे और राष्ट्र की प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा ।

नेतन्याहू का बाइडेन से वादा-ईरान के परमाणु ऊर्जा केंद्रों को निशाना नहीं बनाएगा इजराइल

तेलअवीव। कुख्यात आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह, हमास और हूती के तितरफा आक्रमण का सामना कर रहे इजराइल के रुख में आज कुछ बदलाव दिखा। ईरान, लेबनान और सीरिया को चुनौती देने वाले इजराइल के सुरक्षा बलों (आईडीएफ) के आक्रामक तेवरों के बीच प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से वादा किया कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले के खिलाफ इजराइल की जवाबी कार्रवाई में गैर-सैन्य साइटें निशाने पर नहीं होंगी। टाइम्स ऑफ इजराइल की खबर के अनुसार, नेतन्याहू ने बाइडेन से कहा कि इजराइल, ईरान के परमाणु और ऊर्जा स्थलों पर हमला नहीं करेगा। रिपोर्ट के अनुसार इजराइली प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप से बचने के लिए योजनाबद्ध कार्रवाई में कटौती की है।

अल्जीरियाई विश्वविद्यालय ने राष्ट्रपति मुर्मु को मानद डॉक्टरेट की उपाधि की प्रदान

एजेंसी

अल्जीरियस। अल्जीरिया के शहीद इहादादेन अब्देलहाफिद वैज्ञानिक और तकनीकी विश्वविद्यालय ने यहां एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की।भारत में सभी सामाजिक समूहों के लिए विज्ञान और ज्ञान की वकालत के लिए उन्हें राजनीति विज्ञान में मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि यह एक व्यक्ति से अधिक भारत के लिए सम्मान की बात है। उन्होंने इस सम्मान के लिए विश्वविद्यालय को धन्यवाद दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा न केवल व्यक्तिगत सशक्तिकरण बल्कि राष्ट्रीय विकास का भी साधन है। छात्रों को प्रबुद्ध नागरिक के रूप में विकसित करने

और भारत को 'ज्ञान अर्थव्यवस्था' में ले जाने के उद्देश्य से, भारत सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में कई सुधार किए हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का लक्ष्य सभी स्तरों पर शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाना है। यह नीति विदेशी शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग के रास्ते भी खोलती है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत पश्चिमी संस्थानों की तुलना में बहुत कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है और अफ्रीकी छात्रों को कई छात्रवृत्तियां और फेलोशिप भी प्रदान करता है। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी विभागों और अल्जीरिया के युवाओं को भारत सरकार की विभिन्न पहलों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत-अल्जीरिया संबंध अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने से काफी दूर हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत और अल्जीरिया के युवा इसे हासिल करेंगे और वे अंततः हमारे लोगों के बीच मजबूत संबंधों को बढ़ाने के लिए सेतु बनेंगे। राष्ट्रपति मॉरिटानिया के लिए रवाना होंगी।

जापान की ताइवान के घटनाक्रम पर नजर, प्रधानमंत्री इशिबा ने कहा-प्रतिक्रिया का जवाब देने को तैयार

एजेंसी

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने कहा है कि ताइवान के आसपास की स्थिति पर उनकी नजर है। वह किसी भी तरह की प्रतिक्रिया का जवाब देने के लिए तैयार हैं। उनकी टिप्पणी ऐसे समय पर आई है जब चीन ने द्वीप के चारों ओर बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया है। जापान टुडे की खबर के अनुसार, इशिबा ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा, ताइवान जलडमरूमध्य और उसके आसपास शांति और सुरक्षा इस क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा है। जापान स्थिति पर सावधानीपूर्वक नजर रखेगा। हम किसी भी घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार रहेंगे। संवाददाता सम्मेलन से पहले इशिबा ने अपने रक्षा और

विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के मुख्यालय में बैठक के बाद रक्षामंत्री जनरल नकातानी ने संवाददाताओं से कहा, हम चीन के सैन्य अभ्यास को बहुत दिलचस्पी से देखेंगे।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अमेरिका ने गाजा पर इजराइल को चेताया, नेतन्याहू ने कहा-फैसला राष्ट्रीय हित के आधार पर लेंगे

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने इजराइल को पत्र भेजकर गाजा पर सैन्य सहायता में कटौती की चेतावनी दी है। पत्र में चेताया गया है कि अगर उसने आगामी 30 दिन के भीतर गाजा में मानवीय आपूर्ति का प्रवाह नहीं बढ़ाया तो वह सैन्य सहायता खो सकता है। इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि इजराइल संयुक्त राज्य अमेरिका की राय की अनदेखी नहीं करता पर अंतिम निर्णय अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर लेता है। यह पत्र रविवार को इजराइल के रक्षामंत्री योव गैलेंट और रणनीतिक मामलों के मंत्री रॉन डर्मर को भेजा गया है। इस पर अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के हस्ताक्षर हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, अमेरिकी कानून ऐसे किसी भी देश को सैन्य सहायता देने से रोकता है जो अमेरिका प्रदत्त मानवीय आपूर्ति में बाधा डालता पाया जाता है। बावजूद इसके अमेरिका, इजराइल की सैन्य सहायता कर रहा है। हाल ही में एक उन्नत वायु रक्षा प्रणाली और उसे संचालित करने के लिए 100 सैनिकों को भेजा गया है। अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों ने हाल के सप्ताहों में चेतावनी दी है कि गाजा में विशेषकर उत्तर में स्थितियां और खराब हो रही हैं। विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने वाशिंगटन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इजराइल को पत्र भेजने की पुष्टि की।

मिलर ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में मानवीय सहायता भेजने में 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में कूटनीतिक अधिकारियों की पहचान को छुपाते हुए उनके हवाले से कहा गया है कि इजराइल के अगले हमले ईरान के सैन्य ठिकानों पर केंद्रित होंगे। बाइडेन प्रशासन का मानना है कि अगर इजराइल तेल या यूरेनियम संवर्धन स्थलों पर हमला करता है, तो यह मध्य पूर्व शत्रुता में नाटकीय रूप से वृद्धि कर सकता है। इजराइली अधिकारियों के अनुसार, अगर आईडीएफ ईरानी परमाणु और तेल साइटों को छोड़ भी देते हैं, तब भी वह ईरानी मिसाइल लॉन्चरों, भंडारण डिपो और मिसाइलों और ड्रोन का उत्पादन करने वाली फैक्ट्रियों साथ ही सैन्य ठिकानों और सरकारी इमारतों को निशाना बना सकते हैं।

भारतीय विदेशमंत्री जयशंकर इस्लामाबाद में मंगोलिया के प्रधानमंत्री से मिले

एजेंसी

इस्लामाबाद। भारत के विदेशमंत्री एस जयशंकर की यहां शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर मंगोलिया के प्रधानमंत्री लुव्सन्नामस्रेन ओयुन-एर्डीन से मुलाकात हुई। जयशंकर ने एक्स हैंडल इस मुलाकात का सचित्र विवरण पोस्ट किया है। उन्होंने हम दोनों ने द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की। मंगोलिया के प्रधानमंत्री से मिलकर खुशी हुई। विदेशमंत्री जयशंकर एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंचे। वहां उनका शानदार स्वागत किया गया। जयशंकर की रात को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से एससीओ प्रतिनिधियों के लिए आयोजित रात्रिभोज के दौरान भेंट हुई। दोनों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया और बेहद संक्षिप्त बातचीत हुई। भारत पहले ही साफ कर चुका है कि जयशंकर की यात्रा पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय रिश्ते सुधारने के उद्देश्य से नहीं है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि एससीओ के सदस्य देशों के प्रमुखों की 23वीं बैठक 16 अक्टूबर को होगी। सालाना तौर पर होने वाली इस बैठक में व्यापार और आर्थिक एजेंडे पर चर्चा होती है। जयशंकर इसमें भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारत एससीओ के तहत गठित विभिन्न व्यवस्थाओं में लगातार सक्रिय रहता है।

दिलजीत दोसांझ के कन्सर्ट के ऑनलाइन फर्जी टिकट बेच रहे आरोपित को पुलिस ने दबोचा

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली जिला पुलिस की साइबर थाना पुलिस ने 14 अक्टूबर को निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से एक ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान कौशिक राज उर्फ अंकित सिंह के रूप में हुई है। आरोपित के पास से पुलिस ने ठगी के 1.35 लाख रुपये से खरीदा मोबाइल, दो अन्य मोबाइल, पांच डेबिट कार्ड, एक स्मार्ट घड़ी बरामद की है। आरोपित 26 अक्टूबर से दिल्ली जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में शुरू होने वाले दिलजीत दोसांझ का दिल-लुमिनाटी इंडिया टूर कन्सर्ट के ऑनलाइन फर्जी टिकट बेच रहा था। दक्षिणी जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि एक व्यक्ति ने नेब सराय थाने में शिकायत दी थी। उसने बताया कि वह दिलजीत दोसांझ के कन्सर्ट की टिकट खरीदना चाहता था। उसके दोस्त ने कौशिक राज के बारे में बताया और कहा कि वह टिकट उपलब्ध करा देगा। पीड़ित ने कौशिक राज का नंबर लेकर उससे संपर्क किया। इसके बाद आरोपित ने पीड़ित को झांसे में लेने के लिए पांच काम्प्लीमेंटरी टिकट ईमेल के जरिए भेजी। उसके बाद आरोपित ने पीड़ित से अपने अकाउंट में टिकट के पैसे ट्रांसफर कराए। टिकट मिलने के बाद पीड़ित उसके झांसे में आ गया। उसने अपने दोस्तों व रिश्तेदारों के लिए भी टिकट खरीदने की बात कौशिक से की। आरोपित कौशिक ने उसे आसानी से टिकट उपलब्ध कराने का झांसा दिया। पीड़ित ने 11 सितंबर को आरोपित से विभिन्न श्रेणी के 69 टिकट खरीदे।

विजेंद्र गुप्ता ने विजिलेंस कमिश्नर को लिखा पत्र, मुख्यमंत्री आवास में अवैध निर्माण का लगाया आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष व भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के नेता विजेंद्र गुप्ता ने विजिलेंस कमिश्नर को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने आम आदमी पार्टी(आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर मुख्यमंत्री आवास में अवैध निर्माण का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इसके निर्माण में नियमों का पालन नहीं किया गया। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि इस पूरे मामले की जल्द से जल्द जांच की जानी चाहिए। गुप्ता ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री आवास पर कई नियमों का उल्लंघन किया गया है, जिनमें अनधिकृत तोड़फोड़ के साथ -साथ सरकारी संपत्तियों की बर्बादी भी की गई है। साथ ही वहां अन्य भवनों का निर्माण किया गया है। इन सभी कार्यों में पर्यावरण को भी क्षति पहुंची है। विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया है कि 6, फ्लैग स्टाफ रोड स्थित आवास पर अवैध रूप से वी टाइप के 8 फ्लैटस और दो बंगलों को तोड़ दिया गया। इसके अलावा, वहां 8 एकड़ में कॉम्लेक्स बनाया गया है। जिसमें कई नियमों का पालन नहीं किया गया है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि शीश महल केजरीवाल की बेईमानी का सबसे बड़ा उदाहरण है। यह सब कुछ नियमों और कानूनों को ताक पर रखकर किया गया। उन्होंने इस मामले को लेकर विजिलेंस कमिश्नर (सीवीसी) को पत्र लिखा है और शीशमहल में हुए अवैध निर्माण की जांच कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

पार्क में ओपन जिम का उपकरण गिरने से 4 वर्षीय बच्चे की मौत

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के मोती नगर इलाके में एक पार्क में लगे ओपन जिम में एक्सरसाइज मशीन टूटकर एक बच्चे के ऊपर गिर गई। घटना में बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल मोती नगर थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक घटना 13 अक्टूबर शाम की है, जब पुलिस को आचार्य भिक्षु अस्पताल से एक कॉल मिली थी। कॉल में बताया गया था कि चार साल का बच्चा मृत लाया गया है। पूछताछ में पता चला कि बच्चा पार्क में खेल रहा था, तभी ओपन जिम की एक मशीन उसके ऊपर आ गिरी। जिससे बच्चे की छाती में गंभीर चोट आई और उसकी मौत हो गई। पश्चिमी जिले के डीसीपी विचित्र वीर के अनुसार मृतक बच्चे की पहचान अरविंद (4) के रूप में हुई है। उसके पिता संजय सऊदी अरब में मजदूरी का काम करते हैं। जबकि मां हाउस वाइफ है और वह नेपाल की रहने वाली है। इस मामले में भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने बच्चे के परिजनों को सहायता राशि देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी घटना होने पर भी आम आदमी पार्टी के किसी बड़े नेता ने अब तक कोई बयान नहीं दिया है।

डीटीसी के सभी कर्मचारी दिल्ली परिवहन निगम मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेंगे

नई दिल्ली। के हजारों कर्मचारी अपनी पांच मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। इसी को लेकर दिल्ली परिवहन निगम के सभी कर्मचारी दिल्ली परिवहन निगम मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेंगे। इस बीच एकता यूनियन के अध्यक्ष ललित चौधरी डीटीसी की प्रबंध निदेशक शिल्पा शिंदे एवं दिल्ली सरकार को ज्ञापन देंगे। यह धरना इंद्रप्रस्थ (आईपी) मुख्यालय में चलेगा।एकता यूनियन के अध्यक्ष ललित चौधरी ने कहा कि धरना दिल्ली परिवहन निगम कर्मचारियों की कई मांगों के कारण किया जा रहा है। जिसमें डीटीसी कॉन्टैक्ट कर्मचारियों को स्थाई किए जाने, दिल्ली सरकार के ऑर्डर बेसिक ,डी ए, एवं ग्रेड पे ,लागू किया जाए, निजीकरण पर रोक लगाकर डीटीसी की अपनी बसें खरीदी जाए, अनुकंपा के आधार पर एवं विकलांग कोटे में भर्ती किए गए कर्मचारियों के साथ न्याय संगत उन्हें स्थाई किया जाए। इसके साथ ही चार घंटे पर लगाए गए सभी सफाई कर्मचारियों को आठ घंटे की नौकरी दी जाए एवं सभी का पीएफ ईएसआई चालू किया जाए।

महाविकास अघाड़ी को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने की चुनौती देता हूं

मुंबई, 16 अक्टूबर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अब मात्र एक महीना ही बचा हुआ है। ऐसे में राजनीतिक दल अपने-अपने स्तर पर तैयारियों में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के लिए महायुति सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। इसके साथ ही उन्होंने विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी (एमवीए) पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने एमवीए पर 'विकास विरोधी दृष्टिकोण' के साथ काम करने का आरोप लगाया। वहीं डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महा विकास अघाड़ी सीएम चेहरे की घोषणा इसलिए नहीं कर रही क्योंकि उन्हें नहीं लगता कि चुनाव के बाद उनका सीएम आएगा। उन्होंने आगे कहा, हमें मुख्यमंत्री के चेहरे का एलान करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि हमारे सीएम यहां ही बैठे हुए हैं। मैं पवार साहब को चुनौती देता हूं कि वह मुख्यमंत्री पद के लिए अपने नाम का एलान करें। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अजित पवार ने मुंबई में अपनी संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान महायुति सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। इस दौरान आरपीआई (ए) प्रमुख और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले भी मौजूद रहे। फडणवीस ने कहा, हमने सभी योजनाओं की घोषणा कर दी है। उन योजनाओं के लिए सभी वित्तीय प्रावधान और बजट बनाए हैं और इतना ही नहीं, हम अपने घोषणा पत्र में सभी के लिए कुछ नई योजनाओं और लाभों की भी घोषणा करेंगे। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हमारे द्वारा एलान की गई सभी योजनाओं और वादों को वित्तीय प्रावधान का पूरा समर्थन मिलेगा तथा किसी भी योजना में हमारी ओर से वित्तीय सहायता की कमी नहीं होगी। शुरू में जब हमने लड़की बहन योजना की घोषणा की, तो विपक्ष के लोग दावा कर रहे थे कि खातों में पैसा जमा नहीं किया जाएगा, लेकिन अब तक हमारे राज्य के 2.5 करोड़ से अधिक लाभार्थियों के खातों में कम से कम 4 से 5 किस्तें जमा की गई हैं। महायुति के सहयोगियों ने पिछले दो साल में सरकार के कामकाज का 'रिपोर्ट कार्ड' पेश किया। अजित पवार ने कहा कि महिलाओं को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए उनकी सरकार की 'लाडकी बहिन' जैसी योजनाओं को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से उनके विरोधी चकित हैं। शिंदे, फडणवीस और पवार ने विपक्ष पर 'झूठा विमर्श' गढ़ने का भी आरोप लगाया। शिंदे ने कहा कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के नेता आम आदमी के लिए एक टीम के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन एमवीए विकास विरोधी दृष्टिकोण से काम कर रहा है। बता दें, एमवीए में कांग्रेस, उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं।

आईपीएस अधिकारी रुथलेस अप्रोच के साथ देश विरोधी गतिविधियों को समाप्त करें : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सभी युवा आईपीएस अधिकारियों को देश विरोधी गतिविधियों को समाप्त करने के लिए रुथलेस अप्रोच के साथ काम करना होगा।

शाह ने नई दिल्ली में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 2023 बैच (76 आरआर) के प्रोबेशनर्स से संवाद के दौरान कहा कि कोई ऐसा काम नहीं है जिसमें सुधार नहीं हो सकता और कोई ऐसा काम नहीं है जो महत्वपूर्ण नहीं है, अगर वे इसे गांठ बांध लेंगे तो जीवन में बहुत सारी निराशा से दूर हो जाएंगे। शाह ने कहा कि गरीबों, बच्चों और महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने से बड़ा कोई काम नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि युवा पुलिस अधिकारी जिस जिले के एसपी हो,

वह जिला वर्षों तक उनके अच्छे कामों को याद रखे, वही सबसे बड़ा मैडल होगा। पुलिस का काम करते वक्त हमारे जहन में हमेशा राष्ट्र की सुरक्षा होनी चाहिए और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए हमारे चक्षु हमेशा खुले होने चाहिए। शाह ने कहा कि प्रशिक्षु अधिकारियों को चिंतन इसलिए करना चाहिए कि उनके तथा उनके बाद आने वाले बैचों पर पूरा दारोमदार है कि हमारा देश एक स्केल बदल कर आने वाली पीढ़ी के लिए पुलिसिंग में प्रवेश करेगा या नहीं। अमित शाह ने कहा कि देश का गृह मंत्री होने के नाते वे निश्चित तौर पर यह कह सकते हैं कि अब किसी में हमारी सीमाओं और हमारी सेना का अपमान करने की हिम्मत नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले कश्मीर, नार्थ ईस्ट और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र तीन नासूर थे, लेकिन अब हमें इन तीनों जगहों पर हिंसा में 70 प्रतिशत तक की कमी लाने में सफलता प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि आज इन तीनों जगहों पर भारतीय एजेंसियों का संपूर्ण वर्चस्व है। शाह ने कहा कि अब समय आ गया है कि हमारे नागरिकों के मूलभूत अधिकारों की सुरक्षा के लिए पुलिस तंत्र आगे आए। साथ ही देश की सीमाओं के अंदर हो रहे क्राइम को मिनिमाइज करने के लिए पुलिस तंत्र मुस्तैदी बरते और हम अपने नागरिकों को कम से कम समय में न्याय दे पाएं। अमित शाह ने कहा किआज सी सी टी एन एस के माध्यम से देश के 99 प्रतिशत थाने ऑनलाइन हो चुके हैं, ऑनलाइन डाटा जनरेट हो चुका है और तीन नए कानूनों से अनेक प्रावधानों में आमूलचूल बदलाव किया गया है। नए कानूनों में समय पर न्याय, दोष सिद्धि का प्रमाण बढ़ाने और टेक्नोलॉजी के अधिक से अधिक उपयोग पर जोर दिया गया है। वैज्ञानिक साक्ष्य अनिवार्य करने के कारण वैज्ञानिक पहले प्रॉसीक्यूशन को अनेक प्रकार के साक्षी खड़े करने पड़ते थे अब इसकी जरूरत नहीं है और अब साइंटिफिक एविडेंस के आधार पर दोष सिद्ध कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि नए कानूनों में न्यायिक प्रक्रिया को समयबद्ध किया गया है।

सांसद इंजीनियर राशिद की अंतरिम जमानत 28 अक्टूबर तक बढ़ायी गयी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित तौर पर आतंकी फंडिंग मामले में शामिल जम्मू-कश्मीर से सांसद शेख अब्दुल राशिद उर्फ

इंजीनियर राशिद की अंतरिम जमानत अवधि 28 अक्टूबर तक बढ़ा दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने राशिद की ओर से उनके पिता की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में अनुरोध सुनने के बाद अंतरिम जमानत 28 अक्टूबर तक बढ़ा दी। इसके साथ ही उनकी नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई भी इसी अवधि तक टाल दी गयी।

बैंक से 16 करोड़ 95 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले गैंग का एक और शातिर गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। नोएडा के थाना साइबर क्राइम पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस के आधार पर कार्यवाही करते हुए नैनीताल बैंक से 16 करोड़ 95 लाख रुपये की धोखाधड़ी वाले गैंग के एक और शातिर आरोपी कुलदीप को नोएडा से गिरफ्तार किया है। साइबर पुलिस इस मामले में अब तक 4 करोड़ से ज्यादा की रकम फ्रीज कर चुकी है। इस पूरी घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

बीते अगस्त महीने में एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। इस मामले में 10 जुलाई को थाना साइबर क्राइम नोएडा में मामला दर्ज करवाया गया था। जिसके मुताबिक नैनीताल बैंक के सर्वर को एक्सेस करके बैंक के आरटीजीएस के पूल अकाउंट से 16 करोड़ 95 लाख रुपये की विभिन्न बैंक खातों मे ट्रांसफर करके धोखाधड़ी की गयी थी।इस मामले की जांच के दौरान इस गैंग में शामिल एक खाताधारक को 8 अगस्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। इसी कड़ी में घटना मे शामिल एक

अन्य आरोपी कुलदीप कुमार को 14 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया है।कुलदीप कुमार द्वारा इस मामले में मिले 1 करोड़ 97 लाख रुपये में से 1 लाख 52 हजार रुपये घटना में शामिल अन्य लोगों को दिए गए थे और उसने खुद 5 लाख रुपये लिए थे। पुलिस पूछताछ में उसने बताया है कि उसके द्वारा नैनीताल बैंक से सम्बन्धित धोखाधड़ी की धनराशि को अन्य बैंक खातों में लेकर धनराशि को निकालकर अन्य सहअभियुक्तों तक पहुंचाया गया था। इस घटना को करने के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराये गये थे, घटना में शामिल अन्य लोगों की तलाश की जी रही है। इस मामले में पुलिस अब तक 4 करोड़ 10 लाख रुपये की धनराशि फ्रीज कर चुकी है।

केंद्र कालीन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए हर प्रयास करेगा : गिरिराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व प्रसिद्ध कालीन नगरी भदोही में 47 वें इण्डिया एक्सपो मार्ट यानी अन्तर-राष्ट्रीय कालीन मेले का शुभारम्भ केंद्रीय सरकार में कैबिनेट एवं कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि भदोही की बेल बूटेदार कालीन का दुनिया भर में जलवा है। उल्लेखनीय है कि भदोही की सांस्कृतिक विरासत एवं बुनाई कौशल को बढ़ावा देने के लिए कालीन निर्यात सवर्धन परिषद सीईपीसी एवं जिला प्रशासन कार्पेट एक्सपो मार्ट, कार्पेट सिटी भदोही में आयोजित किया गया है। यह चार दिवसीय यानी 15 से 18 अक्टूबर तक चलेगा।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि भदोही की कालीन दुनिया में विख्यात है। केंद्र सरकार कालीन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार कालीन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसको लेकर गंभीर है। कालीनों

का निर्यात बढ़ाने के लिए वस्त्र मंत्रालय हर सम्भव प्रयास में जुटा हुआ है। उन्होंने कहा कि भदोही का कालीन उद्योग किसी पहचान का मोहताज नहीं है। भदोही के कालीन उद्योग की प्रशंसा कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कर चुके हैं। उन्होंने बुनकरों के कला कौशल की भी खूब प्रशंसा किया है। देश के नए संसद भवन में भदोही के कारीगरों के हाथ से बनाई गई कालीन ही लगाई गई है। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार ने भदोही के कालीन उत्पाद को 'वन जिला-वन प्रोडक्ट' के तहत शामिल किया है। दुनिया से निर्यात होने वाली कालीन में सबसे अधिक हिस्सेदारी भारत की है। उसमें भी सबसे अधिक कालीन भदोही से निर्यात की जाती है। मेले के भव्य उद्घाटन के दौरान राज्यमंत्री वस्त्र पवित्रा मार्गरिटा, कैबिनेट मंत्री एमएसएमई यूपी राकेश सचान, सांसद डॉ. विनोद बिंद, पूर्व सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त, विधायक औराई दीनानाथ भास्कर, विधायक ज्ञानपुर विपुल दुबे, जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ,जिलाधिकारी विशाल सिंह व सीईपीसी के पदाधिकारियों साथ अन्तर्राष्ट्रीय कालीन मेला का फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारम्भ केंद्रीय मंत्री ने किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तेलंगाना में नौसेना के वीएलएफ राडार स्टेशन की नींव रखी

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में शांति और व्यवस्था बनाए रखना हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत की समुद्री सीमाएं निर्धारित करने वाले देशों की ओर से भी समुद्री सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास किये जाने चाहिए। भारत के इस प्रयास में सभी मित्र देशों का साथ जरूरी है, क्योंकि यदि एक भी देश छूटा तो समझिए हमारा सुरक्षा चक्र टूटा। भारत तोड़ने में नहीं, बल्कि सबको जोड़ने में विश्वास रखता है, इसलिए हम लोग हर तरीके से सभी मित्र पड़ोसी देशों को साथ लेने के लिए हर संभव कदम उठा रहे हैं। राजनाथ सिंह ने तेलंगाना के विकाराबाद में नौसेना के वीएलएफ राडार स्टेशन की नींव रखने के बाद शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वीएलएफ स्टेशन के निर्माण से जुड़े सभी हितधारकों को और तेलंगाना सरकार के मुख्यमंत्री ए

रेवंत रेड्डी को धन्यवाद देते हुए हुए कहा कि हमारे सशस्त्र बलों के लिए यह स्टेशन सैन्य क्षमता का विस्तार करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। यह वीएलएफ स्टेशन चालू होने के बाद समुद्री बलों के लिए कई दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। इस प्रकार का हाई-टेक बुनियादी ढांचा सिर्फ एक सैन्य प्रतिष्ठान में नहीं होता है, बल्कि ये अपनी रणनीतिक भूमिका जैसे राष्ट्रीय महत्व का सिद्धांत देता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि साधारण या असाधारण परिस्थिति में किसी भी कमांड सेंटर से जुड़े सभी लोगों के बीच सूचनाओं का निर्बाध प्रवाह होना बहुत जरूरी है और इस प्रकार के संचार के लिए ये केंद्र बहुत महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

यह वीएलएफ स्टेशन समुद्री बलों के बीच संचार स्थापित करने की कड़ी में हमारा सबसे अहम प्रयास है। यह हमारे सशस्त्र बलों के कमांड सेंटरों के साथ समुद्र में हमारे जहाजों और पनडुब्बियों के बीच एक मजबूत और वास्तविक समय संचार विकसित करना चाहता है। यह स्टेशन हमारे समुद्री हित को सुरक्षित करने के समान दृष्टिकोण के साथ बनाया जा रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज हमारी नौसेना के पास लगभग बहुत से जहाज हैं। भारतीय नौसेना के कई जहाज और अन्य प्लेटफॉर्म पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में उतारे गए हैं।

हमारी नौसेना का क्षेत्र संपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में, पूर्व में मलक्का स्ट्रेट से, पश्चिम में अदन की खाड़ी, फारस की खाड़ी और अफ्रीका के पूर्वी तट तक फैला हुआ है। इतिहास भी इस बात का गवाह है कि जिस देश ने दुनिया में अपनी खास पहचान बनाई, उसने एक बार समुद्र पर अपना दबदबा जरूर बनाया। फ्रांसीसियों, पुर्तगालियों और अंग्रेजों ने समुद्र में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई। इस रणनीतिक प्रभुत्व तथा संसाधनों के प्रतिस्पर्धा में अगर भारत को अपना हित सुरक्षित करना है, तो हमारे पास के प्लेटफार्मों और उपकरणों का होना बहुत जरूरी है, उसके साथ-साथ एक संचार प्रणाली का ढांचा भी होना आवश्यक है।

झारखंड विधानसभा चुनाव : भाजपा की केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा केन्द्रीय चुनाव समिति की झारखंड विधानसभा चुनावों पर चर्चा के लिए

बैठक दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में चली है। इसमें पार्टी की चुनावी रणनीति पर विचार किया। बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, झारखंड में पार्टी के चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और अन्य मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने दो राज्यों महाराष्ट्र एवं झारखंड विधानसभा के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की। महाराष्ट्र की 288 सीटों के लिए एक चरण में 20 नवंबर और झारखंड की 81 सीटों के लिए दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को मतदान होगा। इसके अलावा आयोग ने 48 विधानसभा और दो लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की भी घोषणा की है। सभी के नतीजे 23 नवंबर को आयेंगे।

NAME CHANGE

I, KRISHNA CHANDRA PANT S/O JOGESHWAR PRASAD R/O KANDULI BARI PAURI GARHWAL,U/K 246276. HAVE CHANGED MY NAME FROM, KRISHNA CHANDRA PANT TO KRISHNA CHANDRA ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I NIRAJ KUMAR GUPTA S/O GIRISH KUMAR GUPTA R/O A-221 Second Floor, Kh NO-821, Chattarpur Extn, South Delhi-110074 Have changed my name to NEERAJ KUMAR GUPTA for All future purposes.

NAME CHANGE

I, POOJA SAINI W/O SUNIL SAINI residing at 3717, MAMAN STREET, PAHARI DHIRAJ SADAR BAZAR, DELHI 110006 have changed my minor son name from YUVRAJ SAINI to YUVANSH SAINI all future purposes.

PUBLIC NOTICE

I, KARAN THAPA S/o Tek Bahadur R/o 32/1, Ward No. 3, Jail Road, Mandi, Mandi, Himachal Pradesh-175001 has embraced Sikhisam and renounced Hinduism on 21.07.2024. In future my name will be considered as KARANVEER SINGH and not KARAN THAPA.

NAME CHANGE

I, Adarsh S/o Vijaypal Singh R/o Flat No-4, 2nd Floor, Emilia Floors, Block-H8,Vatika India Next, Sector-82, Gurgaon, Haryana-122004, Have Changed My Name To Adarsh Kumar

NAME CHANGE

I hithertoknowns Anuj Bhardwaj alias Laksh Bhardwaj S/O: Praveen Sharma,R/O 858/E, Lohiya Gali no 04, East Babarpur, Babar Pur, North East Delhi, Delhi-110032,have changed my name and shall hereafter be known as LAKSH BHARDWAJ.

NAME CHANGE

I, Salini Singh Soni Ex-Wife of Vishal Soni R/o House No-D-202, Monsoon Breeze, Sector, Gurgaon, Haryana-122004, Have Changed My Minor Son Name Vikramaditya Soni To Vikramaditya Singh Soni For All Future Purpose

NAME CHANGE

I, Sarvar Singh Yadav S/o Banvari Lal Yadav R/o 102, B-Block, Mahavir Vihar, Dwarka Sector-1, Delhi-110075, My Father Name in my Passport Banvari Lal Singh This is Wrong My Correct Father Name Is Banvari Lal Yadav in my All Future Documents

NAME CHANGE

I, HARJINDER SINGH NAGI S/O AVTAR SINGH NAGI R/O RZ-54, GALI NO.4, VISHNU GARDEN, NEW DELHI-110018 have changed my minor daughter name from HARSIMRAN JEET KAUR to HARSIMRAN-JEET KAUR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, No-16019607K Rank-HAV Name-SANDEEP KUMAR S/o NARSINGH Residing at VPO-PAHARSAR, TEH-RAJGARH, DISTT-CHURU, RAJASTHAN-331023, have changed my minor son's name from DAKSH to DAKSH KUMAR for all future purposes vide Affidavit dated 16/10/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

हमारी मुवक्किला श्रीमती प्रतिमा रानी सिंह उर्फ शिल्पी सिंह उर्फ लवली पुत्री श्री राजपाल सिंह स्थायी निवासिनी एच.21, मीर विहार कालोनी, ग्रा. मुबारक पुर डवास, कंझावला, दिल्ली. 81 ने अपने घरेलू नाम शिल्पी सिंह उर्फ लवली को सदा सदा के लिए त्याग दिया है, अब भविष्य में उन्हें केवल प्रतिमा रानी सिंह निवासी 370 दीपाली प्रीतमपुरा दिल्ली के नाम से ही जाना जाए, और सभी आवश्यक जगह यह नाम प्रयोग किया जाए।

गीता चौहान, एडवोकेट

चै. नं. 1408, रोहिणी कोर्ट, नई दिल्ली

PUBLIC NOTICE

I, Tanish S/o Late Anil Kumar, R/o C-328, Chinor Basti, Multani Dhanda Pahar Ganj, Nabi Karim, New Delhi-110055 hereby informed general public that I have lost original title documents of Property bearing No. C-328, Chinor Basti, Multani Dhanda Pahar Ganj, Nabi Karim, New Delhi-110055 in the name of my father Late Sh. Anil Kumar, somewhere and the same are not traceable. Anybody Found the same please return at above address. Founder will be given handsome reward.

PUBLIC NOTICE

I, K. Selva Kumar S/O Kanda Swamy, R/O E-419, Shakur Pur, Saraswati Vihar, North West Delhi,Delhi-110034,have changed the name of my minor daughter S.K.SUNDHARA VALLI aged 15 Years and she shall hereafter be known as LAVANYAA.

NAME CHANGE

I hitherto known as Rehan Ahmad S/O: Ishan Ahmad,R/O PERMANENT Address-400, Noor Manzil Mewati Tola, Etawah, Etawah, Uttar Pradesh, 206001,Present adress-HNo- 250 Maidan Garhi Near Harijan Chaupal new delhi 110068,have changed my name and shall hereafter be known as REHAN BHARTI.

NAME CHANGE

I, BANDGAR LAXMAN JAGANNATH Father of No. 15756971W Rank- SIGMN Name-BANDGAR SANTOSH LAXMAN Presently residing at VPO-BUDHGAON, TEH-MIRAJ, DIST-SANGLI, MAHARASHTRA-416304, have changed my name from BANDGAR LAXMAN JAGANNATH to LAXMAN JAGANNATH BANDGAR for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1974 instead of my correct date of birth as 01/06/1974 vide Affidavit dated 16/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SANGITA Mother of No. 15756971W Rank- SIGMN Name-BANDGAR SANTOSH LAXMAN Presently residing at VPO-BUDHGAON, TEH-MIRAJ, DIST-SANGLI, MAHARASHTRA-416304 have changed my name from SANGITA to SANGITA LAXMAN BANDGAR for all future purposes vide Affidavit dated 16/10/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is hereby notified to the public at large that my clients Smt. Sunita Gupta w/o Late Sh. Rajender Gupta R/o House No. 27, Block K1, Gali No. 19, Sangam Vihar, New Delhi 110062 has disowned/debarred their son Vicky Gupta from their life and properties (both movable and immovable) at Delhi and out side Delhi due to their quarreling nature and using of abusive language with my client and he wants to grab my client's funds, assets both movable and immovable. My client or any one from their family will not be responsible for any act, deed and things whatever done by him with anybody.

Nitish Bhardwaj, Advocate

Chamber No. 169, Lawyer's Block, Saket Courts New Delhi-110017

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I NARESH DOGRA S/O PREM CHAND DOGRA R/O House no f-4, Neelkanth Apartment-2, Sant Nagar, Burari, North Delhi, Delhi - 110084 declared the name of mine has been wrongly written as NARESH in my minor son MANIT DOGRA aged 17 year in his 10th class marksheet the actual name of mine is NARESH DOGRA respectively which may be amended accordingly

Date of birth change

I, SK MOJAMMEL HOSSAIN is legally Father of No. 14654053A Rank HAV, Name SK KALIM HOSSAIN, presently residing Village- KHETURA, PO-GALSI, Teh- PURBA BARDHAMAN, Dist- PURBA BARDHAMAN, STATE –WEST BENGAL-713406 have changed my date of birth from 01/07/1950 to 06/02/1952 for all purposes. Vide Affidavit No- IN DL7195586224265W dated 16.10.2024 Before Public Notary Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सार्वजनिक को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुनीता ने एक आवासीय प्लॉट, जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज (125.41 वर्ग मीटर), खसरा नंबर 715 और 715B, गांव गागोल, परगना, तहसील और जिला मेरठ, उत्तर प्रदेश में स्थित है को श्रीमती साविता से खरीदने का इरादा किया है। श्री अजित पहले मालिक थे, जिन्होंने 02.03.2009 की बिक्री पत्र के माध्यम से यह संपत्ति श्रीमती विद्या वती को स्थानांतरित की। बाद में, श्रीमती विद्या वती का 12.05.2020 को निधन हो गया, और उनके कानूनी वारिस, श्री महेंद्र सिंह, बचे। श्री महेंद्र सिंह ने 11.07.2023 की बिक्री पत्र के माध्यम से यह संपत्ति श्रीमती साविता को बेच दी। कृपया ध्यान दें कि संपत्ति दस्तावेज़ और दिवंगत श्रीमती विद्या वती के नाम पर जीवित प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं है। यह संपत्ति हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा गौर सिटी (Gaur City), नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्त पोषित की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त संपत्ति के कब्जे में पाया जाता है या किसी प्रकार की आपत्ति है, तो कृपया इस नोटिस की तारीख से 07 दिन के भीतर मूल संपत्ति दस्तावेज के साथ नीचे दिए गए पते पर संपर्क करें। ऐसा न करने पर, उपरोक्त बिक्री पत्र के अनुसार दावा विषय संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate

Chamber No. 122, Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE

THE PUBLIC AT LARGE TAKE NOTICE THAT MY CLIENT SH. SUNITA W/O SH. BIJENDER SINGH R/O A-56.57, BABA HARIDAS NAGAR MAIN JHARODA ROAD, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043 HEREBY DISINHERIT THEIR SON MANISH KUMAR PANCHAL FROM ALL THEIR PROPERTIES MOVABLE AND INNOVABLE BECAUSE OF HIS BAD CHARACTER AND INCONTROLLABLE BEHAVIORS. THE SAID PERSON WOULD THEREFORE BE NO LONGER SON OF MY CLIENTS. THE ABOVESAID SON OF MY CLIENTS WILL NOT INHERIT ANY PROPERTY OF MY CLIENTS AFTER THE DEATH OF MY CLIENTS.

MOHIT YADAV Advocate

(D/4690/2024)

CHAMBER NO-628, 6th FLOOR Dwarka District Court, Sec-10, Dwarka, New Delhi-75 Mob.9315222260

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that Mr. Sahil Sehrawat is the owner Plot no. 235, area measuring 353 Sq. Yds, out of Khewat/ Khata no. 137/138, Khatoni no. 155 mu no. 22, Kila no. 1/6(0-7), 2/1(1-6), 11/1(1-19), 2/4 (1-19), situated at village Sukhrali, Tehsil & Distt. Gurugram Haryana through Transfer Deed in Blood Relation dated 15.07.2024 regd. as doc. No. 4523 executed by Mrs. Anita Devi in favour of Mr. Sahil Sehrawat in respect of said Plot. Mr. Sahil Sehrawat is in the process of mortgaging the said property with ICICI Home Finance Co. Ltd. Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting.

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at

Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683, E-mail: accounts@lvnorth.in

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that Mrs. Raj Bala is the owner Property Bearing No. 434, area measuring 55 Sq. Mtrs., i.e., 66 Sq. Yds., Block-C1, in the residential Colony Known as ANSAL'S PALAM VIHAR, Gurugram, Situated in and around Village Chauma Tehsil & Distt. Gurugram, Haryana through Sale Deed dated 17.05.2024 regd. as doc. No. 1909 executed by Mrs. Preeti Yadav in favour of Mrs. Raj Bala in respect of the said property.

The above-said owner has misplaced the (1) Original Allotment letter dated 19.08.1996 issued by M/S Ansal Properties and Industries Ltd in favour of Mrs. Krishna in respect of the said Property (2) Original Possession letter issued by M/S Ansal Properties & Industries Ltd in favour of Mrs. Krishna in respect of the said Property. (3) Original Sale Deed dated 11.07.2001 executed by M/S Ansal Properties & Industries Ltd in favour of Mrs. Krishna in respect of the said Property. (4) Original Regd. GPA, ATS & Will dated 31.07.2001 executed Mrs. Krishna in favour of Mr. H C Baluja in respect of the said Property. (5) Original Sale Deed dated 20.11.2001 executed by Mrs. Krishna through GPA Mr. H C Baluja in favour of Mr. Ramvir Yadav in respect of the said Property. (6) Original Occupation certificate dated 13.12.2003 issued by Senior Town Planner in favour of Mr. Ramvir Yadav in respect of the said Property.FIR No. 2205695/2024, also registered at P.S. Crime Branch, Delhi on dated 15.10.2024. Anyone who finds the above-mentioned documents, kindly hand-over the same to the Manager of ICICI Home Finance Co. Ltd, Gurgaon 1 – Sector-29 Mrs. Raj Bala is in the process of mortgaging the said property with ICICI Home Finance Co. Ltd. Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting.

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at

Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683, E-mail: accounts@lvnorth.in

तपस्या शरीर के लिए संजीवनी बूटी : रमेश मुनि

एजेंसी

सोनीपत। गन्नौर मंडी में एसएस जैन सभा के तत्वाधान में आयोजित धर्मसभा में मुनि मायाराम परंपरा के रमेश मुनि जी महाराज ने कहा कि तपस्या शरीर के लिए संजीवनी बूटी के समान होती है, जो कई बार असाध्य रोगों में भी असर दिखाती है। प्राचीन काल में साधु-संन्यासी तप के बल पर निरोगी जीवन जीते थे। जिस प्रकार अग्नि में तपने से सोना शुद्ध हो जाता है, उसी प्रकार तपस्या से मनुष्य के विकार नष्ट होते हैं और सदुणों का विकास होता है।उन्होंने बताया कि आज के तनावपूर्ण युग में तपस्या आत्मशक्तिको जागृत कर मानसिक शांति प्रदान कर सकती है। मुनि जी ने मुकेश मुनि जी की तपस्या का उदाहरण देते हुए कहा कि उनकी तप आराधना सहज और सरल होती है, जिससे उनका आत्मबल विशेष रूप से जागृत हो जाता है। तपस्या के दौरान, साधक अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण प्राप्त कर लेता है और जीवन के विकारों से मुक्त होता है। धर्मसभा में मुदित मुनि जी महाराज ने जीवन में सत्संग और अच्छे विचारों को आत्मसात करने का महत्व बताया। सभा के पदाधिकारियों ने कहा कि मुनि मुकेश जी की तपस्या ने गन्नौर क्षेत्र में जैन समाज में तप, त्याग और श्रद्धा का माहौल बनाया है।

बीएंडआर ब्रांच हिसार की कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से हुआ चुनाव

हिसार। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबंधित हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन की बीएंडआर ब्रांच का सम्मेलन बीएंडआर कैंपस में हुआ। सम्मेलन में ब्रांच की नई कार्यकारिणी का चुनाव करवाया गया। हुए इस सम्मेलन में जिला कमेटी की तरफ से चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में जिला प्रधान नरेश गौतम, जिला सचिव अभयराम फौजी, वरिष्ठ उपप्रधान रविंद्र शर्मा, रामू शर्मा, राजेश व राज्य सहसचिव संदीप पुनिया मौजूद रहे। सम्मेलन में आगामी तीन वर्ष के लिए ब्रांच कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चुनाव करवाया गया, जिसमें सुरजीत सिंह चेयरमैन, रमेश शर्मा प्रधान, सुदेश बूरा वरिष्ठ उपप्रधान, रमेश फौजी कोषाध्यक्ष, रणबीर सहकोषाध्यक्ष, सोनिया देवी, राजेंद्र व रघुबीर उपप्रधान, संदीप प्रचार सचिव, अजय कुमार व संदीप लाडवा सहसचिव, रमेश फौजी ऑडिटर, मुकेश व सुभाष संगठन सचिव चुने गए।

भारतीय संस्कृति के अनुसार जीवन यापन जरूरी: सीडीएस कौशल

यमुनानगर। हरियाणा साहित्य एवं संस्कृत अकादमी के संस्कृत प्रकोष्ठ सौजन्य से डीएवी गर्ल्स कॉलेज के संस्कृत व हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मानवीय मूल्यों और नैतिकता की खोज भारतीय ज्ञान व्यवस्था के परिप्रेक्ष्य के विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ के संस्कृत विभाग के पूर्व विभाग अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र अलंकार मुख्य अतिथि रहे। डीएवी कॉलेज चंडीगढ के संस्कृत विभाग अध्यक्ष डॉ. सुषमा अलंकार मुख्य वक्ता रहीं। संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ सी.डी.एस कौशल व कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. मीनू जैन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। हुए कार्यक्रम में डॉ. सी.डी.एस कौशल ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में मानवीय मूल्यों का विस्तृत रूप से उल्लेख किया गया। हर भारतीय को वेदों व पुराणों के के मंत्र याद होने चाहिए। भारतीय संस्कृति के मुताबिक जीवन यापन करना चाहिए। प्रत्येक मनुष्य को पंच महायज्ञ का आचरण करना चाहिए। प्रातःकाल व सायंःकाल को ध्यान योग व हवन अवश्य करना चाहिए। डॉ. वीरेंद्र अलंकार ने मनुस्मृति के मुताबिक धर्म की परिभाषा का वर्णन किया। सत्य, पवित्रता, दया, करूणा, आत्मनियंत्रण, दान इत्यादि का पालन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि इन सत्य आदि धर्मों से युक्त प्राणी सच्चा धार्मिक होता है। वेदों के मंत्रों को मानवीय मूल्यों से जोडकर स्वयं को विकसित करने के बारे में बताया। डॉ. सुषमा अलंकार ने वैदिक विवाह पद्धति के मूल्यों का वर्णन करते हुए बताया कि विवाह एक पवित्र कर्म है।

बहादुरगढ़ के पुराना बस अड्डा परिसर का होगा जीर्णोद्धार

नई दिल्ली। बहादुरगढ़ के पुराना बस अड्डा परिसर में निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को मौजूदा समस्याओं का समाधान करने के निर्देश देती हुई नप चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी। अधिकारियों को समस्याओं का समाधान करने के निर्देशइज्जर, 15 अक्टूबर (हि.स.)। बस अड्डा स्थानांतरित होने के बाद करीब दो साल से नर्क जैसी हालत में पहुँच गए बहादुरगढ़ के पुराना बस अड्डा परिसर का जल्द ही उद्धार किया जाएगा। नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी ने कई विभागों के अधिकारियों के साथ शहर के पुराना बस अड्डा परिसर का निरीक्षण किया और मौजूदा समस्याओं का समाधान करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी ने नगर परिषद, हरियाणा रोडवेज व जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ पुराना बस अड्डा परिसर की सभी मौजूदा समस्याओं मौके पर जाकर जायजा लिया। सीवरेज व्यवस्था ब्लॉक होने के कारण परिसर में भरे गंदे पानी की निकासी के निर्देश दिए। चेयरपर्सन ने जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द सीवरेज ब्लॉक होने की समस्या का स्थाई समाधान किया जाए ताकि भविष्य में इस तरह की समस्या यहां न हो। पुराना बस अड्डा परिसर का निरीक्षण करने के उपरांत चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी ने जानकारी देते हुए कहा कि कल पुराना बस अड्डा परिसर में सफाई अभियान भी चलाया गया था।

बीजेपी की अहम बैठक में हुई शपथ ग्रहण की तैयारियों पर चर्चा : मोहन लाल बडोली

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें बीजेपी के वरिष्ठ नेता बिनोद तावड़े, सतीश पुनिया, नायब सिंह सैनी, और कृष्ण पाल गुर्जर भी उपस्थित रहे। इस बैठक में वाल्मीकि जयंती के शुभ अवसर पर आयोजित होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों का समीक्षा की गई। बीजेपी के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली ने बताया कि, हमारी सरकार ने हैट्रिक लगाने का काम किया है। व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर चर्चा की गई है, और कल इस ऐतिहासिक क्षण के लिए सभी तैयारियाँ की जा चुकी हैं।उन्होंने आगे जानकारी दी कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस समारोह के ऑब्जर्वर के रूप में आमंत्रित किया गया है, और वे कल सुबह पंचकमल कार्यालय में उपस्थित रहेंगे। विधायक दल को सुबह 10 बजे बैठक के लिए बुलाया गया है, और अमित शाह के पहुंचने के बाद बैठक की

शुरुआत होगी।इस बैठक में विधायक दल का नेता चुना जाएगा, जिसके बाद सरकार गठन की सभी औपचारिकताएँ पूरी की जाएंगी। बडोली ने यह भी बताया कि गैर-राजनीतिक संगठनों को भी इस शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया है। कांग्रेस की हार पर चर्चा करते हुए बडोली ने कहा, देश भर में कांग्रेस ने जीत की तैयारी की थी, लेकिन जिस तरह से भाजपा ने जीत हासिल की है, उससे हम बेहद प्रसन्न हैं।इधर, हरियाणा के कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जनता का दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ÷मैं हरियाणा के लोगों का धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने प्रधानमंत्री की गारंटियों पर विश्वास जताया है।÷ उन्होंने आगे बताया कि केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति हो चुकी है और कल विधायक दल की बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में विधायक दल का नेता चुना जाएगा। सैनी ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह की भी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं और कल भव्य रूप से शपथ ग्रहण होगा। इस अवसर पर एनडीए के नेता और केंद्रीय मंत्री भी शामिल होंगे। सैनी ने यह भी कहा कि विपक्षी नेताओं को भी आमंत्रित किया जा रहा है और प्रदेश अध्यक्ष खुद उन्हें फोन कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि विपक्षी नेता भी इस समारोह में शामिल होंगे और उनका आशीर्वाद प्राप्त होगा।

सोनीपत पुलिस ने रोहतक में नष्ट किए नशीले पदार्थ

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत पुलिस आयुक्त सतेन्द्र गुप्ता के निर्देश पर सोनीपत पुलिस ने विभिन्न मुकदमों में पकड़े गए नशीले पदार्थों का विधिपूर्वक निष्पादन जिला रोहतक के गांव बालंद में किया गया। पुलिस प्रवक्ता, रविंद्र ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार, सोनीपत पुलिस कमीशनरेट में एक बायो-मेडिकल वेस्टेज समिति गठितकी गई थी। इस समिति में पुलिस आयुक्त सतेन्द्र गुप्ता, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय मनबीर सिंह, और सहायक पुलिस आयुक्त जीत सिंह बेनीवाल सदस्य के रूप में शामिल थे। समिति ने रोहतक जिले के गांव बालंद में, वहां के सरपंच और अन्य व्यक्तियों की उपस्थिति में 62 मुकदमों में पकड़े गए नशीले पदार्थों का नष्टिकरण किया। इनमें 43 मुकदमों से 128 किलोग्राम 611 ग्राम गांजा, 10 मुकदमों से 3 किलोग्राम 865 ग्राम चरस, 4 मुकदमों से 11 ग्राम 660 मिलीग्राम हेरोइन, और 5 मुकदमों से 83 किलोग्राम 900 ग्राम अफीम कीभूसी (पॉपी स्ट्रॉ) शामिल थी।

चंडीगढ़ में 18 को होगी कांग्रेस विधायक दल की बैठक, नेता का होगा चुनाव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में कांग्रेस को तीसरी बार भी विधानसभा में विपक्ष की कुर्सियों पर बैठना पड़ेगा। चुनाव परिणामों मेंपिछड़ने के बाद अब कांग्रेस विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति के लिए सक्रिय हो गई है। कांग्रेस ने अपने विधायक दल की बैठक 18 अक्टूबर को बुलाई है। चंडीगढ़ स्थित कांग्रेस मुख्यालय में होने वाली इस बैठक में पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में विधायक दल के नेता का चुनाव किया जाएगा। हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार के कारणों की पड़ताल के लिए राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में बनी फैक्ट फाईंडिंग कमेटी बनाई गई है। इस कमेटी के सदस्य व पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा और वरिष्ठ नेता अजय माकन की मौजूदगी में होने वाली कांग्रेस विधायक दल की बैठक में नेता प्रतिपक्ष के नाम पर फैसला होगा। राज्य में पिछले पांच वर्ष से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा विधायक दल के नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष थे। विधानसभा चुनाव

हार के लिए एंटी हुड्डा खेमा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व प्रदेश अध्यक्ष चौ उदयभान को जिम्मेदार ठहरा रहा है। टिकट आवंटन से लेकर चुनाव प्रचार में एकतरफा चलाने की वजह से ही कांग्रेस की हार हुई, ऐसा अब कांग्रेस के कई नेता आरोप लगा रहे हैं। ऐसे में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के फिर से विधायक दल का नेता चुने जाने के आसार कम हैं। नेता प्रतिपक्ष के लिए तीन नाम चर्चा में हैं। इनमें पूर्व स्पीकर अशोक अरोड़ा, पूर्व शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल व पूर्व उपमुख्यमंत्री चंद्रमोहन बिश्नोई शामिल हैं। अशोक अरोड़ा और गीता भुक्कल की गिनती हुड्डा के नजदीकियों में होती है। वहीं, चंद्रमोहन बिश्नोई को पूर्व केंद्रीय मंत्री व सिरसा सांसद कुमारी सैलजा का नजदीकी माना जाता है। यह भी कहा जा रहा है कि सैलजा की ओर से ही चंद्रमोहन बिश्नोई का नाम आगे बढ़ाया गया है। चंद्रमोहन बिश्नोई भूतपूर्व मुख्यमंत्री चौ भजनलाल के बड़े बेटे हैं। इसके अलावा थानेसर विधानसभा क्षेत्र से नायब सरकार में शहरी स्थानीय निकाय मंत्री सुभाष सुधा को चुनाव हराकर विधानसभा पहुंचे अशोक अरोड़ा राज्य सरकार में कैबिनेट मिनिस्टर के अलावा विधानसभा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। माना जा रहा है कि कांग्रेस गैर-जाट कार्ड खेलते हुए इस बार अरोड़ा पर दांव लगा सकती है। पंजाबी समुदाय के अशोक अरोड़ा लम्बे समय तक इनेलो में सक्रिय रहे हैं।

साइबर सिटी गुरुग्राम को सुंदर सिटी बनाने के लिए हुआ मंथन

गुरुग्राम। स्वच्छता सर्वेक्षण-2024 के बारे में विस्तृत जानकारी व प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से निगम कार्यालय में विशेष ओरियंटेशन वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जिसमें एक्सपर्ट्स ने बिन्दुवार विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर बताया गया कि स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में कुल 9500 अंक होंगे, जिन्हें तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है। इनमें सर्विस लेवल प्रोग्रेस के लिए 5705 अंक, सर्टिफिकेशन के लिए 2500 अंक तथा जन आंदोलन गतिविधियों के लिए 1295 अंक शामिल हैं। आईसीयूसी एजेंसी के एक्सपर्ट डा. राकेश भट्ट ने एक प्रेजेंटेशन दी।

उन्होंने बताया कि उनकी टीम नगर निगम गुरुग्राम के लिए तकनीकी सहायता उपलब्ध कराएगी, जिसमें डाटा व एमआईएस, फील्ड, दस्तावेज तैयार करने सहित आईईसी गतिविधियां शामिल हैं। निगम द्वारा इस बार जन आंदोलन के रूप में नागरिकों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए कई प्रकार की गतिविधियां आयोजित होंगी, जिनमें जीरो वेस्ट इवेंट, वाटर प्लस इनिशिएटिव, सोर्स सेग्रीगेशन, इंटरपर्सनल कम्यूनिकेशन, वेस्ट-टू-वेल्थ एक्टिविटी, स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता, आत्मनिर्भर वार्ड, स्वच्छ इनोवेटिव चेलेंज, ब्रांड एंबेसडर व स्वच्छता चैंपियन संबंधी गतिविधियां शामिल हैं। टीम ने वरिष्ठ सफाई निरीक्षकों, सफाई निरीक्षकों, सहायक सफाई निरीक्षकों तथा स्वच्छता एक्सपटर्स से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्र में नियमित

सफाई तथा कचरा उठान लगातार सुनिश्चित करें तथा नागरिकों को कचरा ना फैलाने के लिए जागरूक करें। इसके साथ ही क्लीनलीनेस टारगेट यूनिट (सीटीयू), जिन्हें पहले गार्बेज वर्नेबल प्वाइंट बोला जाता रहा है, उन्हें नियमित साफ करवाएं तथा इस प्रकार की व्यवस्था करें कि एक बार साफ किए गए सीटीयू पर दोबारा से कचरा ना डाला जाए। इस मौके पर स्वच्छता सलाहकार सुभाष वर्मा, वरिष्ठ सफाई निरीक्षक हरीश मेहता, संदीप कुमार, हर्ष चावला व देवेन्द्र बिश्नोई सहित चारों जोन के सफाई निरीक्षक, सहायक सफाई निरीक्षक तथा स्वच्छ भारत मिशन व आईसीयूसी एजेंसी की टीम उपस्थित थे।

भाजपा सरकार में तेज होंगे विकास कार्य

एजेंसी

सोनीपत। भाजपा नेता प्रदीप सांगवान ने चुनाव हारने के बाद कई गांव का धन्यवादी दौरा किया। उन्होंने गांव जवाहरा में कहा कि चाहे मैं विधायक नहीं बन पाया, परंतु आपका भरपूर सहयोग मिला। मैं अपने वायदे के अनुसार आपका धन्यवाद करने आया हूं। हलके के विकास कार्यों के लिए ग्रांटों की कोई कमी नहीं रहने दूंगा। उन्होंने कहा कि मेरे पिताजी पूर्व सांसद स्व. किशन सिंह सांगवान की ही तरह मेरे घर के दरवाजे आपके लिए हमेशा खुले मिलेंगे। आपके दुख सुख में हाजिर रहूंगा। सांगवान ने भादोटी, दूराणा, शामडी, चिढ़ाना, सिरसाड और रामगढ़ में भीजाकर ग्रामीणों का धन्यवाद किया। उनके साथ पूर्व विधायक रामफल चिड़ाना, आजाद जागसी, डा.राममेहर राठी, अजीत सांगवान, सुरेंद्र जवाहरा, सूरत सिंह, सत्यवान आर्य, मंगली राम, सरपंच अर्जुन, देवेंद्र, रामबीर पूनिया आदि शामिल रहे।

मसाले वाली फसलों की खेती करके किसान कमा सकते हैं अधिक लाभ : डॉ. एसके सिंह

एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 35वीं अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना की तीन दिवसीय वार्षिक समूह बैठक शुरू हुई। इसमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के उप-महानिदेशक (बागवानी) डॉ. एसके सिंह मुख्य अतिथि रहे जबकि बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व उप-महानिदेशक (बागवानी), डॉ. एन कृष्णा कुमार, डॉ. वीए पार्थासारथी व एडीजी डॉ. सुधाकर पांडे उपस्थित रहे। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय मसाला अनुसंधान संस्थान, कोझीकोड, कालीकट, केरल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही इस बैठक में देश के विभिन्न राज्यों के 40 अखिल भारतीय कृषि अनुसंधान परियोजना केंद्रों से आए वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं। मुख्य अतिथि डॉ. एसके सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मसालों

की खेती में नर्सरी से लेकर खेत में उत्पादन के बाद प्रसंस्करण पर और अधिक काम करने की जरूरत है। ताकि मशालों कि खेती को और अधिक लाभकारी बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि मसाले वाली फसलों की खेती करके किसान अन्य फसलों के मुकाबले अधिक लाभ कमा सकते है। किसानों को एफपीओ के सहयोग से समूह बनाकर खेती करने के लिए प्रेरित करने कि जरूरत है। जलवायु में हो रहे परिवर्तनों के कारण एग्रो-क्लाइमेट क्षेत्रों के हिसाब से योजना बनाकर उन्नत किस्मों की खेती करने से अधिक लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ मसालों की गुणवत्ता पर भी ध्यान देने की जरूरत है ताकि मसालों के उपयोग से स्वास्थ्य में कोई हानि न हो। आईसीएआर के कोझीकोड और अजमेर में मसालों के राष्ट्रीय स्तर के संस्थान कार्यरत हैं। उन्होंने मसालों की खेती में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करने का भी आह्वान किया। उन्होंने जानकारी सांझा करते हुए कहा कि हाल ही में जलवायु परिवर्तन के प्रति सहनशील एवं अधिक उत्पादन देने वाली फसलों की 109 किस्मों का विमोचन किया गया था जिसमें 6 किस्में मसालें वाली फसलों की थी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर कंबोज ने कहा कि मसाले न केवल हमारे भोजन में स्वाद और जायका जोड़ते हैं बल्कि हमारे भोजन की गुणवत्ता और औषधीय मूल्यों को भी बढ़ाते हैं। भारत को मसालों और मसाला उत्पादों का सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक होने के कारण 'मसालों की भूमि' के रूप में भी जाना जाता है।

भाजपा ने संकल्प पत्र को समर्पित किया नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को पंचकूला में आयोजित होने वाले नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह को संकल्प पत्र को समर्पित किया है। पार्टी ने जारी किए गए आधिकारिक निमंत्रण पत्र पर चुनावी संकल्प पत्र की घोषणाओं का जिक्र किया गया है। इस शपथ ग्रहण समारोह में बड़े नेताओं के अलावा उद्योगपति, खिलाड़ी, किसान और ड्रोन दीदियां भी शामिल होंगी।

देश के दो राज्य महाराष्ट्र व झारखंड में विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है। ऐसे में भाजपा हरियाणा की जीत को इन राज्यों के चुनाव में भुनाना चाहती है। जिसके चलते 17 अक्टूबर को पंचकूला में आयोजित होने जा रहे शपथ ग्रहण समारोह के माध्यम से शक्ति प्रदर्शन की तैयारी हो चुकी है। हरियाणा में बहुत कम ऐसे अवसर पर हुए हैं, जब सत्ता और संगठन के साथ-साथ प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री एक ही मंच पर मौजूद हों। शपथ ग्रहण समारोह में 50 हजार की भीड़ जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। शपथ ग्रहण समारोह को यादगार बनाने के लिए 15 एकड़ के मैदान पर समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसे देखते हुए शपथग्रहण की जगह को

परेड ग्राउंड से बदलकर शालीमार ग्राउंड किया गया है। भाजपा प्रवक्ता प्रवीण आत्रेय ने बताया कि समारोह में ड्रोन दीदी, प्रगतिशील किसान, सफाई कर्मचारी, उद्योगपतियों, खिलाडियों और सरकारी स्कीमों के लाभार्थियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। इन सभी के बैठने के लिए अलग-अलग ब्लॉक बनाए जाएंगे। समारोह से पूर्व पूरा दिन एनएसजी, हरियाणा पुलिस के सीआईडी विभाग, डॉग स्क्वॉड और बम स्क्वॉड ने समारोह स्थल पर चेकिंग की। एंट्री के लिए बनाए गए हैं, दस गेट,पंचकूला अस्पताल में बनाया सेफ हाउस, शालीमार ग्राउंड पर मेहमानों की एंट्री के लिए 10 गेट बनाए गए हैं। बैठने के लिए कुल तीन सिटिंग एरिया तैयार किए हैं। इनमें करीब 15 हजार कुर्सियां लगाई गई हैं। स्टेज एरिया के सामने करीब 120 फुट चौड़ा और करीब 200 फुट लंबा सेटिंग एरिया वीवीआईपी तथा वीआईपी के बैठने के लिए तैयार किया है। इसके दाईं ओर 40 फुट चौड़ा, 60 फुट लंबा और बाईं ओर 40 फुट चौड़ा और 132 फुट लंबा एरिया लोगों की सिटिंग के लिए बनाया गया है। लाइव देखने के लिए ग्राउंड में कुल 14 एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी। इनमें 3 स्क्रीन 45 फुट चौड़ी होंगी, जो पीएम की स्टेज के पास होंगी। बाकी 15 फुट ऊंची स्क्रीन पूरे सिटिंग एरिया और एंट्री व एग्जिट पर लगाई जाएंगी।शपथ ग्रहण समारोह में आने वाले वीआईपी के लिए सिविल अस्पताल में एक सेफ हाउस बनाया जा रहा है। जहां एक सीनियर डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती की गई है।

प्रधानमंत्री और राज्यपाल के लिए तीन से ज्यादा टीमें बनाई गई हैं। इसके साथ ही पांच एंबुलेंस भी समारोह स्थल और सेफ हाउस में तैनात रहेंगी। समारोह स्थल की मेन एंट्री के ठीक सामने बनी सेक्टर 8 और 9 के कमर्शियल सेंटर की पार्किंग को वीआईपी पार्किंग में तब्दील किया जाएगा।

जींद की मंडियों में पिछले साल से कम आ रही कपास व धान

जींद। पीआर धान की खरीद निरंतर जारी है। खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा उचाना में पीआर धान की खरीद की जा रही है। यहां पर दो मिलर्स खरीद कर रहे है। अब तक मंडी में आई करीब 30 हजार क्विंटल पीआर धान में से 25 हजार क्विंटल के आसपास की खरीद हो चुकी है। खरीद के बाद उठान प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। खाद्य आपूर्ति विभाग इंस्पेक्टर अजय कोथ ने मंगलवार को बताया कि साफ, सुखी पीआर धान जो मापदंडों पर खरी उतर रही है, उसे आते ही खरीदा जा रहा है। किसानों, आढ़तियों को किसी तरह की परेशानी नही आने दी जा रही है। 30 हजार क्विंटल के आसपास पीआर धान मंडी में आई है। 25 हजार क्विंटल के आसपास खरीद हो चुकी है। पीआर धान की खरीद को लेकर निरंतर विधायक देवेंद्र चतुर्भुज अत्री अधिकारियों से खरीद के साथ-साथ उठान की अपडेट ले रहे है। अत्री ने कहा कि किसान, आढ़तियों को किसी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

हर क्षेत्र में क्रांति ला रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग

एजेंसी

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस में डेटावर्स क्लब द्वारा एक वेबिनार का आयोजन किया गया। 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग' विषय पर केंद्रित इस वेबिनार का आयोजन ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म स्किलफाइमे के सहयोग से किया गया। वेबिनार में विद्यार्थियों को उभरती हुई तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई और बताया गया कि कैसे ये तकनीकें व्यवसाय की वृद्धि में अहम भूमिका निभाती हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस वेबिनार की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को उद्योग की नई तकनीकों के प्रति जागरूक बनाते हैं और उन्हें उभरते हुए अवसरों के लिए तैयार करते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग वर्तमान युग में हर क्षेत्र में क्रांति ला रहे हैं, और हमारे छात्रों को इनका ज्ञान होना अनिवार्य है। वेबिनार के दौरान विशेषज्ञों के रूप में राज शेखर, निकिता, आयुष व कपिल ने अपने विचार साझा किए। क्लब की सचिव पूजा ने वेबिनार का संचालन किया। विशेषज्ञों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस,

मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, डेटा एनालिटिक्स तथा नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग के बीच के अंतर को स्पष्ट रूप से समझाया। विशेषज्ञों ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वह तकनीक है जो कंप्यूटर को इंसानों की तरह सोचने और कार्य करने की क्षमता प्रदान करती है, जबकि मशीन लर्निंग के माध्यम से कंप्यूटर बिना विशेष निर्देशों के ही डेटा से सीखने की क्षमता प्राप्त करता है। इसके अलावा, विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि कैसे मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके व्यवसायों के लिए भविष्यवाणी मॉडल तैयार किए जा सकते हैं। वेबिनार में विद्यार्थियों को व्यवसायों में डेटा एनालिटिक्स और डेटा साइंस के महत्व को भी बताया गया, जिसमें इन तकनीकों के उपयोग से तेज और सटीक निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही, नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग के व्यावहारिक उपयोग पर भी चर्चा की गई, जो कि मानव भाषा को कंप्यूटर द्वारा समझने और प्रोसेस करने की तकनीक है।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत दो लाख से अधिक युवाओं को नशा न करने की शपथ दिला चुके राहुल शर्मा

एजेंसी

हिसार। जिला प्रशासन हिसार एवं जिला समाज कल्याण विभाग के सहयोग से नशा मुक्त भारत अभियान के मास्टर वालंटियर राहुल शर्मा 307 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके दो लाख सात हजार 222 युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों बारे जागरूक एवं नशा न करने की शपथ दिलवा चुके हैं। उनके नेतृत्व में चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप अनेक लोग नशा छोड़ भी चुके हैं। युवा सामाजिक कार्यकर्ता एवं सिविल अस्पताल हिसार में सुकून काउंसलर के पद पर कार्यरत राहुल शर्मा जिला हिसार के उपमंडल हांसी के गांव कुतुबपुर से संबंध रखते हैं और पिछले सात वर्षों से युवा एवं बच्चों को नशा से बचाने के लिए अभियान चलाए हुए हैं। उन्होंने बताया कि वे ड्यूटी के साथ-साथ अतरिक्त समय निकाल कर जिले के विभिन्न

स्कूलों, कॉलेजों, यूनिवर्सिटी, ग्रामसभा, गांव आदि में कार्यक्रम आयोजित कर युवा व बच्चों को नशा के दुष्प्रभाव बारे निशुल्क जागरूक कर रहे हैं। इसके साथ-साथ राहुल शर्मा जागरूकता रैली कार्यक्रम, खेल प्रतियोगिता, सोशल मीडिया और प्रिंट मिडिया आदि के माध्यम से भी आमजन को जागरुक करते रहते हैं ताकि नशा से होने वाली घरेलू हिंसा, यौनिक हिंसा, छेडखानी, चोरी, सडक़ दुर्घटना, लड़ाई-झगड़ा व नशा के कारण होने वाले अनेक अपराधों पर रोकथाम किया जा सके। उन्होंने बताया कि मंत्रालय के ऐप पर 307 कार्यक्रम जिला प्रशासन हिसार एवं जिला समाज कल्याण विभाग हिसार के सहयोग से अपलोड कर चुके हैं और हजारों युवा व बच्चों को नशा न करने की शपथ दिलवा चुके हैं। जिले में वर्ष 2021 से जिला प्रशासन हिसार एवं समाज कल्याण विभाग हिसार के साथ नशा मुक्त भारत अभियान के तहत मास्टर वालंटियर के रूप में कार्य कर रहे हैं और जिला प्रशासन हिसार के द्वारा आयोजित की जाने वाली बैठक में भी सदस्य के रूप में भाग लेकर अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

एयर प्यूरीफायर संबंधी दावों की जांच के लिए बाजार पर नजर रखेगी सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नई दिल्ली और अन्य प्रमुख शहरों में प्रदूषण को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच एयर प्यूरीफायर विनिर्माता कंपनियों की ओर से किए जाने वाले दावों की जांच के लिए बाजार पर निगरानी रखने की घोषणा की। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की अध्यक्ष और उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने यहां आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी। खरे ने कहा कि हम बाजार निगरानी के जरिए यह देखने की कोशिश करेंगे कि इस संबंध में किए गए दावे सही हैं या नहीं। खरे ने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने इस मामले को संज्ञान में लिया है। वह एयर फिल्टर पर मौजूदा गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों के अनुपालन की जांच करेगा। प्राधिकरण ने यह कदम केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी के एक दिन पहले दिए गए उस बयान के बाद उठाया है, जिसमें कुछ कंपनियों पर अपने उत्पादों के बारे में गलत दावे करने का आरोप लगाया गया था। जोशी ने विश्व मानक दिवस कार्यक्रम में कंपनियों की भ्रामक विपणन रणनीति पर चिंता व्यक्त की थी। मंत्री ने उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने की जरूरत पर कहा था कि एयर प्यूरीफायर को लेकर झूठे दावे किए जाते हैं, उन पर बहुत कुछ लिखा होता है लेकिन उनमें कुछ नहीं होता। उसमें सिर्फ एक पंखा लगा होता है। फिर भी दावे किए जाते हैं।

भारत का डेटा भारतीय डेटा सेंटर में ही रहना चाहिए : आकाश अंबानी

नई दिल्ली। रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के चेयरमैन आकाश अंबानी ने भारत का डेटा भारतीय डेटा सेंटर में ही रखने की वकालत की। उन्होंने राजधानी के प्रगति मैदान में इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 (आईएमसी 2024) को संबोधित करते हुए यह बात कही। आकाश अंबानी ने कहा कि भारत में डेटा जनरेशन का पैमाना और स्पीड तेजी से बढ़ी है, जो एआई के साथ और तेजी से बढ़ेगी। इसलिए देश में एआई और मशीन लर्निंग डेटा सेंटर स्थापित करने की आवश्यकता है। इसके लिए भारतीय कंपनियों को सरकार की ओर से प्रोत्साहन मिलना चाहिए। उन्होंने सरकार से डेटा सेंटर नीति 2020 के मसौदे को जल्द अपडेट करने का अनुरोध किया।रिलायंस जियो के चेयरमैन ने कहा कि दुनिया उस देश से अचंभित है जो आठ साल पहले 2-जी की गति से रेंग रहा था, अब 5-जी की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ''मैं प्रधानमंत्री को यह आश्वस्त करना चाहूंगा कि 6-जी में भारत का रिकॉर्ड और बेहतर होगा। यूपीआई दुनिया की नंबर वन डिजिटल भुगतान प्रणाली बन गई है। आज भारत दुनिया का एकमात्र बड़ा देश है, जहां मोबाइल डेटा की कीमतें सबसे कम हैं, फिर भी सबसे तेज इंटरनेट है।

सोने के भाव में लगातार दूसरे दिन गिरावट, चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई है लेकिन चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,760 रुपये से लेकर 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 71,290 रुपये से लेकर 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज भी 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

टाटा समूह पांच वर्षों में विनिर्माण से जुड़ी 5 लाख नौकरियों का करेगा सृजनः चंद्रशेखरन

नई दिल्ली। टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा कि समूह अगले पांच वर्षों में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), बैटरी और संबंधित उद्योगों से जुड़े विनिर्माण क्षेत्र में 5 लाख नौकरियों का सृजन करेगा। चंद्रशेखरन ने इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट की यहां आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि यदि भारत विनिर्माण के क्षेत्र में नौकरियां पैदा नहीं कर सकता तो वह विकसित राष्ट्र होने के लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकता। चंद्रशेखरन ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि हर महीने 10 लाख लोग कार्यबल में शामिल हो रहे हैं।टाटा संस प्रमुख ने अपने संबोधन में भारत के विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य में विनिर्माण की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर में हमारे (टाटा समूह के) निवेश, प्रीसीजन मैन्यूफैक्चरिंग, असेंबली, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और संबंधित उद्योगों में हमारे निवेश से मुझे लगता है कि हम अगले पांच वर्षों में 5 लाख विनिर्माण नौकरियां पैदा करेंगे। उन?होंने कहा कि समूह असम में सेमीकंडक्टर संयंत्र और इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी के लिए अन्य कई संयंत्र स्थापित कर रहा है।

यूएस से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदेगा भारत, 32 हजार करोड़ की डील पर हुए हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका ने 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदने के लिए 32 हजार करोड़ रुपये के सौदे पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने पिछले सप्ताह अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदने के सौदों को मंजूरी दी थी। खरीदे जाने वाले ड्रोन के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल के लिए देश में ही एमआरओ स्थापित किया जाएगा। भारतीय नौसेना को 31 में से 15 ड्रोन, जबकि सेना और वायु सेना को आठ-आठ ड्रोन मिलेंगे, जिनके शांतिकालीन निगरानी में गेम चेंजर साबित होने की उम्मीद है। दरअसल, चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के संवेदनशील क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने और निगरानी को बढ़ावा देने के लिए सेना, नौसेना और वायु सेना ने एमक्यू-9बी सशस्त्र ड्रोन की जरूरत जताई थी। खासकर हिंद महासागर

क्षेत्र में नौसेना अपनी उपस्थिति बढ़ाना चाहती है। इस ड्रोन के आने के बाद हिंद महासागर पर चीन के खिलाफ घेराबंदी और मजबूत हो सकेगी। इसी क्रम में प्रीडेटर ड्रोन के सौदे को 15 जून, 2023 को रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) से मंजूरी मिली थी। इसके बाद पिछले सप्ताह 10 अक्टूबर को सीसीएस ने भी मंजूरी दे दी।यह अत्याधुनिक ड्रोन सिर्फ भारतीय नौसेना के लिए खरीदे जाने थे, लेकिन बाद में इसे तीनों सेनाओं के लिए 31 ड्रोन खरीदने का फैसला लिया गया। भारतीय नौसेना इस सौदे के लिए प्रमुख एजेंसी है, जिसमें 15 ड्रोन अपनी जिम्मेदारी के क्षेत्र में निगरानी संचालन के लिए समुद्री बल को दिए जाएंगे। इसके अलावा सेना और वायु सेना को 8-8 ड्रोन मिलेंगे। सौदे के पहले चरण में छह ड्रोन तत्काल एकमुश्त नगद भुगतान करके खरीदे जाएंगे। मौजूदा जरूरतों को देखते हुए फिलहाल दो-दो ड्रोन तीनों सेनाओं को दिए जाएंगे। बाकी 24 ड्रोन अगले तीन वर्षों में हासिल कर लिए जाएंगे। तीनों सेनाओं के लिए खरीदे जाने वाले ड्रोन के लिए दोनों पक्षों ने वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में इस सौदे पर हस्ताक्षर किए गए। एमक्यू-9 रीपर ड्रोन की खासियतएमक्यू-9 रीपर ड्रोन को सैन डिएगो स्थित जनरल एटॉमिक्स ने बनाया है, जो लगातार 48 घंटे उड़ सकता है। यह 6,000 समुद्री मील से अधिक दूरी तक लगभग 1,700 किलोग्राम (3,700 पाउंड) का पेलोड ले जा सकता है। यह नौ हार्ड-पॉइंट्स के साथ आता है, जो हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलों के अलावा सेंसर और लेजर-निर्देशित बम ले जाने में सक्षम है, जिसमें अधिकतम दो टन का पेलोड है।

बिकवाली के दबाव में गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज शुरुआती मजबूती के बाद गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की मजबूत शुरुआत हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी की चाल में तेजी भी आई, लेकिन पहले घंटे के कारोबार में ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण शेयर बाजार ने लाल निशान में गोता लगा दिया। हालांकि खरीदारों ने कई बार लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी की, लेकिन बिकवाली के दबाव की वजह से पूरे दिन शेयर बाजार गिरावट के साथ कारोबार करता रहा। दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.19 प्रतिशत और निफ्टी 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

आज के कारोबार में मेटल, ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, एनर्जी और आईटी इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, रियल्टी, एफएमसीजी, मीडिया, टेक, कंज्यूमर ड्यूरेबल और कैपिटल गुड्स इंडेक्स खरीदारी के सपोर्ट से हरे निशान में बंद हुए। छोटे और मंझोले शेयरों में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.05 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद छोटे और मंझोले शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 25 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 463.87 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 463.62 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 25 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

अडाणी ग्रुप ने यूएस बॉन्ड मार्केट में की वापसी, ग्रीन नोट्स के जरिए जुटाएगी डॉलर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के जरिए अडाणी ग्रुप ने एक बार फिर अमेरिका के डॉलर बेस्ड बॉन्ड मार्केट में वापसी कर ली है। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड 20 साल की अवधि वाले ग्रीन नोट्स (बॉन्ड्स) की बिक्री कर रही है। इन बॉन्ड्स की बिक्री से मिले पैसे का इस्तेमाल पहले से लिए गए उन कर्जों के निपटारे में किया जाएगा, जिनका भुगतान डॉलर में करने की शर्त है। यानी अडाणी ग्रीन एनर्जी ने पहले से विदेशी मुद्रा में जो कर्ज लिए हैं, उनका निपटारा बॉन्ड से मिली राशि के जरिए किया जाएगा। बता दें कि अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के ग्रीन नोट्स को ऐसे समय में बिक्री के लिए लॉन्च किया गया है, जब अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज भी 50 करोड़ डॉलर जुटाने की योजना पर काम कर रही है। बताया जा रहा है कि अडाणी ग्रुप फरवरी 2025 के अंत तक लगभग 1.5 अरब डॉलर के बॉन्ड अमेरिका के बॉन्ड बाजार

में बेच सकता है। इसमें मुख्य रूप से अडाणी ग्रीन एनर्जी के अलावा अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड की ओर से बॉन्ड्स पेश किए जाएंगे। माना जा रहा है कि अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट से लगे झटके के बाद अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने ग्रीन नोट्स को लॉन्च करके अमेरिकी बाजार में अपनी दमदार वापसी कर ली है। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट से 2023 में अडाणी ग्रुप को काफी झटका लगा था। इस रिपोर्ट के कारण बने निगेटिव माहौल की वजह से अडाणी ग्रुप के मार्केट केपीटलाइजेशन में भी बड़ी गिरावट आई थी। हिंडनबर्ग रिसर्च ने बाद में भी अडाणी ग्रुप पर अलग अलग आरोप लगाए। हालांकि हिंडनबर्ग के ये आरोप अडाणी ग्रुप की चाल को 2023 की पहली रिपोर्ट की तरह अधिक प्रभावित नहीं कर सके।

पीएम गतिशक्ति इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग के लिए एक सुपर इंटेलिजेंस टूल : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पीएम गतिशक्ति इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग के लिए एक सुपर इंटेलिजेंस टूल है। उन्होंने देश के 27 आकांक्षी जिलों के लिए पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के जिला संस्करण की लॉन्चिंग के अवसर पर यह बात कही। पीयूष गोयल ने यहां पीएम गतिशक्ति के तीन वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में पीएम गतिशक्ति के तहत 27 आकांक्षी जिलों के लिए जिला मास्टर प्लान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर गोयल ने कहा कि गतिशक्ति बुनियादी ढांचे की योजना बनाने के लिए एक सुपर इंटेलिजेंट टूल है। उनहोंने आगे कहा कि पीएम गतिशक्ति मॉडल का उपयोग भविष्य में इंफ्रा प्लानिंग के लिए दुनिया द्वारा किया जाएगा। वाणिज्य मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि अगले 18 महीनों में जिला मास्टर प्लान का

विस्तार करके देश भर के 750 से अधिक जिलों को कवर किया जाएगा। गोयल ने शहरों को लॉजिस्टिक्स प्लानिंग तैयार करने में मदद करने के लिए 'भारतीय शहरों के लिए सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान तैयार करने के लिए दिशा-निर्देश' भी लॉन्च किए। गोयल ने 2003 में गुजरात के सीएम के रूप में गतिशक्ति की अवधारणा बनाने में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता की सराहना भी की।

उल्लेखनीय है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने केंद्र और राज्य सरकारों के गतिशक्ति प्लेटफॉर्म के हितधारकों की एक पूरे दिन की एक बैठक आयोजित की थी, ताकि प्लेटफॉर्म के प्रदर्शन की समीक्षा की जा सके। इसके अलावा केंद्रीय और राज्य स्तर के बुनियादी ढांचा योजनाकारों के लिए और भी अधिक उपयोगी बनाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया जा सके।

'विवाद से विश्वास' योजना के बारे में मार्गदर्शन जारी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने प्रत्यक्ष कर से संबंधित 'विवाद से विश्वास' योजना 2024 के बारे में मार्गदर्शन जारी किया है। सीबीडीटी ने प्राय: पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) के रूप में एक मार्गदर्शन नोट जारी किया है।

वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि सीबीडीटी ने स्पष्टता प्रदान करने के लिए प्रत्यक्ष कर विवाद से विश्वास योजना, 2024 पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) को जारी किया है। मंत्रालय के मुताबिक इस नोट को स्पष्टता प्रदान करने और करदाताओं को योजना के प्रावधानों को बेहतर रूप से समझने में सहायता प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि सीबीडीटी ने अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) के रूप में जारी इस पत्र में विवाद समाधान

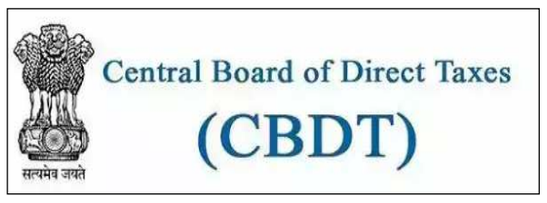

योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र संस्था और भुगतान किए जाने वाले करों से संबंधित विभिन्न सवालों के जवाब दिए हैं। इस मार्गदर्शन नोट को आयकर विभाग के आधिकारिक पोर्टल https://incometa&india.gov.in/news/circular-12-2024.pdf पर देखा जा सकता है। आयकर विभाग ने कहा कि उसे इस योजना के एक अक्टूबर, 2024 को प्रभावी रूप से अधिसूचित होने के बाद विभिन्न प्रावधानों के संबंध में मार्गदर्शन मांगने वाले हितधारकों से कई सवाल मिले हैं। इस योजना को लागू करने के लिए संबंधित नियमों और प्रपत्रों को 20 सितंबर, 2024 को अधिसूचित किया गया है। हालांकि, इस योजना की समाप्ति तिथि अभी अधिसूचित नहीं की गई है। डीटीवीएसवी योजना, 2024 के विस्तृत प्रावधानों के लिए वित्त (संख्या 2) अधिनियम, 2024 की धारा 88 से 99 को प्रत्यक्ष कर विवाद से विश्वास नियम, 2024 के साथ संदर्भित किया जा सकता है। 'विवाद से विश्वास' योजना का लाभ वे करदाता उठा सकते हैं, जिनके विवाद या अपील 22 जुलाई, 2024 तक सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, आयुक्त अथवा संयुक्त आयुक्त (अपील) के समक्ष लंबित हैं। इसके अलावा इनमें रिट और विशेष अनुमति याचिकाएं (अपील) शामिल हैं, चाहे वे करदाता या कर अधिकारियों द्वारा दायर की गई हों। योजना में विवाद समाधान पैनल (डीआरपी) के समक्ष लंबित मामले और आयकर आयुक्त के समक्ष लंबित पुनरीक्षण याचिकाएं भी शामिल होंगी। यदि कोई करदाता योजना का लाभ उठाने के लिए 31 दिसंबर, 2024 से पहले घोषणा दाखिल करते हैं, तो उन्हें विवादित कर मांग का 100 फीसदी भुगतान करना होगा।

हुंडई के आईपीओ को पहले दिन सिर्फ 18 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन, 17 तक कर सकते हैं अप्लाई

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार के इतिहास में अभी तक का सबसे बड़ा हुंडई मोटर इंडिया का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया। हालांकि शाम 5 बजे तक इस आईपीओ को सिर्फ 18 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन ही मिल सका था। हुंडई मोटर का आईपीओ 17 अक्टूबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। इस आईपीओ के जरिए हुंडई मोटर इंडिया 27,870.16 जुटाना चाहती है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार शाम 5 बजे तक क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 5 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आया है। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 13 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ है। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 26 प्रतिशत सब्सक्राइब हो चुका है। सबसे अधिक सब्सक्रिप्शन हुंडई मोटर इंडिया के कर्मचारियों के लिए रिजर्व पोर्शन में आया है। कर्मचारियों के लिए रिजर्व पोर्शन में अभी तक 80 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आ चुका है।

आईपीओ के तहत कंपनी ने इश्यू का प्राइस बैंड 1,865 से 1,960

रुपये तय किया है। 17 अक्टूबर को आईपीओ के क्लोज होने के बाद 18 अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। इसके बाद 22 अक्टूबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर हुंडई मोटर इंडिया के शेयर लिस्ट होंगे।

कच्चे तेल की कीमत में गिरावट, पेट्रोल-डीजल का मूल्य स्थिर

नयी दिल्ली। इजराइल-ईरान जंग के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य करीब 2.30 डॉलर प्रति डॉलर घटकर 76 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 72 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने आज पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 2.27 डॉलर यानी 2.93 फीसदी की गिरावट के साथ 75.19 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 2.18 डॉलर यानी 2.95 फीसदी लुढ़ककर 71.65 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है।

भारत का वस्त्र उद्योग 2030 तक 35 हजार करोड़ डॉलर का होगा : गिरिराज सिंह

एजेंसी

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही में 47वें अन्तर-राष्ट्रीय कालीन मेले का शुभारम्भ केंद्रीय सरकार में कैबिनेट एवं कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत में वस्त्र उद्योग साल 2030 तक 35 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा। एक्सपो में 67 देशों के 500 से ज्यादा आयातक भाग ले रहे हैं।

भदोही में 47वें कार्पेट एक्सपो मार्ट के उद्घाटन के दौरान केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने 2030 तक 100 बिलियन डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा है, इस लक्ष्य को पाने में कारपेट उद्योग की भूमिका अहम होगी। श्री सिंह ने कहा कि वर्तमान में वस्त्र उद्योग 170 मिलियन डॉलर का है जिसे 2030 तक 350 बिलियन डॉलर तक लाया जाएगा। कपड़ा मंत्रालय में इस बढ़ोतरी से 20 लाख मिलियन टन यार्न की जरूरत होगी।

इसमें नेचुरल विस्कोस और रीप्रोड्यूस यार्न की आने वाले दिन में मांग बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि कालीन निर्यातक संगठन को इस पर ध्यान रखकर अपनी कार्य योजना बनानी चाहिए। उन्होंने सलाह देते हुए कहा कि कालीन उद्योग को अपना व्यापार 16 हजार करोड़ से 50 हजार करोड़ तक ले जाने की योजना पर कार्य करना चाहिए। दरी और कारपेट चचेरे भाई हैं। लोगों को रोजगार देने वाले इस उद्योग के विकास पर हमारा हर स्तर पर सहयोग रहेगा।

उन्होंने कहा कि कालीन भदोही की विरासत है और तुर्की हमारे सामने कुछ भी नहीं है। हमें इसमें तकनीक का प्रयोग कर अपनी विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य करना होगा। डिजाइन में नया पैटर्न लाकर अपनी विरासत को बढ़ाएं। उत्पादों का खर्च कम करने के लिए भदोही में कच्चे उत्पादन के लिए वूलन मिल लगाना चाहिए और कच्चा मटेरियल बैंक की भी स्थापना होनी चाहिए। गिरिराज सिंह तकनीक पर जोर देते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार दोनों सहयोग के लिए तत्पर हैं। उन्होंने घोषणा की कि 6 महीने के अंदर एक नया फाइबर पर काम हो रहा है जो जूट और बंबू से मिलकर तैयार होगा। वस्त्र उद्योग के विकास को लेकर उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक लागत को कम करने के लिए उत्पादन को निर्माण स्थान पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां के उद्योग के लिए कच्चा माल गुजरात से बीकानेर और बीकानेर से भदोही आती है। इससे कीमत बढ़ जाती है और इसे कम करने का रास्ता है कि यहां पर कच्चा पदार्थ का निर्माण हो।

सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। अहमदाबाद स्थित औषधि कंपनी सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने 26 जुलाई, 2024 को सेबी के पास अपना आईपीओ लाने के लिए कागजात दाखिल किए थे। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 500 करोड़ रुपये जुटाने की है।

कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि पूंजी बाजार नियामक सेबी ने उसके आईपीओ लाने को अपनी मंजूरी दे दी है। सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के मुताबिक सेबी ने 9 अक्टूबर को ऑब्जर्वेशन लेटर जारी किया है। कंपनी के 10 रुपये प्रत्येक अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में 500 करोड़ रुपये के नए निर्गम और 24 लाख शेयर की बिक्री का प्रस्ताव है।

कंपनी के मुताबिक इन शेयरों में स्वप्निल जतिनभाई शाह के 8.5 लाख इक्विटी शेयर, अशोक कुमार विजय सिंह बरोट के 5.5 लाख इक्विटी शेयर, संगीता मुकुर बरोट के 3 लाख इक्विटी शेयर और प्रकाश एम संघवी के 10 लाख इक्विटी शेयर की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। इसके अलावा इस प्रस्ताव में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए आरक्षण भी शामिल है उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद स्थित सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड एक वैश्विक शोध संचालित फार्मास्युटिकल कंपनी है। यह कंपनी विभेदित जटिल फार्मास्युटिकल उत्पादों के विकास और निर्माण में लगी हुई है। कंपनी में प्रमोटरों की हिस्सेदारी 66.67 फीसदी है, जबकि शेष शेयर सार्वजनिक शेयरधारकों के पास हैं।

जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने के लिए जीओएम की बैठक 20 अक्टूबर को

एजेंसी

नई दिल्ली।फूड, फुटवियर्स और टेक्सटाइल आइटम्स से जुड़ी जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने के लिए आए प्रस्तावों पर ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स (जीओएम) की अगली बैठक 20 अक्टूबर को होगी। माना जा रहा है कि फूड, फुटवियर्स और टेक्सटाइल आइटम्स की जीएसटी दर को कम करके 5 प्रतिशत के टैक्स स्लैब में लाने का प्रस्ताव जीओएम की बैठक में तैयार किया जा सकता है। जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने और जीएसटी के ढांचे को सरल बनाने के लिए गठित जीओएम की अध्यक्षता बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे।

जानकारों का कहना है कि जीएसटी ढांचे को सरल बनाने और दरों को तर्कसंगत करने से जीएसटी से जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स को काम करने में सुविधा होगी। इसके साथ ही नियमों का बोझ भी कम होगा और जीएसटी संग्रह में भी ओवरऑल तेजी आएगी। माना जा रहा है कि जीओएम की बैठक में करीब 100 आइटम्स की दरों को तर्कसंगत बनाने के लिए आए प्रस्तावों पर चर्चा की जा सकती है। हालांकि, इसमें सबसे

पहले फूड, फुटवियर्स और टेक्सटाइल आइटम्स पर चर्चा की जाएगी, क्योंकि ये लोगों के दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुएं हैं बताया जा रहा है कि 20 अक्टूबर को होने वाली बैठक में जिन वस्तुओं की जीएसटी दरों की समीक्षा की जाएगी वे फिलहाल 12 प्रतिशत के टैक्स स्लैब में हैं। चर्चा के बाद जीओएम अपनी ओर से एक सुझाव पत्र तैयार करेगा, जिसे नवंबर के महीने में होने वाली जीएसटी परिषद की अगली बैठक में पेश किया जाएगा। जीएसटी ढांचे को सरल बनाने और जीएसटी दरों को तर्कसंगत करने के लिए 1 नवंबर 2023 को ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स (जीओएम) का गठन किया गया था। जीओएम में सम्राट चौधरी के अलावा पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य, उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, केरल के वित्त मंत्री केएन बालगोपाल, राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह और कर्नाटक के राजस्व मंत्री केबी गौड़ा भी शामिल हैं। ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स ने पहले हुई अपनी बैठक में जीएसटी में सिर्फ तीन स्लैब 5 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत रखने की बात कही थी। ऐसी स्थिति में 12 प्रतिशत वाले स्लैब को चरणबद्ध रूप से खत्म करने पर की बात पर भी 20 अक्टूबर को होने वाली बैठक में चर्चा हो सकती है। हालांकि, 12 प्रतिशत वाले स्लैब को पूरी तरह से खत्म करने में समय लगने की बात भी कही जा रही है, क्योंकि इससे राज्यों को मिलने वाले रेवेन्यू पर भी असर पड़ेगा। ऐसी स्थिति में इस प्रस्ताव पर सहमति देने के पहले तमाम राज्य अपनी आर्थिक स्थिति और राजस्व पर पड़ने वाले असर की समीक्षा जरूर करेंगे, जिसमें समय लग सकता है।

ओरल कैंसर के सबसे ज्यादा मामले भारत में, लेंसेट की नई रिपोर्ट से सनसनी, ये है इसके लक्षण और बचाव का तरीका

भारत में ओरल कैंसर के सबसे ज्यादा मामले आते हैं. 2022 में दुनिया में ओरल कैंसर के कुल 3.77 लाख मामले सामने आए जिनमें अकेले भारत में इसके 83 हजार मामले हैं. यहां जानिए ओरल कैंसर के लक्षण और इसके बचाव.

जिस तरह से भारत को डायबिटीज कैपिटल ऑफ वर्ल्ड कहा जाने लगा है उसी तरह से अब भारत को कैंसर कैपिटल ऑफ वर्ल्ड कहा जाने लगा है. लेंसेट ऑन्कोलॉजी जर्नल की हालिया रिपोर्ट इसकी पुष्टि भी करता है. इस रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण मध्य एशिया में 2022 में ओरल कैंसर के 1.20 लाख मामले सामने आए जिनमें अकेले भारत में 83,400 मामले हैं. विश्व में ओरल कैंसर के 3.77 लाख मामले 2022 सामने आए हैं. रिपोर्ट में दक्षिण मध्य एशिया में भारत की इस भयावह सच को जगजाहिर किया है. रिपोर्ट के मुताबिक भारत में स्मोकलेस तंबाकू का चलन अब भी सबसे ज्यादा है जिसकी वजह से ओलर कैंसर या गले या मुंह का कैंसर तेजी से बढ़ रहा है.

भारत में ओरल कैंसर के प्रमुख कारण

इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में ओरल कैंसर कैंसर के मामले इसलिए सबसे ज्यादा आ रहे हैं क्योंकि यहां मुंह के कैंसर को जन्म देने वाले कई चीजों का सेवन सबसे ज्यादा होता है. रिपोर्ट के मुताबिक भारत में स्मोकलेस तंबाकू यानी पान, गुटखा, खैनी, सुपारी का सेवन सबसे ज्यादा होता है. कैंसर सर्विलांस ब्रांच के वैज्ञानिक डॉ. हैरिएट रूमगेह का कहना ह कि स्मोकलेस तंबाकू के कई रूप हैं लेकिन भारत में जिस तरह से इसका इस्तेमाल किया जाता है उससे कई बीमारियों के साथ कैंसर की सबसे बड़ी वजह है. रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में कुल ओरल कैंसर का 35 प्रतिशत ओरल कैंसर स्मोकलेस तंबाकू और सुपारी के कारण होता है.

ओरल कैंसर के शुरुआती लक्षण

मायो क्लीनिक के मुताबिक ओरल कैंसर में मुख्य रूप से मुंह के अंदर के भाग, गला, गाल या कान के आसपास लक्षण दिखाई देते हैं. इसमें होठ या मुंह में छाले या घाव होने लगते है जो दवा से ठीक नहीं होती. मुंह के अंदर गालों की सतह पर लाल रंग के पैचेज बनने लगते है. इन सबके कारण दांत ढीले हो जाते हैं. मुंह के अंदर के किसी हिस्सों में गांठ बनने लगता है जो धीरे-धीरे बड़ा होने लगता है. ओरल कैंसर होने पर मुंह और कान में दर्द होने लगता है और कुछ भी निगलने में कठिनाई होने लगती है. ये सारे लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए.

किन लोगों को है ओरल कैंसर का ज्यादा खतरा

जैसा कि उपर कहा गया है कि स्मोकलेस तंबाकू ओलर कैंसर की बहुत बड़ी वजह है. तंबाकू या तंबाकू से संबंधित किसी भी चीजों का सेवन किसी भी तरह से करने वाले को ओरल कैंसर का खतरा सबसे ज्यादा है. करीब 35 प्रतिशत ओरल कैंसर के मामले तंबाकू और सुपारी के कारण ही होता है. जो लोग गुटखा खाते हैं, उनमें ओरल कैंसर की प्रबल आशंका होती है. इन सबके अलावा सिगरेट पीने वालों, सिगार या पाइप पीने वालों, तंबाकू चबाने वाले को इसका खतरा ज्यादा है. वहीं अगर होंठ में ज्यादा सूरज की रोशनी लगती है तो भी ओरल कैंसर हो सकता है. इसके अलावा कमजोर इम्यूनिटी और एचपीवी वायरस भी ओरल कैंसर का कारण हो सकता है इसलिए इन चीजों से सतर्क रहना चाहिए.

भागवत की शताब्दी कथा: खतरा, खतरा, खतरा!

आरएसएस ने औपचारिक रूप से जाति-आधारित आरक्षण के अपने विरोध को छोड़ दिया है। उसने औपचारिक रूप से यह स्वीकार करना भी शुरू कर दिया है कि अतीत में दलितों के साथ अन्याय हुआ हो सकता है और इससे उबारने के लिए आरक्षण जरूरी हो सकता है। इसके लिए, वह %बड़ों% से खुद हानि उठाकर भी कुछ उदारता की मांग करने के लिए भी तैयार है।इस दशहरे से आरएसएस का शताब्दी वर्ष शुरू हो गया। इस मौके पर, आरएसएस के वर्तमान सरसंघचालक, मोहन भागवत के संबोधन से बहुत से लोगों ने अगर, शताब्दी पार के आने वाले वर्षों में आरएसएस की दशा-दिशा के बारे कुछ नया सुनने की उम्मीद लगा रखी थी, तो उन्हें जरूर निराशा हुई होगी। वैसे आरएसएस के भागवत काल में, जो काफी हद तक देश में मोदी के शासन का काल भी है, आरएसएस ने अपनी पहले की सार्वजनिक रौशनी तथा विशेष रूप से मीडिया से दूरी बनाए रखने की नीति को जिस तरह से बदला है और मीडिया में अपना पक्ष रखने को अपना एक महत्वपूर्ण काम बनाया है, उसके बाद से सरसंघचालक के आरएसएस के स्थापना दिवस यानी दशहरा के परंपरागत संबोधन का, उसकी दिशा के संकेतक का विशेष महत्व जाता रहा है। फिर भी यह किसी ने नहीं सोचा होगा कि शताब्दी संबोधन में संघ प्रमुख, मोदी राज के क्षमाप्रार्थी बनकर, सिर्फ और सिर्फ उसका बचाव करने की मुद्रा में नजर आएंगे।

बेशक, भागवत के दशहरा भाषण का एक अर्थ यह भी है कि कम से कम इसके बाद, पिछले आम चुनाव में मोदीशाही के फीके प्रदर्शन, भाजपा के 240 के आंकड़े पर अटक जाने तथा बहुमत के लिए एनडीए के अपने सहयोगियों पर निर्भर होकर रह जाने के बाद से मीडिया में लग रही इस आशय की अटकलों पर पूर्ण विराम लग जाना चाहिए कि आरएसएस, मोदीशाही से नाखुश है, वह मोदीशाही पर अंकुश लगाने की कोशिश कर रहा है, आदि। भागवत के संबोधन से यह स्पष्ट है कि आरएसएस के मोदीशाही से लोगों की नाराजगी को, उस पर अंकुश लगाने का औजार बनाने या कम से कम उससे असंतुष्ट होने की सारी अटकलें झूठी थीं और आरएसएस प्राण-पण से मोदीशाही के साथ खड़ा है। और यह होना ही स्वाभाविक भी था क्योंकि आरएसएस को इसका बखूबी एहसास है कि मोदी राज के कंधों पर चढ़कर ही वह इस स्थिति में पहुंचा है, जहां वह %हिंदू राष्ट्र% (और वास्तव में हिंदू राज) के अपने सपने को तेजी से न सही, रेंगकर ही सही, एक वास्तविकता में तब्दील होते देख सकता है। शताब्दी वर्ष में आरएसएस को %आंशिक हिंदू राज% का गिफ्ट देने वाली मोदीशाही के प्रति, भागवत का इतना कृतज्ञता ज्ञापन तो बनता भी था!

बहरहाल, भागवत कोई साधारण कृतज्ञता ज्ञापन पर ही नहीं रुक गए हैं। वह मोदीशाही के खिलाफ आम चुनाव में सामने आए और उसके बाद से बार-बार रेखांकित हो रहे, जनता के असंतोष के खिलाफ तलवार बल्कि कहना चाहिए त्रिशूल लेकर मैदान में कूद पड़े हैं। इस त्रिशूल के तीन शूल हैं–खतरा, खतरा और खतरा! भागवत सचेत रूप से अपने इस संबोधन के लिए %खतरा-कथा% का ही चुनाव करते हैं। अपने एक घंटे से लंबे संबोधन में भागवत इसका बखान करते हैं कि कैसे भारत खतरे में हैं, भारत की परंपरा खतरे में है, भारत की संस्कृति खतरे में है, भारत का समाज खतरे में है, भारत का धर्म खतरे में है। और हिंदू शब्द का प्रयोग किए बिना, सबसे बढ़कर इसका बखान करते हैं कि कैसे हिंदू खतरे में है। भारत में ही नहीं, दुनिया भर में ही और इसके लिए वह बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ ज्यादतियों के बहाने, हिंदुओं को संगठित करने की महत्ता का बखान भी करते हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि खतरे की यह कथा सुनाने में भागवत इस विडंबना पर तनिक भी नहीं हिचकते हैं कि मोदी राज के दस वर्ष में अगर ये खतरे इतने अर्जेंट हो सकते हैं, तो इस राज में आगे ये खतरे और ज्यादा क्यों नहीं बढ़ेंगे? और यह भी बांग्लादेश में अगर हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ अन्याय, अन्याय है, तो भारत में मोदीशाही में मुस्लिम और ईसाई भी, अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ता अन्याय, अन्याय क्यों नहीं है, जिसके खिलाफ अल्पसंख्यकों का संगठित होकर प्रतिकार करना उचित और जरूरी हो!बहरहाल, भागवत की इस खतरा-कथा की धार, अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने में कुछ भी नया नहीं है। यह तो आरएसएस के डीएनए में ही है। नयी न सही, फिर भी ध्यान देने वाली बात है, इस कथा में समाज के बंटने के खतरे का, जो वास्तव में ड्क्षहदुओं के ही बंटने का खतरा है क्योंकि अल्पसंख्यक तो समाज की उनकी परिभाषा से पहले ही बहिष्कृत हैं, अपेक्षाकृत नया पेच। यह पेच है, समाज के दबे-कुचले तबकों की संगठित होती आवाज के खतरे का। आरएसएस के इतिहास के जानकार बखूबी इस बात को जानते हैं कि मुसलमानों के डर की ही तरह, निचली जातियों के उभार का डर, आरएसएस को उसकी घुट्टी में मिला है बल्कि उसके संगठन की मूल प्रेरणा रहा है। फिर भी, मोदीशाही को हाल के दौर में दलितों-वंचितों की जिस तरह की मुखरता तथा सक्रिय आलोचना तथा विरोध का सामना करना पड़ा है और जिस तरह जातिगत जनगणना का मुद्दा इस परिघटना के केंद्र में आ गया है, उस पर आरएसएस के सरसंघचालक की खास निगाह रही है। इस सबकी अर्जेंसी जरूर नयी है।

बेशक, आरएसएस ने औपचारिक रूप से जाति-आधारित आरक्षण के अपने विरोध को छोड़ दिया है। उसने औपचारिक रूप से यह स्वीकार करना भी शुरू कर दिया है कि अतीत में दलितों के साथ अन्याय हुआ हो सकता है और इससे उबारने के लिए आरक्षण जरूरी हो सकता है। इसके लिए, वह %बड़ों% से खुद हानि उठाकर भी कुछ उदारता की मांग करने के लिए भी तैयार है। लेकिन इन वंचितों का अपने अधिकारों के लिए मुखर होना और बराबरी के अधिकार के आधार पर संगठित होना, उसे हर्गिज मंजूर नहीं है। उसे सबसे बढ़कर इसी में हिंदुओं के बंटने का खतरा दिखाई देता है। यही जगह है जहां भागवत से लेकर मोदी तक, सब एक स्वर से योगी आदित्यनाथ का लगाया नारा दोहराने लगते हैं- %बंटोगे तो कटोगे%। मुस्लिमविरोधी गोलबंदी की इससे नंगी पुकार दूसरी नहीं हो सकती है। इसी पुकार की आड़ में मनुवादी-ब्राह्मणवादी आग्रहों को, एकता की पुकार के नाम पर चलाने की कोशिश की जा रही है, जोकि हमेशा से ही आरएसएस का पैंतरा रहा है। लेकिन, आरएसएस के दुर्भाग्य से वर्तमान राजनीतिक-सामाजिक परिस्थितियां उसे आज सामने आकर जातिगत जनगणना तक का विरोध नहीं करने दे रही हैं। इसलिए, जातिगत जनगणना का जिक्र तक किए बिना, उन राजनीतिक परिस्थितियों के बांटने वाला होने का रोना-धोना किया जाता है।बहरहाल, विभाजन का यह रोना सिर्फ सामाजिक रूप से वंचितों की आवाजों तक ही सीमित नहीं है। मौजूदा शासन की हर प्रकार की आलोचना, उसके हर प्रकार के विरोध को ही, बंटवारे के खाते में डाल दिया गया है। संघ प्रमुख के शब्दों में, %समाज के लिए सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि समाज में विद्यमान भद्रता व संस्कार को नष्ट-भ्रष्ट करने के, विविधता को अलगाव में बदलने के, समस्याओं से पीड़ित समूहों में व्यवस्था के प्रति अश्रद्धा उत्पन्न करने के तथा असंतोष को अराजकता में रूपांतरित करने के प्रयास बढ़े हैं।% वर्तमान व्यवस्था के प्रति नागरिकों से राजशाही की प्रजा जैसी श्रद्धा की मांग करने के साथ ही यह, लोगों की चिंता तथा परेशानियों की सभी आवाजों को, %असंतोष को अराजकता में रूपांतरित करने के प्रयास% बनाने की कोशिश है। इतना ही नहीं, भागवत ने इस %संकट% की अपनी पहचान को, मोदीशाही के राजनीतिक मित्रों-शत्रुओं की पहचान से इस कदर एकरूप कर दिया है कि सभी विपक्ष-शासित राज्य इस %चिंता की बात% के दायरे में आ जाते हैं। %आज देश की वायव्य सीमा से लगे पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख; समुद्री सीमा पर स्थित केरल, तमिलनाडु; तथा बिहार से मणिपुर तक का संपूर्ण पूर्वांचल, अस्वस्थ है।%इस सब के लिए जिम्मेदार आंतरिक शत्रुओं के रूप में कथित वोक, कल्चरल मार्क्सिस्ट आदि के नाम पर, तमाम वामपंथी, प्रगतिशील तथा जनतांत्रिक ताकतों को तो, संघ ने पहले से ही निशाने पर ले रखा था। इन संज्ञाओं के जरिए संघ अपने इन शत्रुओं को एक वैश्विक लड़ाई के खलनायक बनाने की कोशिश करता है। बहरहाल, आरएसएस के शताब्दी वर्ष में इन शत्रुओं को और भयानक बनाने के लिए, अब इनके साथ %डीप स्टेट% का नाम और जोड़ दिया गया है। विडंबना यह है कि अक्सर डीप स्टेट की अवधारणा, जनतांत्रिक व्यवस्था के बाहर से, राज्य को संचालित करने वाली जिस तरह की षडयंत्रकारी, सैन्य-अर्द्घ-सैन्य शक्तियों की ओर इशारा करती है, उसकी परिभाषा में वर्तमान दौर में तो सबसे फिट खुद आरएसएस ही बैठता है।बहरहाल, इस सारे रोने-धोने का एक ही मकसद है, मोदी निजाम के खिलाफ लड़ाई में अवाम को पूरी तरह से निरस्त्र करना। तभी तो मौजूदा निजाम निश्चिंतता से, मेहनतकश अवाम की कीमत पर, उन इजारेदार पूंजीपतियों और उनके देसी-विदेशी सहयोगियों की सेवा करता रह सकता है, जिनके स्वार्थों की अब तक सेवा करता आ रहा था। वर्ना पिछले आम चुनाव ने दिखा ही दिया है कि किस तरह, सांप्रदायिकता के हथियार के सहारे मेहनतकशों को बांटने की उसकी सारी कोशिशें, अवाम की अपने वास्तविक हितों की पहचान के सामने, भोंथरी साबित हो रही हैं। ठीक इसी मुकाम पर संघ अब मोदीशाही का खुलकर बचाव करने के लिए कूद पड़ा है।आरएसएस की स्थापना के शताब्दी वर्ष का भारत के लिए एक सुफल यह भी है कि आरएसएस और मोदीशाही के बीच जो एक झीना सा पर्दा अब तक बनाए रखा जाता था, अब वह भी हट गया है। जो मोदीशाही है, वही आरएसएस है। जो आरएसएस है, वही मोदीशाही है। इस मिथ्या-द्वैध का हटना ही सरसंघचालक मोहन की, नयी भागवत का हासिल है।

संपादकीय

धार्मिक उन्माद की बलि चढ़ते युवा

उत्तर प्रदेश के बहराइच के महराजगंज कस्बे (महसी तहसील) में दुर्गा विसर्जन पर गाने-बजाने को लेकर दो समुदायों में हुई भिड़ंत से उपद्रव हो गया। एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई, तो वहीं एक गम्भीर रूप से घायल है। इसके कारण पूरे जिले में बवाल मचा हुआ है। जुलूस में शामिल लोगों का आरोप है कि एक घर से उन पर पथराव किया गया इसलिये मामला बिगड़ा। यह भी आरोप है कि एक समुदाय के लोग रामगोपाल मिश्रा (24 वर्ष) नामक युवक को घर के भीतर घसीट ले गये जहां उसको गोली मार दी गई। उसकी वहीं मौत हो गई। उसे बचाने गये 28 साल के राजन को भी गोली मारी गई। वह गम्भीर रूप से ज़ख्मी है। दूसरी तरफ ऐसे वीडियो भी वायरल हुए हैं जिसमें दिख रहा है कि वह युवक (रामगोपाल) एक घर की छत पर चढ़कर इस्लामी झंडा खींचकर गिरा रहा है और उसके साथ ही भगवा झंडा फहरा रहा है। दूसरे पक्ष का कहना है कि मामला इसी कारण से हिंसक टकराव में बदल गया। कई जगहों पर आगजनी हुई है तथा प्रदर्शन किये गये। पुलिस ने कई जगहों पर लाठियां भी चलाई।बहराइच की यह घटना पिछले कुछ वर्षों से युवाओं को भड़काने तथा उन्हें उन्मादी बनाने के व्यापक षड्यंत्र का परिणाम ही प्रतीत होता है। देखा गया है कि धार्मिक जुलूसों के दौरान कुछ न कुछ ऐसा बवाल होता है या पैदा कर दिया जाता है जिससे मुठभेड़ की नौबत आ जाती है। खासकर, मस्जिदों के सामने से गुजरते हुए या समुदाय विशेष के मोहल्लों से निकलते हुए भड़काऊ नारे लगाये जाते हैं या काम किये जाते हैं ताकि दूसरे वर्ग में नाराजगी फैले। पुलिस की कार्रवाई भी कई बार एकतरफा होती है। जिन घरों या इलाकों से पथराव करने के आरोप लगाये जाते हैं, उन क्षेत्रों में गिरफ्तारियों का दौर शुरू हो जाता है। बहुत से ऐसे वीडियो सामने आये हैं जिनमें पता चलता है कि पुलिस स्टेशनों में उनकी पिटाई भी की जाती है। यह नागरिक अधिकारों का हनन एवं कानूनों का सरासर उल्लंघन है।

ऐसी घटनाएं किन लोगों की शह पर होती हैं, यह इसी बात से समझा जा सकता है कि बहराइच में उन्मादी भीड़ पुलिस प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग और दूसरी तरफ उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जय-जयकार कर रही थी। निश्चित रूप से यह खतरनाक स्थिति है। अब तक तो यह भी देखा जाता रहा है कि ऐसे मामले होने पर, वह भी विशेषकर उत्तर प्रदेश में शिकायत दर्ज होते ही, बुलडोज़रों से आरोपियों के घरों को ध्वस्त कर दिया जाता रहा है। सुप्रीम कोर्ट के एक हालिया फैसले के बाद ऐसी गैरकानूनी कार्रवाइयां फिलहाल स्थगित हैं। इसके बावजूद आरोपी, जो एक समुदाय विशेष के होते हैं, अन्य तरीकों से पुलिस एवं प्रशासन के हाथों प्रताड़ित होते हैं।

कहना न होगा कि इनमें से ज्यादातर भारतीय जनता पार्टी एवं उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अथवा उनके किसी अनुषंगिक संगठनों से जुड़े लोग होते हैं।

प्रत्यक्ष तौर पर तो ये धार्मिक जुलूस होते हैं लेकिन इनके पीछे राजनीतिक उद्देश्य निहित हैं। ऐसे जुलूसों के जरिए सियासी मकसद साधे जा रहे हैं- यह बात जुलूस में शामिल होने वालों, खासकर युवाओं को समझनी होगी। इसी मामले को देखें तो इसमें एक युवक को अपनी जान गंवानी पड़ी। लोगों को इस बात पर गौर करना चाहिये कि बड़े नेताओं के बच्चे ऐसे फसादों से दूर रहकर अपना कैरियर बनाते हैं या फिर अच्छी नौकरियां करते हैं। कम पढ़े-लिखे, ड्रॉप आउट्स, निम्न वर्गीय परिवारों के बच्चों को ऐसे जुलूसों में लाया जाता है। दरअसल ऐसे आयोजन करने वालों के लिये उन लोगों की जानें बहुत सस्ती होती हैं जो उन्हें भड़काकर धार्मिक व पवित्र आयोजनों को हिंसक वारदात में बदलकर ध्रुवीकरण करते हैं और उनका अंतिम लाभ भी उन्हें या उनके राजनीतिक संगठनों को ही चुनावी सफलताओं के रूप में प्राप्त होता है।

पिछले दिनों गणेश विसर्जन के दौरान भी देश के कुछ हिस्सों में इसी तरह की घटनाएं हुईं। उनमें भी एक वर्ग विशेष के लोगों को दोषी ठहराया गया। यह नैरेटिव ही लोगों के दिमागों में बिठा दिया गया कि एक समुदाय विशेष के लोग पत्थरबाज होते हैं। यहां तक कि वंदे भारत जैसी ट्रेन पर पत्थर चलाने वाले कुछ शरारती तत्व थे लेकिन उन घटनाओं को कुछ इस तरह से पेश किया गया कि ये लोग भारत में ही रहकर देश की तरक्की से जलने वाले लोग हैं। इस विमर्श को यहां तक विस्तार दिया गया कि कुछ ट्रेन दुर्घटनाओं का कारण भी इन्हीं तत्वों द्वारा पटरियों में पत्थर रखना बतलाया गया।

विजयादशमी के अवसर पर आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत द्वारा जो भाषण दिया गया, वह इसी मानसिकता को उकसाने वाला था। हिन्दुओं को डराने के उद्देश्य से संघ व भाजपा बहुसंख्यकों को थोड़े से मुस्लिम समुदायों से बड़ा खतरा बताती रही है जिसका अंजाम ऐसी घटनाओं के रूप में होता है।

वन संरक्षण के देसी उपाय

दुनिया में जब से खेती का काम शुरू हुआ होगा तभी से वनों का महत्व इंसान की समझ में आया होगा

खेती-बाड़ी, पानी, हवा, मिट्टी हमारा जीवन है और इसके कारखाने हमारे चारों ओर के जंगल हैं। आदिकाल से ही लोगों ने वन बचाने के लिए वन पंचायतें बनाई हैं। गांव में खेती एवं वन सुरक्षा के लिए चौकीदारी व्यवस्था को महत्व दिया गया था। जंगल पर निर्भर लोगों ने वनों से घास और लकड़ी लेने के नियम भी बनाये थे। इसके संकेत आज भी पहाड़ी और आदिवासी गांवों में दिखाई देते हैं।दुनिया में जब से खेती का काम शुरू हुआ होगा तभी से वनों का महत्व इंसान की समझ में आया होगा। खेती का काम मिट्टी, पानी, गोबर के बिना नहीं चल सकता। गोबर पशुपालन से ही संभव है। पशुपालन तभी तक जिंदा है जब तक जंगल और उसके बीच में चारागाह हैं। पशुओं का गोबर भी अकेला नहीं है। उसमें भी पेड़- पौधों की पत्तियां जब पशुओं के नीचे बिछाई जाती हैं तभी खाद बनतीहै। इसी तरह पानी भी ग्लेशियर और पेड़ों के बीच से ही आता है जो गांव के किनारे नदियों और अन्य जलधाराओं के रूप में धीरे-धीरे बहकर आगे जा रहा है।इसलिए खेती-बाड़ी, पानी, हवा, मिट्टी हमारा जीवन है और इसके कारखाने हमारे चारों ओर के जंगल हैं। आदिकाल से ही लोगों ने वन बचाने के लिए वन पंचायतें बनाई हैं। गांव में खेती एवं वन सुरक्षा के लिए चौकीदारी व्यवस्था को महत्व दिया गया था। जंगल पर निर्भर लोगों ने वनों से घास और लकड़ी लेने के नियम भी बनाये थे। इसके संकेत आज भी पहाड़ी और आदिवासी गांवों में दिखाई देते हैंकई जगहें, खासकर पहाड़ों में जंगल के रास्ते पर लकड़ी के तराजू बने हुए हैं। जब लोग जंगल से घास, लकड़ी लेकर आते हैं तो वन-पंचायत द्वारा नियुक्त चौकीदार हरेक के बोझ को तौलता है। इसका वजन 70-80 किलोग्राम से अधिक होता है तो वन-चौकीदार बोझ से घास या लकड़ी निकालकर अलग करेगा और जिसके बोझ में कम वजन है उसमें मिला देगा। सभी लोग चौकीदार को हर फसल पर अनाज के रूप में मदद करते हैं। जून से सितंबर के बीच चारागाहों में पशुओं को नहीं भेजा जाता। इन महीनों में नई-नई घास और पौधे जंगल में उगते हैं जिनकी सुरक्षा के लिए लोग पशुओं को घर पर रखकर चारे की व्यवस्था करते थे।

ये बातें आजकल स्कूलों में नहीं पढ़ाई जातीं। फलस्वरूप जीवन शैली उस तरह की नहीं है जिससे पर्यावरण स्वस्थ रहे। जीवन को सुखमय बनाने वाली मिट्टी, पानी, जंगल, हवा प्रदूषणमुक्त हो। इस बारे में जितना पढ़ रहे हैं उतना ही हमारा प्रकृति के प्रति विपरीत आचरण सामने आ रहा हैं। ताजुब होगा कि जब न कोई विज्ञान का सिद्धांत था और न कोई पुस्तक और न ही इस तरह की चकाचौंध थी, जैसे कि आज हमारे चारों ओर है, लेकिन मनुष्य ने आदिकाल से ही अपनी खेती-बाड़ी के महत्व के लिए जंगलों का प्रबंधन करना शुरू कर दिया था।वर्ष 1815 से पहले जब अंग्रेज यहां आए थे तो लोग अपनी आजीविका के लिए वनों का प्रबंधन करते थे। उदाहरण ह

ै कि 1850 तक अंग्रेज फ्रेडरिक विल्सन ने गंगा घाटी के उद्गम में स्थित हर्षिल में रहकर तत्कालीन टिहरी नरेश सुदर्शन शाह से सिर्फ 400 रुपये में शंकु धारी वनों का पट्टा ले लिया था। उसने वहां के वनों का अंधाधुंध दोहन किया। गंगा घाटी से तमाम प्रकार की प्रजाति के पेड़ों को काटकर नदी के बहाव के साथ हरिद्वार और वहां से रेलवे लाइन बिछाने के लिए कोलकाता तक पहुंचाया गया। विल्सन ने इसकी आड़ में जंगली जानवरों का शिकार भी किया।

इसी दौरान वर्ष 1823 में गांव की सीमाओं का भी निर्धारण किया गया था जिससे लोगों के अधिकारों को वनभूमि पर सीमित करने का प्रयास आरंभ हुआ था। अंग्रेजों ने इसके लिए वर्ष 1865 में पहला वन-अधिनियम बनाया था। इसके बाद सन् 1877 में वनों की सीमाओं को भी निर्धारित करने का काम हुआ। जिसमें मुनारा बनाकर वन-सीमायें तय की गई थीं। इस प्रक्रिया में खेती की जमीन को छोड़कर संपूर्ण भूमि सुरक्षित वनभूमि के रूप में बदली गई।

अंग्रेजों के इसी कानून के कारण वनभूमि पर लोगों को अतिक्रमणकारी मानने का सिद्धांत लागू हुआ, लेकिन अंग्रेजों की इस व्यवस्था के विरोध में लोग सड़कों पर उतर आए। लोगों ने विरोध में वनों को आग के हवाले किया। यह घटना 1915-21 के बीच हुई थी। इसके बाद अंग्रेज शासन ने एक %शिकायत समिति% का गठन कर आरक्षित वनों को %दर्जा एक% और %दर्जा दो% में वर्गीकृत किया। इसमें लोगों के अधिकारों को लौटाने की व्यवस्था की गई।

इसके बाद भी 1925 में %शिकायत समिति% की संस्तुतियों के आधार पर मद्रास प्रेसीडेंसी के कम्युनिटी फॉरेस्ट की तर्ज पर उत्तराखंड में भी पंचायती वन व्यवस्था को आरंभ किया गया। वर्ष 1931 में वन-पंचायत नियमावली बनाई गई जिसका गठन 1932 में प्रारंभ हुआ। उस समय उत्तराखंड में राजस्व ग्रामों की संख्या 13,739 थी। इसके अंतर्गत %दर्जा एक% और %दर्जा दो% के अनुसार आरक्षित वनों के साथ सिविल वनों की भी वन-पंचायत बनाना आरंभ किया गया। सन् 1976 में भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 28 के अंतर्गत वन पंचायत नियमावली में संशोधन करके राजस्व विभाग को अधिकार दिए गए। इस संशोधन का बहुत विरोध हुआ। इसके बाद तत्कालीन उत्तरप्रदेश सरकार ने वर्ष 1982 में 19 सदस्यों वाली %सुल्तान सिंह भंडारी कमेटी% बनाई, लेकिन उनके जितने भी संशोधन थे वे स्वीकार नहीं हो सके।

वर्ष 1997 में जब दुनिया में निजीकरण, उदारीकरण, वैश्वीकरण का दौर चरम सीमा पर था तब विश्वबैंक की सहायता से %संयुक्त वन प्रबंधन% योजना लागू की गई। इसको चलाने के लिए वन-पंचायत नियमावली में संशोधन किये गये। जिसके बाद वन-पंचायतों की स्वायत्तता को समाप्त करके वन विभाग के अधीन कर दिया गया और वन-पंचायत सरकार की देखरेख में चलने लगी। इससे हक-हुकूक भी प्रभावित हुए। अनुसूचित जाति के शिल्पकार और %अन्य परंपरागत वन-निवासी% जो रिंगाल और अन्य वन-उत्पाद से आजीविका चला रहे थे, बेरोजगार हुए। उन्हें आजीविका का संकट झेलना पड़ा।

अब उत्तराखंड में ही 12 हजार से अधिक वन-पंचायतें हैं जो सरकारी नियम कानून के आधार पर चलती हैं, लेकिन वे अपने जंगल की आग भी नहीं बुझा पाती। इसका कारण है कि वन और खेती सुरक्षा के जो पुश्तैनी नियम-कानून थे वे हाशिए पर चले गए। इसके चलते बंदर और सुअर जैसे जंगली जानवरों से फसल को बचाना और जंगल पालने की पारंपरिक व्यवस्था भी नहीं बच पाई।

हर सफर बन जाएगा यादगार

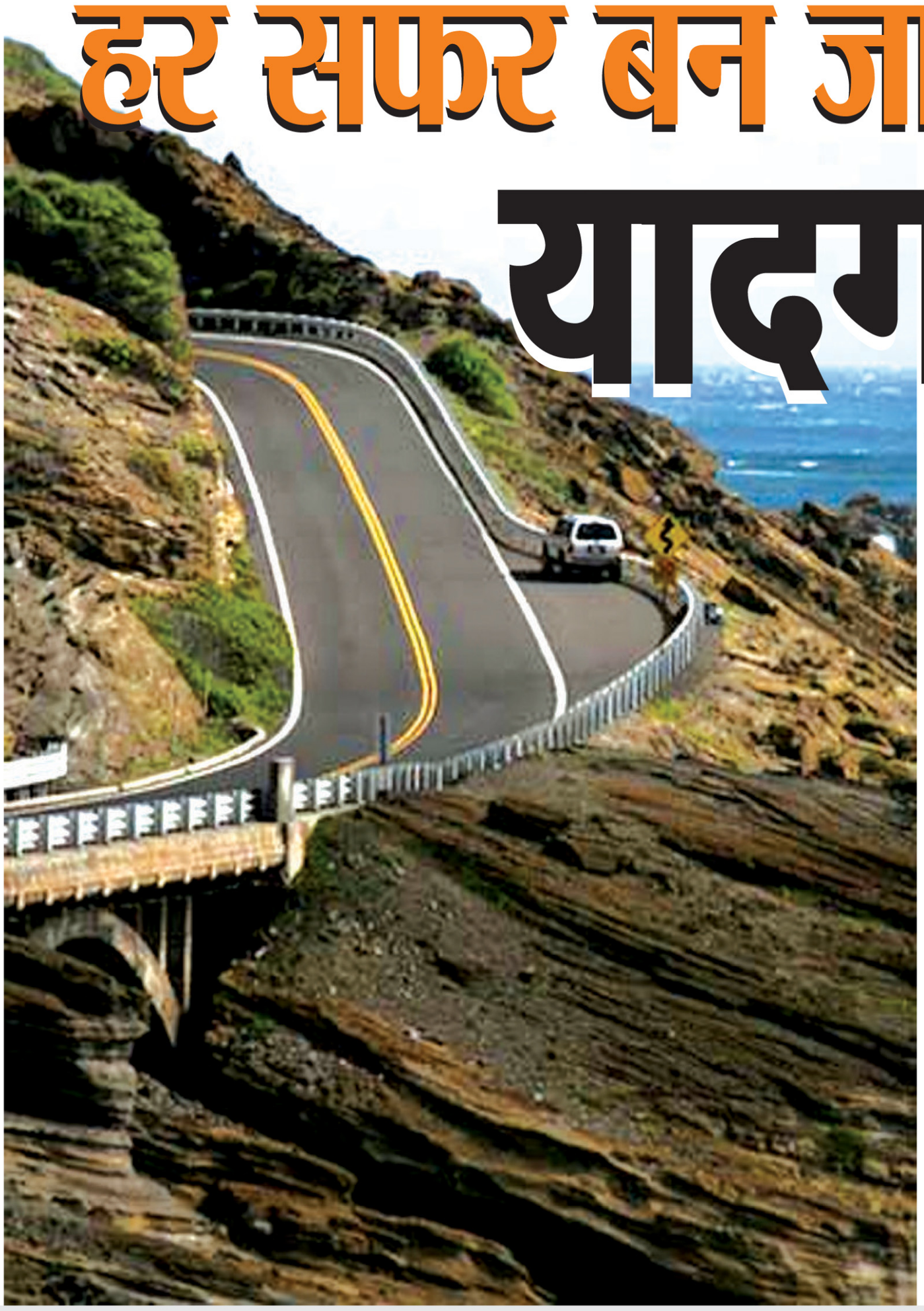

सफर करने के बारे में सबसे मजेदार बात है, हर कदम पर किसी नई खोज का रोमांच। फिर चाहे वह किसी बच्चे द्वारा ट्रेन की खिड़की से पहली बार खुले में ऊँटों को चरते देखने का रोमांच हो या फिर पहली-पहली बार किसी अजनबी देश में कदम रखने पर नजर आने वाली एक अलग दुनिया का रोमांच।

यूँ इंसान अपने घर, अपने जाने-पहचाने माहौल के सुरक्षा कवच में सबसे सहज महसूस करता है, लेकिन नएपन की लालसा भी उसका पीछा नहीं छोड़ती। कुछ नया देखने की लालसा ही उसे दुनिया घुमा लाती है।

कभी आदिमानव कुछ नया तलाशने के लिए एक जंगल से दूसरे जंगल जाता था। आज उसका वंशज महासागर की गहराइयों में गोता लगा चुका है और अंतरिक्ष के निर्वात अंधकार में चहल-कदमी कर चुका है। इन दो विपरीत छोरों के बीच आम मानव रोज कई प्रकार के छोटे-बड़े सफर करता रहता है।

जरूरी नहीं कि यात्रा कहीं दूर की हो, बोरिया-बिस्तर बाँधकर रेल, बस, जहाज या विमान से की जाए। अपने ही शहर में, कभी उन रास्तों-गलियों से निकलिए, जहाँ से आपका अब तक गुजरना नहीं हुआ है। कुछ नया दिखेगा, कोई नई खोज होगी। सोचने के नए आयाम खुलेंगे। कोई कह गया है कि सफर का उद्देश्य मंजिल पर पहुँचना नहीं, बल्कि मंजिल तक पहुँचने की प्रक्रिया का पूरा आनंद लेना होना चाहिए। जब हमारी निगाहें महज मंजिल पर टिकी होती हैं, तब रास्ते अक्सर अनदेखे रह जाते हैं... और कायनात का सारा कोलाहल, संसार का सारा स्पंदन, जिंदगी की तमाम रेलमपेल इन रास्तों पर ही तो बिखरी पड़ी है। इन्हें नहीं देखा तो सफर महज एक ठिकाना छोड़ दूसरे ठिकाने पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना भर हुआ, जबकि सफर मौका देता है कदम-कदम पर नए झरोखे से नया संसार देखने का, नए मित्र, नए गुरु पाने का, अनसोचे अनुभवों से गुजरकर नई जानकारी, नए ज्ञान के सागर में नहाने का। खैर, सच यह है कि लोग कई कारणों से सफर करते हैं।

कोई घर या दफ्तर के किसी कार्य विशेष के सिलसिले में एक स्थान से दूसरे स्थान जाता है, कोई छुट्टियों में घूमने जाने की औपचारिकता निभाने तो कोई तीर्थ करने। बहुत कम लोग सफर करने के लिए सफर पर निकलते हैं। ऐसे लोगों को न मंजिल पर पहुँचने की जल्दी होती है, न घर लौट आने की चिंता।

आप यह तय करके घर तो नहीं बैठ सकते कि कोई अच्छा अनुभव हो तो ही बाहर निकलूँ। जीवन के प्रवाह में छलाँग लगाने पर ही पता चलता है कि कब कौन-सा अनुभव अच्छा रहा और कब कौन-सा बुरा। छोटी-मोटी परेशानियाँ सफर का हिस्सा ही होती हैं। जब दुनिया को देखने, जानने निकले हैं तो इसके दोनों रूप देखने में ही तो यात्रा की परिपूर्णता होगी।

सर्दी के मौसम में आमतौर पर लोग जबर्दस्त ठंड से बचने के उपाय करते रहते हैं लेकिन इससे उलट इस मौसम का मजा भी उठाया जा सकता है। हमारे देश में ऐसे कई इलाके हैं जहाँ सर्दियों में सैलानी बर्फ का मजा उठाने के लिए जाना पसंद करते हैं।

सर्दियों का स्वागत करता उत्तराखंड

बर्फ का मजा उठाने के लिए पहला नाम जो हमारे जेहन में आता है वह जम्मू-कश्मीर का है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सुदूर उत्तर-पूर्व का तवांग भी सर्दियों में बर्फ का मजा लेने का अच्छा ठिकाना है। बर्फ में मौज-मस्ती का मजा ही अलग है। इससे ऊर्जा भी भरपूर मिलती है और रिश्तों में गर्माहट भी आती है।

जाड़ों में मध्य हिमालय (1200 मीटर-4000 मीटर) स्थित उत्तराखंड के कई हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत हो जाते हैं। बर्फबारी में नहाया पहाड़ तो पर्यटकों को अपनी ओर चुंबक की तरह खींचता है। दिसंबर के दूसरे सप्ताह से लेकर फरवरी के मध्य तक उत्तराखंड के कई पर्यटक स्थलों पर बर्फ गिरती है।

अंग्रेजों के बसाए शहर नैनीताल और मसूरी तो के नजदीक होने तथा रेल स्टेशनों के बिलकुल पास होने के कारण पर्यटकों की पहली पसंद हैं। इन दोनों ही शहरों तक दिल्ली से सड़क से 7 से 10 घंटे में पहुँचा जा सकता है। मसूरी तथा नैनीताल में बर्फबारी की खबर लगते ही दिल्ली, गुड़गाँव, गाजियाबाद तथा उत्तर भारत के शहरों के पर्यटक इन पर्वतीय पर्यटक स्थलों की ओर भाग पड़ते हैं। नैनीताल में बर्फ के साथ खेलने के लिए पर्यटकों की पसंदीदा जगह तो ऐतिहासिक माल रोड ही है पर यदि माल रोड में पड़ी बर्फ पर्यटकों को कम लगे तो वे नैनीताल शहर के ऊपर स्नो व्यू, टिफिन टॉप से लेकर किलवरी मार्ग पर दूर हिमालय दर्शन तक जा सकते हैं। हिमालय दर्शन से हिमालय की चोटियों का विहंगम दृश्य दिखता है। क्रिसमस के आस-पास यदि बर्फबारी हो जाए तो पर्यटक नैनीताल में त्योहार और छुट्टियों का दोगुना आनंद लेते हैं।

राजधानी देहरादून के पास मसूरी में भी साल में 3-4 बार बर्फबारी हो जाती है। बर्फबारी के होते ही पर्यटकों का हुजूम मसूरी आ जाता है। इस भीड़ से मसूरी के नीचे किंगररेग तक के रास्ते जाम हो जाते हैं। मसूरी तथा नैनीताल और उसके आस-पास सभी बजट श्रेणी में पर्याप्त होटल उपलब्ध हैं। बर्फबारी का मजा लेने के लिए पर्यटक मसूरी के लाल टिब्बा, किनोग हिल, जॉर्ज एवरेस्ट, गन हिल तथा क्लाउड ऐंड स्थानों पर जाते हैं।

मसूरी से 32 किमी दूर स्थित नव पर्यटक स्थल धनौल्टी तक बर्फबारी के बीच सड़क के दोनों ओर बर्फ जम जाती है। इस मार्ग पर तब गाड़ी चलाने का आनंद दोगुना हो जाता है। चमोली जिले के जोशीमठ से 15 किमी दूर औली तो अब विश्व प्रसिद्ध स्कीइंग केंद्र तथा शीतकालीन रिजॉर्ट का रूप ले चुका है।

यहाँ 2010 के जनवरी-फरवरी में शीतकालीन सैफ खेलों का आयोजन होना है। औली में स्कीइंग के 7 दिवसीय, 14 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए तथा पर्यटकों के लिए एक-दो दिवसीय स्कीइंग करने की सुविधा गढ़वाल मंडल विकास निगम उपलब्ध कराता है। विद्यार्थियों के लिए तो रहने, खाने की सुविधा, उपकरणों, स्की लिफ्ट की उपलब्धता मय शिक्षक 5,500 रुपए में उपलब्ध है। पर्यटकों को बेशक एक या दो दिन स्की करने के लिए तथा हर सुविधा के लिए अलग भुगतान करना पड़ता है। रोप वे द्वारा औली पहुँच कर पर्यटक नई दुविधा में होता है।

सामने नंदा देवी सहित कई हिमाच्छादित चौटियों का दृश्य दिखता है। औली में 1,300 मीटर लंबा स्कीइंग ट्रैक उपलब्ध है, जो अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरता है। पर्यटकों की सुविधा के लिए 800 मीटर लंबी चियर लिफ्ट के अलावा स्कीयरों को ऊपर पहुँचाने के लिए दो स्की लिफ्ट उपलब्ध है।

कुल मिलाकर औली में कम दामों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्की रिजॉर्ट का मजा लिया जा सकता है इसलिए विदेशी पर्यटक भी अपने देशों में महँगे स्की रिजॉर्टों में जाने के बजाय औली आकर स्कीइंग करके पैसा बचाते हैं। उत्तराखंड के पर्यटन सचिव उत्पल कुमार सिंह बताते है कि शीतकालीन सैफ खेलों के आयोजन की तैयारियों के पूरा होने के साथ औली शीतकालीन खेलों के अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित हो जाएगा।

औली के अलावा उत्तराखंड में उत्तराकाशी जिले का दयारा बुग्याल, देहरादून में चकराता के पास मुंडाली, रूद्रप्रयाग जिले का चोफता तथा पिथौरगढ़ मुंस्यारी के पास खलिया टॉप स्कीइंग के शौकीनों के लिए पसंदीदा पर्यटक स्थल है। अंग्रेजों के समय के स्थापित पर्यटक स्थलों के अलावा उत्तराखंड में बर्फबारी का आनंद लेने के लिए अनगिनत स्थल है। इनमें से कई स्थल तो अभी पर्यटक मानचित्र पर आ भी नहीं पाए है। स्थली मुखवा में भी जाड़ों में अच्छी-खासी बर्फ पड़ती है।

जानकारी

हैंगओवर का आपके शरीर पर ऐसे पड़ता है असर

वीकेंड पार्टी का दौर तब काफी महंगा पड़ता है, जब अगले दिन ऑफिस के लिए तैयार होते वक्त सिर हैंगओवर से चकरा रहा होता है। हैंगओवर क्यों होता है, इसका शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है और ये दूर कैसे होता है, इस बारे में लोगों को कई राय है, लेकिन क्या आपको सही-सही पता है कि हैंगओर क्यों होता है व शरीर पर इसका क्या प्रभाव होता है यदि नहीं तो चलिए जानें-

हैंगओवर : अधिक शराब पीने, एक बार में कई ब्रांड की शराब मिलाकर पीने से हैंगओवर हो सकता है। हैंगओवर के कारण सिरदर्द, तनाव, मितली और बेचैनी की समस्या होती है। हैंगओवर के कारण डीहाइड्रेशन, एल्डोस्टेरॉन और कॉरटिसोल जैसे हार्मोनों के स्तर में बदलाव होता है और ये ही हैंगओवर का कारण बनता है।

युवाओं पर अधिक होता है इसका असर : डेनमार्क में हुए एक शोध के दौरान 50,000 लोगों के अध्ययन से निष्कर्ष निकाला गया है कि युवाओं को हैंगओवर ज्यादा होता है। शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन में पाया गया कि 62 प्रतिशत युवाओं को हैंगओवर हुआ, जबकि 60 साल से अधिक उम्र के मात्र 14 प्रतिशत लोगों को हैंगओवर का अनुभव हुआ।

क्या होता है पीने के बाद : एक्सपर्ट्स का कहना है कि स्ट्रॉन्ग अल्कोहल का असर 6-8 घंटे तक रहता है। एक्सपर्ट बताते हैं कि कोई भी ड्रिंक 60 एमएल से ज्यादा होने पर दिमाग के न्यूरॉन्स पर असर डालना शुरू कर देता है और फिर दिमाग का सिग्नल सही समय पर बाकी अंगों को नहीं मिल पाता और संतुलन गड़बड़ाने लगता है। ऐसे में व्यक्ति कई चीजों पर नियंत्रण नहीं रख पाता।

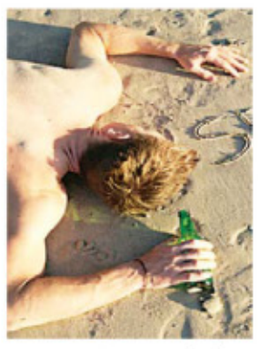

जितनी गाढ़ी शराब, उतना बड़ा हैंगओवर : अमेरिकी शोध के अनुसार शराब का रंग जितना गाढ़ा होता है, उसे पीने के बाद खुमारी भी उतनी अधिक होती है। यही कारण है कि वोदका से बीयर का हैंगओवर ज्यादा होता है और बीयर से व्हिस्की का हैंगओवर ज्यादा होता है। हालांकि शोधकर्ता इसके पीछे का रहस्य अभी तक नहीं जान सके हैं।

ड्राइविंग करने में परेशानी : शराब पीने के कुछ देर बाद ब्रेक लगाने या स्टेयरिंग संभालने के मामले में भी पैरों तक सिग्नल लेट पहुंचता है और अचानक ब्रेक मारने पर एक्सिडेंट हो जाते हैं। पीने के बाद ड्राउजीनेस (नींद से भरा) महसूस होता है। सामने से गाड़ियों की लाइट पड़ने पर आंखें चौंधियाती हैं व ऐसे में दुर्घटना का खतरा रहता है।

महिलाओं को होता है ज्यादा हैंगओवर : कई शोध बता चुके हैं कि पीने के बाद महिलाएं पुरुषों की तुलना में जल्दी सुधबुध खो बैठती हैं। मिजूरी और कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार शराब पानी की अपेक्षा फैट्स में तेजी से घुलती है और महिलाओं के शरीर में पानी की अपेक्षा फैट्स की मात्रा अधिक होती है। यही कारण है कि बराबर मात्रा में शराब के सेवन के बाद भी महिलाओं को हैंगओवर ज्यादा होता है।

पुरुषों के शरीर में दिखने के वाले ये लक्षण हो सकते हैं जानलेवा

अगर अचानक कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या आपको सताने लगे, तो इसे गंभीरता से लेते हुए अपने चिकित्सक से संपर्क करें। आपको इस तरह की समस्या थकान होने पर भी हो सकती है। इस लेख के जरिए हम आपको बता रहे हैं ऐसी शारीरिक समस्याओं के बारे में जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

अचानक होने वाली शारीरिक समस्याएं कई बार लंबी बीमारी का कारण बन जाती हैं। किस तरह की समस्याओं को आपको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, जानने के लिए इस लेख को पढ़ें।

कई बार ऐसा होता है कि बिस्तर से उठने पर हमें तेज बुखार या फिर शरीर के किसी हिस्से में तेज दर्द जैसी समस्या सताने लगती है। आमतौर पर हम इस समस्या को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन, इस प्रकार की समस्या अगर नियमित रूप से आपको सताने लगे, तो फिर मामला गंभीर है, जनाब।

आधुनिक जीवनशैली ने हमें ऐशो-आराम के तमाम सामानों के साथ बीमारियां भी दी हैं। इसके लिए कई शारीरिक समस्याएं आए दिन हमें परेशान करती रहती हैं। हालांकि, कई तकलीफ अस्थायी होती हैं, जो कुछ समय बाद अपने आप ही ठीक हो जाती हैं। इस तरह के लक्षणों को हम आमतौर पर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह ठीक नहीं। हो सकता है कि ये लक्षण आपको आज मामूली लग रहे हों, लेकिन ये किसी खतरनाक बीमारी के संकेत भी हो सकते हैं।

अचानक सिर दर्द होना

ऑफिस में काम करने के दौरान, सुबह उठने के बाद या किसी और समय अचानक सिर दर्द होता है तो यह सामान्य कारण नहीं है। अमूमन देखा जाता है कि इस तरह का दर्द सिर के किसी एक हिस्से में अचानक और कुछ सेकंड या मिनटों के लिए होता है। कुछ समय बाद दर्द बिना उपचार के ही ठीक हो जाता है, ठीक होने पर हम इस पर ध्यान नहीं देते। ऐसा होने पर चिकित्सक से परामर्श करें।

सीने में दर्द

कई बार लोग अचानक सीने में होने वाले दर्द को स्वास्थ्य समस्या न मानकर नरजअंदाज कर देते हैं। यदि दर्द के कारण आप सही ढंग से काम नहीं कर पाते, दबाव महसूस करते हैं या आपको बैठने में समस्या होती है तो यह हार्ट अटैक का कारण भी बन सकता है। सीने में दर्द होने पर मितली आने, उल्टी होने और छोटी सांस आने की समस्या भी हो सकती है। काम के दौरान सीने में दर्द की परेशानी ऐन्जाइना के कारण हो सकती है। इसमें हृदय की नसों को पर्याप्त मात्रा में रक्त नहीं मिल पाता।

तेजी से वजन घटना

शरीर का तेजी से वजन घटना अच्छा नहीं। यदि आप वजन घटाने की कोशिश नहीं करते और आपका 5 फीसदी वजन अचानक कम हो जाता है तो यह कैंसर हो सकता है। उम्रदराज व्यक्तियों में अचानक वजन कम होने के 36 फीसदी मामलों की पुष्टि कैंसर के रूप में हुई है। इस तरह की परेशानी होने पर चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। यदि वजन कम होने के साथ ही आपको ज्यादा प्यास, भूख, थकान और ज्यादा मूत्र आने की भी समस्या है तो यह डायबिटीज का संकेत हो सकता है।

तेज बुखार रहना

किसी को लंबे समय से बुखार है या 103 डिग्री फॉरेनाइट या इससे अधिक बुखार है तो यह खतरनाक हो सकता है। ऐसा होने पर रोगी को मूत्राशय संबंधी संक्रमण, निमोनिया और मस्तिष्क ज्वर आदि की समस्या हो सकती है। लंबे समय तक बुखार रहने पर एंटीबॉयोटिक का सेवन किया जाता है। लगातार कई हफ्तों तक हल्का बुखार रहना किसी बड़ी बीमारी का कारण अथवा इशारा हो सकता है। इस प्रकार की समस्या को अनदेखा न करें और उचित उपचार कराएं।

छोटी सांस आना

अचानक छोटी सांस आना फेफड़ों संबंधी समस्या हो सकती है। यदि आपको सीढ़ी चढ़ने पर सांस लेने में परेशानी होती है या आप खुद को थका हुआ महसूस करते हैं तो इसे मामूली न मानें। यह दिल की धड़कन अनियमित होने का इशारा हो सकती है। यह हार्ट फेल होने या फिर अन्य प्रकार की हृदय संबंधी बीमारियों का कारण बन सकती है। इसके अलावा ऐसा अस्थमा के कारण भी हो सकता है।

सुझाव

दिलो-दिमाग ही नहीं, शरीर पर असर डालता है ब्रेकअप

बड़ा गहरा होता है रिश्ता टूटने का दर्द। पुरानी बातों को याद कर आप आज भी बेचैन रहते हैं। यादें मन को कहीं टिकने ही नहीं देतीं। अचानक दिल पर लगे आघात को सह पाना आसान नहीं होता। लेकिन, ऐसा नहीं कि प्रेमाघात से केवल भावनात्मक और मानसिक चोट ही लगती हो, बल्कि इससे आपकी सेहत पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है।

मस्तिष्क पर भी असर

ब्रेकअप का मस्तिष्क पर गहरा असर होता है। येशिवरा विश्वविद्यालय के अल्वर्ट आइंस्टीन कॉलेज ऑफ मेडिसिन के डॉक्टर लुसी ब्राउन के नेतृत्व में हुए एक शोध के अनुसार, प्रेम में बिछड़ने पर मस्तिष्क में लगभग उसी तरह का असर होता है जैसे नशे की लत छोड़ने पर। दिल की चोट खाए लोगों के मस्तिष्क के बारे में पहली बार किए गए अध्ययन में पाया गया कि उनके पूर्व प्रेमी या प्रेमिका की याद दिमाग के उस हिस्से को सक्रिय बना देती है, जो लत की तलब, भावनाओं पर नियंत्रण, जुड़ाव का भाव, शारीरिक दर्द और अवसाद से जुड़ा होता है।

तेजी से कम होता है वजन

ब्रेकअप का सेहत पर काफी बुरा असर पड़ सकता है। हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार, रिश्ता टूटने के बाद पुरुष और महिला दोनों का वजन तेजी से घटता है। डाइट फर्म फ्रोजा सप्लीमेंट द्वारा एक हजार लोगों पर कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार, लंबे समय तक चला रिश्ता टूटने के बाद महिलाओं का वजन एक महीने में लगभग 2.26 किलोग्राम तक कम हो जाता है। डेली स्टार बेवसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, रिश्ते के टूटने के बाद अगर कोई व्यक्ति एक साल तक अकेला रहता है, तो उसका वजन छह किलोग्राम तक घट जाता है।

हार्मोन पर असर

ब्रेकअप के बाद एड्रिनल ग्लैंड कोर्टिसोल हार्मोन और एड्रेनालाईन के बाहर मंथन करना शुरू कर देता है, जिसके चलते शरीर तनाव की प्रतिक्रिया करता है, लेकिन तनाव हार्मोन का स्तर इस बात पर निर्भर करता है कि ब्रेकअप कितना बुरा था। जब आपका शरीर इस प्रतिक्रिया में प्रवेश करता है तो एड्रेनालाईन ब्लड प्रेशर को बढ़ा देता है और हृदयगति और सांसों की गति बढ़ने लगती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर ने जा जी खी खू खे खो गा गी

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 2619

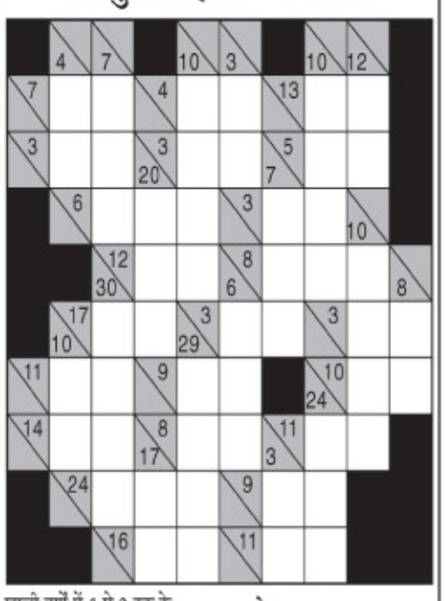

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 2618 का हल

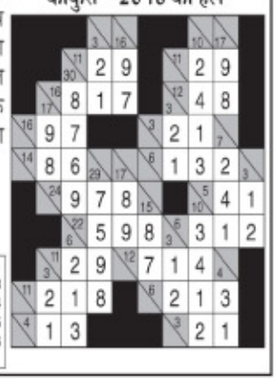

लॉफिंग ज़ोन

सीदा-साधा चमन लड़कियों से बहुत दूर भागता था। वह नए साल की पार्टी मनाने के लिए घर से निकला ही था कि सामने चौराहे पर एक सुंदर, सजी-धजी युवती पर उसकी निगाह पड़ी।

युवती ने भी उसे देखा और अपने हाथ के गुब्बारे उसकी ओर बढ़ाकर शरारत भरे अदाज में कहा- 'डार्लिंग...! अब चले... पार्टी मनाने।'

चमन लड़खड़ाकर बोला- नहीं! मैंने आज से लड़कियों से दूरी बनाने का संकल्प लिया है।

□ □ □

रमन- 'यार, कल रात घर पहुँचने पर काफी देर तक दरवाजा खटखटाता रहा, लेकिन किसी ने दरवाजा ही नहीं खोला। आखिर मुझे रात बाहर ही गुजारनी पड़ी।'

चमन- 'फिर सुबह उठकर उन्हें डाँटा की नहीं?'

रमन- 'नहीं यार! कैसे डाँटता...। आँखें खुलने पर देखा तो पता चला कि मैं घर का नहीं बीयर बार का दरवाजा खटखटा रहा था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2619

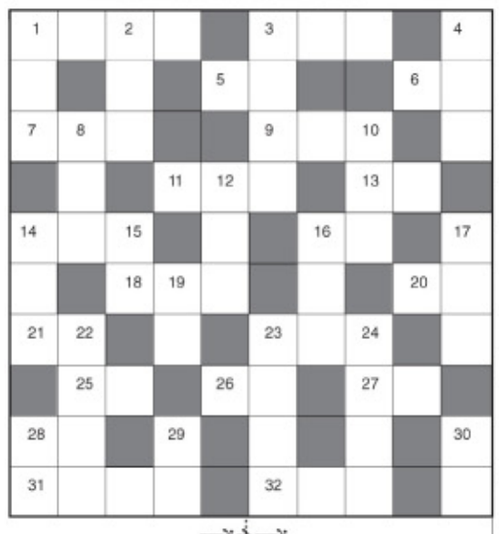

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरुख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि, जेबा, अश्विनीभावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. जॉन, विपाशा की एक फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-२
२६. विकास भाक्ष, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझे को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. १९७१ के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-३
३. 'आ पंपियाँ झंपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखों' गीत वाली फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज गाली मुस्कुराली' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2618

सूडोकु -2619

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2618 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 2619

बाएँ से दाएँ

1. बेजोड़-4
4. परिचय,निशान-4
7. कला-3
9. सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10. प्रथा,रिवाज-3
11. उपस्थिति-3
12. सेन्धमार-5
15. शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18. तड़के,सुबह सवेरे-5
20. चुगली करना-2,3
22. मैला,गंदा-3
23. रसद,आहर पदार्थ-3
25. प्रणाम,नमस्कार-3
26. तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27. स्थायी,प्राचीन-4
28. हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2. मुलाकात,मिलाप-3
3. खून से लथपथ-5
4. लालन-पालन-5
5. सेवक,नौकर,दास-3
6. धोखेबाज-4
8. समान,एक जैसा-4
13. पंकज,जलज-3
14. आघात,चोट-3
16. भरोसा,विश्वास-3
17. कुली,पालकी वाहक-3
18. जुर्म,गुनाह-4
19. स्वदेश वासी-5
20. शतपदी, कनखजूरा-5
21. अहमक, मूर्ख-4
24. स्नान करना-3
25. सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -2618 का हल

वायनाड से प्रियंका गांधी होंगी कांग्रेस की उम्मीदवार

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस की तरफ से केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी उम्मीदवार होंगी। इसके अलावा पार्टी ने दो विधानसभा सीटों पर भी होने वाले उप चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार केरल की पलक्कड़ सीट से राहुल मनकूट्टिल और चेलक्कारा - एससी सीट से राम्या हरिदास पार्टी उम्मीदवार होंगी। उल्लेखनीय है कि आज ही चुनाव आयोग ने 15 राज्यों की 48 विधानसभा और दो लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की है।

महाराष्ट्र में बनेगी महायुति की सरकार, सीट शेयरिंग पर तस्वीर जल्द होगी साफ : सांसद नरेश म्हास्के

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। महाराष्ट्र में एक चरण में चुनाव 20 नवंबर को होंगे जबकि नतीजे 23 नवंबर को घोषित होंगे। ठाणे से शिवसेना सांसद नरेश म्हास्के ने महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति की सरकार बनने का दावा किया है। उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत करते हुए कहा कि महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव का हम स्वागत करते हैं। एक बार फिर महायुति की सरकार महाराष्ट्र में आने वाली है और पूरे जी-जान से हम लोग चुनाव की तैयारी में लगे हुए हैं। हम लोग बहुमत से महाराष्ट्र की सत्ता में वापसी करेंगे। अच्छे माहौल में सीट शेयरिंग पर बात चल रही है। जल्द ही सब कुछ साफ हो जाएगा। मैं मानता हूं कि मजबूती के साथ हम लोग विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा कि जहां तक सीएम के चेहरे का सवाल है, सभी दल के कार्यकर्ता चाहते हैं कि उनका नेता सीएम हो। हमारे यहां सब कुछ सहज तरीके से एक व्यवस्था के तहत चल रहा है। महायुति की प्राथमिकता जनादेश हासिल करना है। हम अपनी पूरी ताकत से चुनाव की तैयारी करेंगे और सत्ता में आएंगे।

महाराष्ट्र और झारखंड के साथ उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव में लहराएंगे जीत का परचम - केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ । महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद तमाम सियासी दलों के नेताओं की ओर से जीत के दावे किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा उपचुनाव की घोषणा का हम स्वागत करते हैं। महाराष्ट्र और झारखंड राज्य विधानसभा के लिए चुनाव 13 और 20 नवंबर को होने हैं। हमारे लिए इससे भी अधिक खुशी की बात उत्तर प्रदेश में नौ सीटों के लिए उपचुनाव की घोषणा की गई है। हमें पूरा विश्वास है कि हरियाणा की जनता ने जिस प्रकार से विकास को अपना समर्थन दिया है, भ्रष्टाचार मुक्त हरियाणा को समर्थन दिया है, उसी प्रकार से महाराष्ट्र और झारखंड की जनता हमें बड़ा जनादेश देगी। उन्होंने कहा कि पिछड़ों, दलितों, महिलाओं, गरीबों के विरोधी विपक्षी दलों को यह समझ में आ गया है कि जनता को झूठ बोलकर आप कुछ दिन के लिए बेवकूफ बना सकते हैं लेकिन हमेशा के लिए नहीं। महाराष्ट्र में हमारी सरकार फिर से बनेगी। वहीं झारखंड में भारतीय जनता पार्टी बड़े अंतर से विजय प्राप्त करेगी और उत्तर प्रदेश के जो उपचुनाव भी हम लोग जीतेंगे।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में गुलाम अहमद मीर होंगे कांग्रेस के विधायक दल के नेता

जम्मू-कश्मीर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा के लिए गुलाम अहमद मीर को विधायक दल का नेता नियुक्त किया। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने एक बयान में इसकी जानकारी दी। के.सी. वेणुगोपाल ने जम्मू-कश्मीर के कांग्रेस प्रमुख तारिक हामिद कर्रा को एक पत्र लिखकर इसकी सूचना दी है। बयान में कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा के सदस्यों के सर्वसम्मत प्रस्ताव के बाद कांग्रेस अध्यक्ष ने गुलाम अहमद मीर को विधायक दल का नेता नियुक्त किया है। मीर ने जम्मू-कश्मीर की डूरू विधानसभा सीट से 29,728 वोटों के अंतर से जीत हासिल की है। कांग्रेस नेता को 44,270 वोट मिले, जबकि जम्मू-कश्मीर पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के मोहम्मद अशरफ मलिक को 14,542 वोट मिले। गुलाम अहमद मीर जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने साल 2019 के लोकसभा चुनाव में अनंतनाग लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें नेशनल कॉन्फ्रेंस के हसनैन मसूदी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा की 90 सीटों पर तीन चरणों में मतदान हुआ था। विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस को 42 सीटों पर जीत मिली, जबकि कांग्रेस ने छह सीटों पर जीत हासिल की। इसके अलावा भाजपा को 29 सीटें मिलीं। पीडीपी को तीन, आम आदमी पार्टी को एक और अन्य के खातों में आठ सीटें आई हैं।

उप्र में खान-पान की चीजों में मानव अपशिष्ट मिलाना होगा संज्ञेय अपराध, शीघ्र आएगा कठोर कानून : मुख्यमंत्री

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक महत्वपूर्ण बैठक में हाल के दिनों में घटित जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट, अखाद्य व गंदी चीजों की मिलावट की घटनाओं पर स्थायी रोक लगाने के लिए प्रस्तावित नए कानून पर विमर्श किया। मुख्यमंत्री योगी ने बैठक में प्रमुख दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में देश के विभिन्न क्षेत्रों में जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट, अखाद्य व गंदी चीजों की मिलावट की घटनाएं देखने को मिली हैं। ऐसी घटनाएं वीभत्स हैं और आम आदमी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली हैं। यह सामाजिक सौहार्द पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। ऐसे कुत्सित प्रयास कतई स्वीकार नहीं किये जा सकते। मुख्यमंत्री ने कहा कि खाद्य पदार्थों

की पवित्रता सुनिश्चित करने तथा सार्वजनिक व्यवस्था के बारे में उपभोक्ताओं में विश्वास बनाए रखने की महत्ता के दृष्टिगत कठोर कानून बनाया जाना आवश्यक है। होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, स्ट्रीट वेंडर से जुड़ी इन गतिविधियों के संबंध में सुस्पष्ट कानून तैयार करें। कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कारावास और अर्थदंड की सजा सुनिश्चित होनी चाहिए। ऐसे अपराध को संज्ञेय और अजमानतीय मानते हुए कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अपनी पहचान छुपा कर असामाजिक तत्वों को खान-पान की वस्तुओं एवं पेय पदार्थ में मानव अपशिष्ट, अखाद्य, गंदी चीजों की मिलावट में रोकने की एक भी गतिविधि न हो, इसे कानून के माध्यम से सुनिश्चित करना होगा। ऐसी असामाजिक गतिविधियों पर कड़ाई से लगाम लगाया जाना चाहिए।

योगी ने कहा कि हर उपभोक्ता को यह अधिकार हो कि वह खाद्य एवं पेय पदार्थों के विक्रेता तथा सेवा प्रदाताओं के बारे में आवश्यक जानकारी रख सके।

इसके लिए विक्रेता द्वारा प्रतिष्ठान पर साइनबोर्ड लगाना अनिवार्य हो। खाद्य प्रतिष्ठान में काम करने वाले सभी कार्मिकों को पहचान पत्र धारण करना अनिवार्य हो। छद्म नाम रखने, गलत जानकारी देने वालों के विरुद्ध कठोरतम सजा का प्रावधान होना चाहिए।

कॉर्बेट नेशनल पार्क का बिजरानी जोन पर्यटकों के लिए खुला

रामनगर। प्रकृति प्रेमी पर्यटकों के लिए खुशखबरी! विश्व प्रसिद्ध जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क का बिजरानी जोन पर्यटन सत्र के लिए एक बार फिर खोल दिया गया है। बिजरानी खुलने पर जहां पर्यटकों में उत्साह है, वहीं पर्यटन कारोबारियों के चेहरे भी खिल उठे हैं। गत 30 जून को मानसून सीजन में पर्यटकों के लिए बंद हुआ बिजरानी जोन अब पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। जोन के खुलने पर पर्यटकों में पहले दिन पहली पाली में काफी उत्सुकता देखी गई। देश-विदेश से आए पर्यटक बाघ देखने के लिए रोमांचित नजर आए। उधर, कॉर्बेट प्रशासन भी पर्यटकों का पूरा ख्याल रखने की बात कह रहा है। पर्यटकों के उत्साह का यह आलम है कि पहले दिन बिजरानी जोन ऑनलाइन ही पूरा बुक हो गया है। पार्क वार्डन अमित ग्वासिकोटी ने बताया कि पार्क के सभी जोनों में प्रशासन 15 नवंबर से रात्रि विश्राम शुरू करेगा।

रेड रोड पर दुर्गा पूजा कार्निवल में ममता का जलवा, मुख्यमंत्री का लिखा गीत घोषित हुआ 'सर्वश्रेष्ठ पूजा गीत'

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता के प्रसिद्ध रेड रोड पर आयोजित भव्य दुर्गा पूजा कार्निवल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी उपस्थिति से समां बांध दिया। इस साल की खास बात यह रही कि ममता बनर्जी द्वारा लिखे गए गीत को 'सर्वश्रेष्ठ पूजा गीत' के रूप में सम्मानित किया गया। इस गीत को गायिका श्रीराधा बनर्जी ने गाया और इसकी प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया। राज्य सरकार की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया था इसलिए सरकार की ओर से ही इसका उल्लेख किया गया कार्निवल में विभिन्न पूजा समितियों की रंग-बिरंगी शोभायात्राएं देखने को मिलीं, जिनमें दक्षिण से लेकर उत्तर कोलकाता तक की समितियों ने अपने अनोखे थीम का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, जो स्वयं वहां मौजूद थीं, ने कई प्रस्तुतियों की सराहना की और अपने गीत की प्रस्तुति के बाद दर्शकों के साथ तालियां भी बजाईं। कार्निवल के मंच पर नृत्य की प्रस्तुतियों में टॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्रियों ने भी भाग लिया। सायंतिका बनर्जी, जो एक विधायक भी हैं, ने श्रीभूमि स्पोर्टिंग क्लब की शोभायात्रा में नृत्य करके लोगों का ध्यान आकर्षित किया। सांसद सायनी घोष, जून मलिया, और रचना बनर्जी

जैसी हस्तियों की मौजूदगी ने कार्निवल को और खास बना दिया। कार्निवल में इस बार विदेशी मेहमान भी शामिल हुए। उन्हें कोलकाता की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पूजा उत्सव का अनुभव कराने के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। 2016 में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पहल पर इस कार्निवल की शुरुआत हुई थी। तब से हर साल यह आयोजन और भव्य होता जा रहा है, जिससे लोगों की उत्सुकता और भागीदारी लगातार बढ़ रही है। आज के इस आयोजन में अलग-अलग पूजा समितियों की शोभायात्राओं ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कालीघाट के 'फॉरवर्ड क्लब' ने 'नाश' थीम पर आधारित अपनी प्रस्तुति से वाहवाही लूटी, वहीं अलिपुर रोड के 'कोलाहल समूह' ने भी अपनी अनूठी प्रस्तुति दी। जहां रेड रोड पर यह मुख्य आयोजन हुआ, वहीं रानी रासमणि एवेन्यू पर 'द्रोह का कार्निवल' भी आयोजित किया गया, जिसने लोगों का ध्यान खींचा।

धमकी मिलने के बाद दो दिन में छह फ्लाइट ने की आपातकालीन लैंडिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले 48 घंटों के दौरान कम से कम 6 विमानों की धमकी मिलने के बाद आपातकालीन लैंडिंग कराई गई है। हालांकि सोशल मीडिया से मिली सारी धमकियां जांच के बाद फर्जी पाई गई हैं। एक एक्स हैंडल से धमकी जारी होने के बाद एयर इंडिया, इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस की तीन उड़ानें प्रभावित हुईं। धमकियों को दोपहर में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अनवेरिफाइड अकाउंट से पोस्ट किया गया था। एयर इंडिया, इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट को आज धमकी मिलने के बाद आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी है। सउदी अरब के दम्मन से लखनऊ जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई98 की जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग हुई। एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स765 की दोपहर करीब 2 बजे अयोध्या में आपातकालीन लैंडिंग हुई। दिल्ली से शिकागो के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाइट एआई127 को धमकी मिलने के बाद एहतियात के तौर पर कनाडा के इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया। इससे पहले कल मुंबई से तीन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों इंडिगो की दो और एयर इंडिया की एक को बम की

धमकी मिली थी। शिकागो वाली फ्लाइट के बारे में एक बयान में एयर इंडिया ने कहा कि विमान और यात्रियों की निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार फिर से जांच की जा रही है। एयर इंडिया ने यात्रियों की सहायता के लिए एयरपोर्ट पर एजेंसियों को सक्रिय कर दिया है, जब तक कि उनकी यात्रा फिर से शुरू नहीं हो जाती। एयर इंडिया ने प्रेसनोट में कहा कि उसे और अन्य स्थानीय एयरलाइनों को हाल के दिनों में कई धमकियों का सामना करना पड़ा है। हालाँकि बाद में सभी फर्जी पाई गई हैं। लेकिन एक जिम्मेदार एयरलाइन ऑपरेटर के रूप में सभी धमकियों को गंभीरता से लिया जाता है। ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए ईमानदारी से खेद है। एयरलाइन ने आगे कहा कि एयर इंडिया ऐसी धमकियों के अपराधियों की पहचान करने में अधिकारियों को पूरा सहयोग दे रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यात्रियों को हुई परेशानी और असुविधा के लिए उन्हें जवाबदेह ठहराया जाए, और एयरलाइन द्वारा हुए नुकसान की भरपाई के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई पर विचार किया जाएगा।

भारी बारिश के बीच दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश के लिए आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

एजेंसी

अमरावती। बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। यह अगले दो दिनों में पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर उत्तरी तमिलनाडु और दक्षिणी तट की ओर बढ़ेगा। इसके परिणामस्वरूप आज रात और कल दक्षिण तट और रायलसीमा क्षेत्र में व्यापक बारिश होगी। मौसम विभाग ने इस आशय की चेतावनी जारी की है।

मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में अत्यधिक निम्न दबाव जारी है। विशाखापत्तनम के चक्रवात चेतावनी केंद्र ने कहा कि अगले 24 घंटों में इसके चक्रवात बनने की संभावना है। इसके चलते नेल्लोर, प्रकाशम, चित्तूर, अन्नामैया और वाईएसआर जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अधिकारी श्रीनिवास ने कहा कि तट पर 35-45 किमी प्रति घंटा की तेज़ गति से हवा चलेगी। संभवतः अचानक आई बाढ़ से नेल्लोर, प्रकाशम, कडप्पा

और चित्तूर जिले प्रभावित होंगे। राज्य में आज पश्चिम गोदावरी, एलुरु, कृष्णा, एनटीआर जिले, गुंटूर, बापटला, पलनाडु, प्रकाशम, नेल्लोर, कुरनूल, नंदयाला, अन्नामैया, चित्तूर और तिरुपति जिलों के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश हुई है। बाकी जिलों के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई है। मछुआरों के लिए चेतावनी जारी की गई है कि वे समुद्र और नदियों में मछलियां पकड़ने न जाएं, क्योंकि हवा तेज गति से चलेगी। इस बीच महाराष्ट्र और तेलंगाना में बारिश के कारण कृष्णा नदी में फिर से बाढ़ आ रही है। विजयवाड़ा में सोमवार को प्रकाशम बैराज में 45 हजार क्यूसेक बाढ़ का पानी आया। हालांकि, बाढ़ का पानी समुद्र में छोड़ा जा रहा है। कृष्णा जिला के सिंचाई अधिकारी ने एक बयान में कृष्णा नदी जलग्रहण क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे नदी में मछली पकड़ने न जाएं। आईएमडी जीएफएस (ग्लोबल फोरकास्ट सिस्टम) का अनुमान है कि बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव की तीव्रता तेजी से बढ़ रही है। बुधवार तक इसके भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील होने और चेन्नई के दक्षिण तट को पार करने की आशंका है। अनुमान है कि तट पार करने के बाद यह कमजोर हो जाएगा और अरब सागर की ओर बढ़ जाएगा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बुधवार तक इस पर स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

ख़त्म हुआ मालाबार का बंदरगाह चरण, बंगाल की खाड़ी में समुद्री अभ्यास शुरू

एजेंसी

विशाखापट्टनम। क्वाड देशों के बीच विशाखापट्टनम तट पर चल रहे बहुराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास मालाबार का बंदरगाह समाप्त हो गया है। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका की नौसेनाओं ने महत्वपूर्ण समुद्री जुड़ाव के रूप में हिस्सा लिया। अब बंगाल की खाड़ी में समुद्री चरण शुरू हुआ है, जिसमें चारों नौसेनाओं के युद्धपोत, हेलीकॉप्टर और लंबी दूरी के समुद्री गश्ती विमान एक साथ अभ्यास करके उच्च स्तर के सहयोग और परिचालन तालमेल का प्रदर्शन कर रहे हैं बहुराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास मालाबार के दूसरे और अंतिम समुद्री चरण में हिस्सा लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका की नौसेनाएं बंगाल की खाड़ी में पहुंच गई हैं। इस हाई वोल्टेज इवेंट में विध्वंसक, फ्रिगेट, कोरवेट और बेड़े के सहायक जहाजों के साथ-साथ लंबी दूरी के समुद्री गश्ती विमान, जेट विमान, इंटीग्रल हेलीकॉप्टर और पनडुब्बी संपत्तियां भाग लेंगी। इसमें हवाई युद्ध क्षेत्रों को कवर करते हुए समुद्री युद्ध संचालन की एक विस्तृत श्रृंखला में शामिल होंगी। ये उन्नत और जटिल अभ्यास आपसी समझ और समन्वय को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिसका उद्देश्य समुद्र में एक संयुक्त टास्क फोर्स के रूप में निर्बाध रूप से संचालन करना है।इस युद्ध अभ्यास में भारतीय नौसेना की पनडुब्बियां भाग लेंगी और भाग लेने वाले देशों के विशेष बलों के संयुक्त अभ्यास भी इस चरण में शामिल होंगे।

बिहार कैबिनेट ने लिए कई बड़े फैसले

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कैबिनेट की बैठक बुलाई। इस बैठक में कुल 22 एजेंडों को प्रस्तुत किया गया। कैबिनेट सचिव एस. सिद्धार्थ ने बताया, मंत्री परिषद की बैठक में 22 एजेंडे पर निर्णय लिया गया, जिसमें पहला एजेंडा ऊर्जा विभाग का था। दक्षिण बिहार पावर स्टेशन कंपनी ने कैमूर और रोहतास जिलों की 177 बसावटों, अर्थात 132 गांवों में 21,644 घरों में ग्रिड से विद्युतीकरण के लिए 17 करोड़ 80 लाख रुपये की योजना की स्वीकृति का प्रस्ताव पेश किया। इन जिलों के पहाड़ी गांवों में वर्तमान में सौर ऊर्जा से बिजली आपूर्ति की जा रही है, लेकिन इससे संबंधित कई समस्याएं भी हैं। इस निर्णय के अनुसार, इन क्षेत्रों में तारों के माध्यम से बिजली पहुंचाने की योजना को लागू किया जाएगा, जिससे 21,644 घरों में बिजली की आपूर्ति संभव हो सकेगी। उन्होंने आगे कहा, दूसरा एजेंडा खान एवं भूगर्भ विभाग से संबंधित था। बिहार खान न्यायालय 2024 के तहत खनिज समाधान परिवहन और भंडारण निवारण संशोधन की स्वीकृति दी गई।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का चौथा आरोपित 21 तक पुलिस हिरासत में भेजा गया

एजेंसी

मुंबई। बहुचर्चित पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी हत्याकांड मामले में मुंबई पुलिस चौथे आरोपित हरीश कुमार बालकराम (23) को उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले से गिरफ्तार करके मुंबई लाई और कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे 21 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

गिरफ्तार आरोपित पुणे में स्क्रैप डीलर के रूप में काम कर रहा था। उस पर बाबा सिद्दीकी हत्याकांड मामले में पैसे का इंतजाम करने का शक है। इसका कारण उसके बैंक खाते में बड़े पैमाने पर पैसे जमा किए गए हैं। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त दत्ता नलावड़े ने बताया कि पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में हरीश कुमार बालकराम का नाम पहले गिरफ्तार किए आरोपितों से पूछताछ में सामने आया था। इसी वजह से मुंबई पुलिस की टीम उत्तर प्रदेश में गई थी और बहराइच से गिरफ्तार करके मुंबई लाई। इस मामले में पुलिस अब तक चार

आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है और अन्य फरार आरोपितों की गहन तलाश की जा रही है पुलिस के अनुसार मुंबई पुलिस ने आज बांद्रा स्थित खेरवाड़ी इलाके में घटनास्थल से कुछ दूरी पर एक बैग बरामद किया। इस बैग में एक पिस्तौल और कई कारतूस मिले हैं। इसी तरह पुलिस ने आज कुर्ला स्थित पटेल चाल के एक कमरे में से आरोपितों के सामान और वहां से एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है। इसी चाल के एक कमरे में तीन आरोपित बेहद साधारण तरीके से सितंबर महीने से रह रहे थे। इस मामले में पुलिस अन्य आरोपितों की तलाश कर रही है।

अयोध्या में 2 नवंबर से 57 दिवसीय विश्व शांति महायज्ञ का होगा भव्य आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में 2 नवंबर से श्री महानारायण दिव्य रुद्र सहित शत सहस्र चंडी विश्व शांति महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कलयुग में पहली बार और संभवत पूरे विश्व का अब तक का सबसे बड़ा महायज्ञ होगा। 2 नवंबर से 28 दिसंबर तक चलने वाला 57 दिवसीय यह महायज्ञ श्री कांची कामाक्षी अम्मा की प्रेरणा से हो रहा है, जो सनातन धर्म के प्रचार, विश्व शांति और वैश्विक कल्याण के लिए समर्पित है। राजधानी नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब के डिप्टी स्पीकर हॉल में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती और चांदनी चौक के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने इसकी जानकारी दी। स्वामी जितेन्द्रानंद

सरस्वती ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में श्री महानारायण दिव्य रुद्र सहित शत सहस्र चंडी विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती ने कहा कि इस महायज्ञ का आयोजन श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट, श्री कांची कामकोटि पीठ और चिन्मयी सेवा ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। उन?होंने कहा कि यह महायज्ञ न केवल भारत में, बल्कि विश्व स्तर पर सनातन धर्म की पुनर्स्थापना और प्रचार तथा वैश्विक शांति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती ने कहा कि कलयुग में इस प्रकार का यज्ञ पहली बार हो रहा है, जो संभवत पूरे विश्व का अब तक का यह सबसे बड़ा महायज्ञ है। वेदाचार्य डीएसएन मूर्ति ने 57 दिवसीय इस महायज्ञ की विशेषता बताते हुए कहा कि यह श्री कांची कामाक्षी अम्मा की प्रेरणा से आयोजित हो रहा है, जो कि सनातन धर्म के प्रचार, विश्व शांति और वैश्विक कल्याण के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि यह महायज्ञ 2 नवंबर से 28 दिसंबर तक चलेगा।

महाकुंभ में सुगम यातायात एक लिये स्मार्ट ट्रैफिक व्यवस्था लागू कर रही है योगी सरकार

एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में दिव्य ,भव्य और सुव्यवस्थित महाकुंभ के आयोजन के लिए योगी सरकार द्वारा की जा रही तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। सरकार महाकुंभ पहुंचने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं के अनुभव स्मरणीय बनाने के लिए कई अभिनव प्रयास कर रही है। सड़क यातायात सुगम बनाना इसी का एक हिस्सा है जिसे लेकर एक बड़ा प्रोजेक्ट कुंभ नगरी में धरातल में उतारा जा रहा है। सड़क मार्ग से प्रयागराज की पहुंच को सरल बनाने के साथ-साथ शहर में यातायात व्यवस्था को नया स्वरूप देने के लिए पहली बार शहर में 39 ट्रैफिक जंक्शन का निर्माण किया जा रहा है। अपर कुंभ मेला अधिकारी विवेक चतुर्वेदी बताते हैं कि महाकुंभ के पूर्व शहर में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित स्वरूप देने के लिए 39 ट्रैफिक जंक्शन बनाए जा रहे हैं। तकरीबन 50 करोड़ के बजट से इनका निर्माण हो रहा है। इसके टेंडर जारी हो चुके हैं । महाकुंभ के आगंतुकों के लिए ये सुगम यातायात और सौंदर्यीकरण का माध्यम बनेंगे । ट्रैफिक जंक्शन के

निर्माण के पूर्व एक एजेंसी के माध्यम से उन चौराहों का सर्वे भी कराया गया है जहां आवागमन में ट्रैफिक की समस्या ज्यादा रहती है। इसके बाद इन जंक्शन का डिजाइन बनाया गया है । शहर में यातायात व्यवस्था को स्मार्ट बनाने के लिए पहली बार बनाए जा रहे ये ट्रैफिक जंक्शन बहु उपयोगी होंगे । इन्हें उस आकार में डिजाइन किया गया है कि ये ट्रैफिक को अच्छी तरह से व्यवस्थित कर सकें । अपर कुंभ मेला अधिकारी के मुताबिक इसके लिए ट्रैफिक जंक्शन में आइलैंड तैयार किए जा रहे हैं। उसी के मुताबिक इनका आकार छोटा या बड़ा किया जायेगा। जंक्शन में स्मार्ट सिग्नल ट्रैफिक व्यवस्था होगी जो पूरी तरह स्वचालित होगी। जंक्शन को खूबसूरत लुक देने के लिए शेष बचे स्थान में स्कल्पचर और आकर्षक लाइट्स भी लगाई जाएंगी। जंक्शन के अंदर ही हरित पट्टिका भी बनेगी जिसमें छोटे आकार के सजावटी पौधे रोपित किए जाएंगे। ये ट्रैफिक जंक्शन कुंभ के स्नान पर्वों में आने वाली भीड़ के प्रबंधन में उपयोगी होंगे। कुंभ के समापन के बाद भी शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने में इनकी उपयोगिता बनी रहेगी।

चंडीगढ़ संपदा कार्यालय के दो कर्मियों को रिश्वत लेने के आरोप में सीबीआई ने किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वत लेने के आरोप में संपदा कार्यालय, चंडीगढ़ के कार्य सहायक सतपाल एवं लिपिक संजीव कुमार को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने मामला दर्ज कर आरोपितों के आवास परिसरों की जांच-पड़ताल की। जहां से आपत्तिजनक दस्तावेज भी बरामद हुए हुए हैं। सीबीआई ने यह जानकारी दी।

सीबीआई के मुताबिक, चंडीगढ़ स्थित संपदा कार्यालय के आरोपित कार्य सहायक के विरुद्ध एक लिखित शिकायत के आधार पर इसी माह 14 अक्टूबर को मामला दर्ज किया गया।

जिसमें आरोप है कि शिकायतकर्ता का घर के स्वामित्व को लेकर विवाद था। इस विवाद को अदालत के माध्यम से वर्ष 2013 में सुलझा लिया गया था। इसके बावजूद आरोपितों ने इस मकान में रहने के लिए रिश्वत की मांग की थी। सीबीआई के मुताबिक, आरोपित ने शिकायतकर्ता से उसे मिले आवास पर दावा किया वह अवैध रूप से रह रहा है। आरोपितों ने शिकायतकर्ता को धमकी भी दी और मामले को निपटाने के लिए 2.50 लाख रुपये की रिश्वत की भी मांग की। बाद में आरोपित एक लाख रुपये रिश्वत के तौर पर लेने को तैयार हो गये। सीबीआई की टीम ने शिकायतकर्ता से यह रकम लेते हुए दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

मूर्तियों के सिवा भी
बहुत कुछ है खजुराहो में

कलाकृतियां भी किसी स्थल की सांस्कृतिक विशेषता हो सकती हैं इसका सबसे अच्छा उदाहरण खजुराहो के रूप में दिया जा सकता है। खजुराहो के मंदिरों का निर्माण दसवीं-ग्यारवहीं शताब्दी के बीच में चंदेल नरेशों ने किया था। एक सौ वर्ष की इस अवधि के दौरान उन्होंने कलापूर्ण, भव्य और मनोहारी 85 मंदिरों

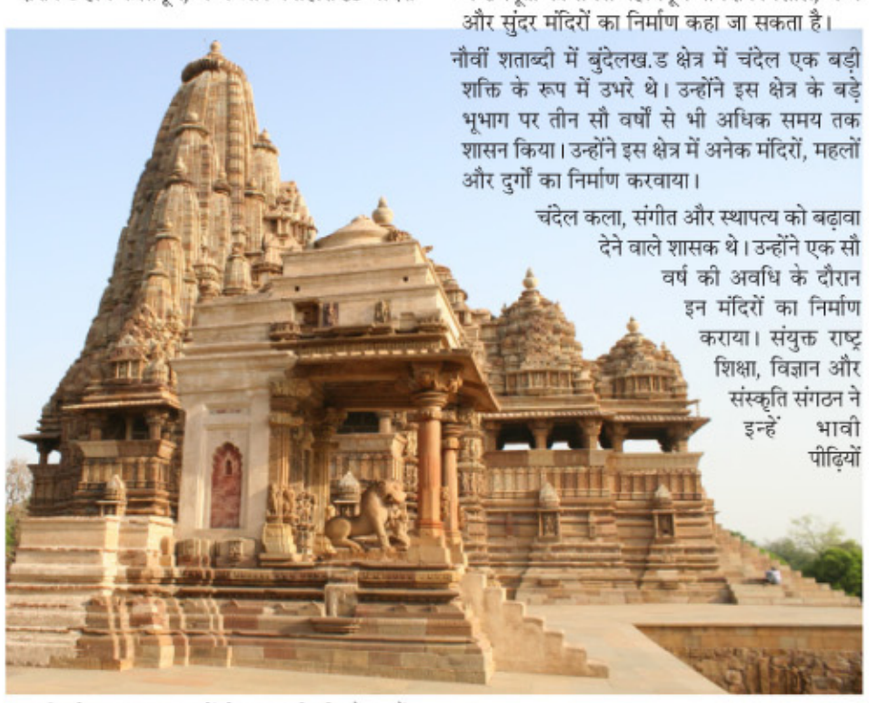

का निर्माण करवाया। इनमें से 25 अभी भी मौजूद हैं।

ये मंदिर भारतीय वास्तुशिल्प और मूर्तिकला के अनुपम उदाहरण के रूप में जाने जाते हैं। यद्यपि अधिकांश विदेशी पर्यटकों के लिए खजुराहो का मुख्य आकर्षण मैथुन मूर्तियां हैं पर देखा जाए तो खजुराहो में देखने के लिए और भी बहुत कुछ है।

इतिहास बताता है कि श्रीहर्ष के निधन के बाद भारत के राजनीतिक क्षितिज पर राजपूतों का वर्चस्व रहा। मध्य युग को तो एक तरह से राजपूतों का ही युग कहा जा सकता है। राजपूत स्वयं को अग्निकुल का सदस्य मानते हैं। वैसे वैदिक साहित्य में राजपूत शब्द नहीं मिलता लेकिन यह सत्य है कि हिन्दू धर्म और संस्कृति की रक्षा में राजपूत सदैव आगे रहे। उन्होंने वीरता और शौर्य के नये मानक स्थापित किए। भारतीय संस्कृति में राजपूतों का सबसे महत्वपूर्ण योगदान विशाल, भव्य और सुंदर मंदिरों का निर्माण कहा जा सकता है।

नौवीं शताब्दी में बुंदेलख.ड क्षेत्र में चंदेल एक बड़ी शक्ति के रूप में उभरे थे। उन्होंने इस क्षेत्र के बड़े भूभाग पर तीन सौ वर्षों से भी अधिक समय तक शासन किया। उन्होंने इस क्षेत्र में अनेक मंदिरों, महलों और दुर्गों का निर्माण करवाया।

चंदेल कला, संगीत और स्थापत्य को बढ़ावा देने वाले शासक थे। उन्होंने एक सौ वर्ष की अवधि के दौरान इन मंदिरों का निर्माण कराया। संयुक्त राष्ट्र शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति संगठन ने इन्हें भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने हेतु इन्हें विश्व विरासत स्थल घोषित कर दिया है। खजुराहो में वैष्णव, शैव और जैन तीनों सम्प्रदायों के मंदिर मौजूद हैं। खास बात यह है कि इन मंदिरों की रचना में एक ही शैली का अनुसरण किया गया है। चौंसठ योगिनी, ब्रह्मा और लाल शुआन महादेव के मंदिर को छोड़ कर सभी शेष मंदिर पन्ना की खानों से निकाले गए पत्थरों से बनाए गए हैं।

इन मूर्तियों के शिल्पकार मानव आकृतियों और मनोभावों के अद्भुत चितेरे थे। उन्होंने सभी मंदिरों के बाहरी भाग को विभिन्न भावपूर्ण मानव आकृतियों से अलंकृत किया। खजुराहो के मूर्तिकारों ने विभिन्न भावों को इतनी कलात्मकता से चित्रित किया है कि खजुराहो के मंदिरों को पत्थरों पर उकेरी कविता भी कहा जा सकता है। खजुराहो की मूर्तियों को पांच वर्गों में बांटा जा सकता है।

पहले वर्ग में विभिन्न सम्प्रदायों के मुख्य देवी देवताओं की मूर्तियां हैं। जिनको कि गर्भगृह में स्थान दिया गया है। दूसरे वर्ग में परिवार के सदस्य, अनुचर, गौण देवी देवता और द्वारपाल हैं। इन्हें आलों या ताक में स्थान दिया गया है। तीसरे वर्ग में अप्सराओं और सुर-सुंदरियों की मूर्तियां आती हैं। इन्हें मंदिर की बाहरी दीवारों, खंभों और छत पर उत्कीर्ण किया गया है। घरेलू जीवन की झलकियां, पाठशाला के दृश्य, नृत्यांगनाएं और मिथुन मूर्तियां चौथे वर्ग में आती हैं। इन्हें मंदिर की बाहरी दीवारों पर चित्रित किया गया है। पांचवें वर्ग में पशुओं की मूर्तियां हैं- शार्दूल, सीगों वाला शेर, उस पर सवार धनुर्धारी और उस पर एक योद्या का आक्रमण।

यहां के मंदिरों की विशेषता यह है कि प्रत्येक मंदिर एक चबूतरे पर बना है, जो आसपास के क्षेत्र से कुछ अधिक ऊंचाई पर है। यह चबूतरा दो काम करता है- मंदिर की परिक्रमा का रास्ता बनाता है तथा भक्तजनों को बैठने, विश्राम करने और चहल-कदमी करने के लिए स्थान प्रदान करता है। मंदिर की मध्य छत अनेक शिखरों का आभास देती है। सर्वोच्च शिखर गर्भगृह के ऊपर है। मंदिरों के विभिन्न भाग एक दूसरे के साथ भीतर और बाहर से जुड़े हैं। पूर्व से पश्चिम को जाने वाली एक धुरी पर बनाए गए ये मंदिर एक सम्पूर्ण इकाई का रूप धारण करते हैं। सभी मंदिरों में अर्ध मंडप, मंडप अंतराल और गर्भगृह हैं। कंदरिया महादेव जैसे बड़े मंदिर में अतिरिक्त स्थान भी मौजूद हैं।

खजुराहो ने चंदेल नरेशों का वैभव, पराक्रम और कलात्मक गतिविधियां देखने के साथ ही गुमनामी का दौर भी देखा है। चौदहवीं शताब्दी में जब आबू रिहान अल बरूनी ने भारत की यात्रा की तो उसने खजुराहो को एक सम्पन्न नगर के रूप में पाया। इब्न बतूता ने भी इस क्षेत्र के मंदिरों को साधु-संन्यासियों से भरा पाया। फिर खजुराहो लोकमानस में गुम हो गया। इन मंदिरों को दुबारा 1838 में खोजने का श्रेय ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारी टीएस बर्ट को जाता है।

अब जबकि खजुराहो के मंदिरों के निर्माण को एक हजार वर्ष से भी ज्यादा समय हो चुका है। खजुराहो को रेल मार्ग से जोड़ने का प्रस्ताव आया है जिससे अधिक से अधिक लोग यहां की सांस्कृतिक विशेषताओं और विरासतों से अवगत हो सकें।

लें पिकनिक का फुल मजा

मौसम है छुट्टियों का और छट्टियों में मौज-मस्ती करना भला किसे अच्छा नहीं लगता? उसमें भी जब पूरी फैमिली के साथ मौज-मस्ती का सुनहरा मौका पिकनिक के तौर पर मिले, तो खुशियां दोगुनी हो जाती हैं। खासकर तब जब आप छुट्टियों में किसी कारण से शहर से बाहर नहीं जा पा रही हैं। लेकिन कई बार छोटी-छोटी बातों पर ध्यान नहीं देने से पिकनिक उतनी मजेदार नहीं हो पाती, जितना कि हम

सबसे पहले यह सुनिश्चित कर लें कि पिकनिक के लिए आपको जाना कहां है? जैसे अपने ही शहर के दूरदराज लोकेशन या फिर आउट ऑफ टाउन। उस जगह की पूरी जानकारी पहले ही प्राप्त कर लें।

पिकनिक के लिए जरूरी सामान की लिस्ट बना लें ताकि कोई जरूरी सामान छूट न जाएं।

यदि पिकनिक का प्लान शहर के आस-पास जाने के लिए ही बनाया है तो फिर ज्यादा सामान कैरी न करें। आपके साथ कितने लोग जा रहे हैं, इस हिसाब से भी लिस्ट बनाएं।

अमूमन सभी पिकनिक स्पॉट पर खाने-पीने का सामान महंगा मिलता है। अत: यह बात पहले ही तय कर लें कि खाना वहां पर मंगवाना है या घर से बना-बनाया खाना ले जाना है या फिर वहां पर बनाना है।

अगर वहां पर खाना बनाना है तो एक छोटा सिलेंडर, गिल्ल करने का सामान, खाना बनाने के आवश्यक बर्तन और डिस्पोजेबल थाली, कटोरी, ग्लास और कुछ पेपर नैपकिन अवश्य रखें।

जरूरी दवाइयां, फर्स्ट एड किट जरूर ले जाएं। आपकी आउटफिट ऐसी होनी चाहिए जिससे आपको वहां पर किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

पिकनिक खत्म हो जाने के बाद सारी गंदगी जैसे पेपर, नैपकिन, जूठन आदि को समेट कर डस्टबिन में डाल दें।

यदि किसी ऐतिहासिक इमारत में घूमने आई हैं तो वहां पर किसी प्रकार की छेड़छाड़ न करें।

सेफ्टी टिप्स

पिकनिक का प्लान बनाते समय ज्यादा सुनसान जगह को तरजीह न दें।

यदि किसी लेक या झील के किनारे जाने की सोच रहे हैं तो और भी ज्यादा सतर्कता बरतने की आवश्यकता है क्योंकि ऐसी जगहों पर दुर्घटना की संभावना ज्यादा रहती है।

यदि लेक में नहाने के मूड में हैं तो पहले पानी का अंदाजा जरूर लगा लें। अपने आस-पास चौकसी बरतें, क्योंकि हो सकता है कि आपको अकेला पाकर कोई आपका फोटो लेने की फिराक में हो। पानी का बहाव तेज हो तो ज्यादा आगे जाने की गलती न करें। नहाने के दौरान लाइफ बेल्ट भी साथ में रखना न भूलें।

हमेशा ग्रुप में ही पिकनिक मनाने के लिए जाएं। यदि ग्रुप में सिर्फ आप लड़की या महिला हैं तो ऐसी पिकनिक से परहेज करें।

झील और पहाड़ आदि का शॉट लेने के लिए ज्यादा उतावले न हों और न ही इसके लिए झील के आस-पास घूमती रहें। अच्छी शॉट के चक्कर में कभी भी पांव फिसल सकता है और आप झील में गिर सकती हैं।

पिकनिक के दौरान नशे के सेवन से बचें और न ही किसी के द्वारा दी गई ड्रिंक का सेवन करें।

इन जगहों पर ज्यादा जूलरी पहन कर न जाएं। बहुत ज्यादा कैश लेकर न जाएं। यदि जा भी रही हैं तो इस बारे में ज्यादा प्रचार न करें।

पहाड़ों की चादर ओढ़े
मेघालय

शिलांग भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय की राजधानी है। भारत के पूर्वोत्तर में बसा शिलांग हमेशा से पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र रहा है। इसे भारत के पूरब का स्कॉटलैण्ड भी कहा जाता है। पहाड़ियों पर बसा छोटा और खूबसूरत शहर पहले असम की राजधानी था। असम के विभाजन के बाद मेघालय बना और शिलांग वहां की राजधानी। लगभग 1695 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस शहर में मौसम हमेशा खुशगवार बना रहता है। मानसून के दौरान जब यहां बारिश होती है, तो पूरे शहर की खूबसूरती और निखर जाती है और शिलांग के चारों तरफ के झरने जीवंत हो उठते है।

शिलांग के अधिकांश लोग खासी नामक जनजाति के हैं। इस जनजाति? के ज्यादातर लोग ईसाई धर्म को मानने वाले हैं। खासी जनजाति के बारे में दिलचस्प बात यह है कि इस जनजाति में महिला को घर का मुखिया माना जाता है। जबकि भारत के अधिकांश परिवारों में पुरुष को प्रमुख माना जाता है। इस जनजाति में परिवार की सबसे बड़ी लड़की को जमीन जायदाद की मालकिन बनाया जाता है। यहां मां का उपनाम ही बच्चे अपने नाम के आगे लगाते हैं।

चेरापुंजी भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय का एक शहर है। यह शिलांग से 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह स्थान दुनिया भर में मशहूर है। हाल ही में इसका नाम चेरापूंजी से बदलकर सोहरा रख दिया गया है। वास्तव में स्थानीय लोग इसे सोहरा नाम से ही जानते हैं। यह स्थान दुनियाभर में सर्वाधिक बारिश के लिए जाना जाता है। इसके नजदीक ही नोहकालीकाई झरना है, जिसे पर्यटक जरूर देखने जाते हैं। यहां कई गुफा भी हैं, जिनमें से कुछ कई किलोमीटर लम्बी हैं। चेरापूंजी बांगलादेश सीमा से काफी करीब है, इसलिए यहां से बांगलादेश को भी देखा जा सकता है।

ऐसा नहीं है की जब भी आप को अपनी छुट्टियाँ मज़ेदार बनानी हो आप गोवा या किसी हिल स्टेशन की ओर निकल पड़ें। भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में भी आपको बेहद सुकून और शांति के अहसास का आनंद मिल सकता है । जी हाँ, अगर आप को माइंड रिफ्रेश करना हो और कुछ दिनों के लिए आप भाग दौड़ से दूर स्ट्रेस फ्री मूड में रहना चाहते हैं तो मेघालय से अच्छी कोई जगह हो ही नहीं सकती।

मेघालय यानि 'बादलों का घर', जिसका नाम ही इतना ताज़गी भरा हो सोचिये ज़रा वो जगह भी कितनी शानदार होगी। मेघालय में जो रुहानी राहत और मानसिक शांति मिलती है वो तो बस अनमोल ही है। यहाँ की मनोरम वादियाँ देख कोई भी इसकी खूबसूरती का कायल हुए बिना नहीं रह पायेगा। मेघालय की प्राकृतिक सुन्दरता ही है जो पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती है। यहाँ का वातावरण भी बहुत ही मनमोहक और ताज़गी से भरपूर होता है। बारिश के दिनों में तो वर्षा से भरे बादलों के बीच मेघालय की पहाड़ियां बहुत दिल लुभावनी दिखाई देती हैं। मेघालय में घूमने के लिए बहुत सी शानदार जगहें हैं जहाँ प्रकृति की असली सुन्दरता बहुत ही भव्य रूप में नज़र आती है।

शीतल शिलॉग

मेघालय का कैपिटल शिलॉग पर्यटकों का सबसे महत्वपूर्ण टूरिज्म डेस्टिनेशन है। और भला ऐसे कैसे हो सकता है कि आप भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में जायें और शिलॉग न देखें । शिलॉग जाये बिना तो आपके घूमने का मज़ा अधुरा ही रह जायेगा। शिलॉग की लाजवाब खूबसूरती और यहाँ की ऊँची-ऊँची पहाड़ियां आप का दिल चुरा लेंगी। शिलॉग जाने के लिए बारिश का मौसम बहुत ही उत्तम होता है। शिलॉग की किसी पर्वत चोटी पर खड़े हो कर पूरे शहर का अद्वितीय नज़ारा लिया जा सकता है। शिलॉग में अनेक मनोरम स्थल हैं जिन में वार्ड लेक, लेडी हैदरी पार्क, पोलो ग्राउंड और मिनी चिड़ियाघर प्रमुख हैं। लेकिन यहाँ पर सबसे ज़्यादा प्रसिद्द है एलीफैंट वाटर फॉल जो बहुत ही खूबसूरत है और साथ ही यहाँ पर लोग एयर बैलून का भी पूरा लुत्फ़ उठाते हैं।

चंचल चेरापूंजी

चेरापूंजी नाम सुनते ही बचपन में पढ़ा जियोग्राफी का वो चैप्टर याद आ जाता है ना जिसमे हमने पढ़ा था 'चेरापूंजी में सबसे ज़्यादा बारिश होती है'। सोचिये कितना रोमांच भरा होगा ऐसी जगह को हकीकत में देखना । चेरापूंजी पर्यटकों का फेवरेट स्पॉट है। चेरापूंजी में माकडॉक और डिमपेप घाटी का दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है। चेरापूंजी की बारिश की बूंदे तन-मन को ऐसे भिगो देंगी की दिल ताज़गी से भर उठेगा। चेरापूंजी का सबसे आकर्षक स्थान है नोहकलिकाई झरना। हजारों फीट ऊपर से गिरता यह दूधिया सफ़ेद झरना बहुत ही मनमोहक और खूबसूरत है। इसके अलावा चेरापूंजी का माउलंग सीम पीक एक ऐसा स्थान है जो यात्रियों के लिए रहस्य, रोमांच, साहस और सौंदर्य से भरा हुआ है। दूर एक हज़ार मीटर ऊंचाई से गिरता झरना, घने वृक्षों से घिरा जंगल, बादलों के पास बसा बांग्लादेश यहां से दिखाई देता है।

मेघालय में पाई जाने वाली गारो पहाडियों में तो मानसून के मौसम में घूमने का मज़ा दोगुना हो जायेगा। मानसूनी सीजन के वक्त यहाँ बादल हमेशा बने रहते हैं। खासी और जेंतिया पहाड़ी की ऊंचाई पर एक विशेष प्रकार का मौसम रहता है, जिसमें हल्की ठंडक हृद्धहृद्ध है। विंटर में यहां तेज़ सर्दी पड़ती है। इसके साथ ही रामकृष्ण का मंदिर, नोखालीकाई वॉटर फॉल, वेल्श मिशनरियों की दरगाहें, ईको पार्क, डबल ड्रेकर रूट ब्रिज और चेरापूंजी मौसम विभाग वैधशाला देखने लायक स्थान हैं। चेरापूंजी में होने वाली तेज़ बारिश से यहाँ की चट्टानों में दरार पड़ गई है और सभी ढलानों पर झरने का दृश्य बेहद मनोरम है।

मेघालय देश के उत्तरी पूर्व क्षेत्र का खूबसूरत राज्य है जिसे देख कर लगता हैं मानो इसने पहाड़ की चादर ओढ़ रखी हो। इस राज्य का एक तिहाई हिस्सा घने जंगलों से भरा है। इस राज्य को पूरब का स्काटलैंड कहा जाता है। यहां पूरे देश के मुकाबले बहुत ज्यादा बारिश होती है।

मेघालय बायोडाइवरसिटी यानी जैविक विविधता से भरपूर है। यहां पौधे, जीव-जन्तु और पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। मेघालय में खेती में प्राथमिकता दी गई है। यहां की मुख्य फसलें हैं- केला, मक्का, अनानास, आलू और चावल। मेघालय की शिलांग चोटी को यहां के निवासी भगवान का निवास स्थल मानते हैं।

पर्यटकों का यहां हर समय तांता लगा रहता है। इस राज्य की खूबसूरती और इसके मनमोहक दृश्य के कारण पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यहां तीन वाइल्ड लाइफ सैंक्चरी और दो नेशनल पार्क हैं। ट्रैकिंग, हाइकिंग और पर्वतारोहण के दीवानों के लिए यह जगह बेहतर है। यहां यूमियान लेक में वॉटर स्पोर्ट्स का मजा लिया जा सकता है। यहां के लोगों में वॉटर स्पोर्ट्स काफी लोकप्रिय है।

चूना पत्थर और बलुआ पत्थर से बनी लगभग 500 गुफाएं यहां मौजूद हैं। जिनमें से कुछ ऐसी भी हैं, जो देश की सबसे लंबी और गहरी गुफा है। ये गुफाएं देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इस राज्य का सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल है चेरापूंजी। यहां के अद्भुत प्राकृतिक दृश्य पूरे उत्तरी-पूर्व भारत में सबसे अनोखे और दर्शनीय हैं।

यहां कई वाटरफॉल हैं। जैसे शेदेथम फॉल्स, विनिया फॉल्स, एलिफेंट फाल्स, नोहकालीलाई, स्वीट फॉल्स, विशप्स फाल्स और लैंगशियांग फॉल्स। इन झरनों की खूबसूरती देखते बनती है। मेघालय को खैसिस, जैंटिया और गैरो हिल्स के अनुसार विभिन्न भागों में बांटा गया है। यहां कई नदियां हैं, जिनमें कुछ मौसमी हैं। इनमें से कुछ नदियां खूबसूरत वाटरफॉल बनाती हैं।

मेघालय घूमने का सबसे अच्छा मौसम है गर्मियां। वैसे आप मेघालय कभी भी जाएं गर्म कपड़ों की जरूरत हमेशा पड़ती है। सड़क, रेल और हवाई यातायात के साथ यहां हेलिकॉप्टर सेवा भी उपलब्ध है, जो शिलांग से गुवाहाटी को जोड़ती है।

सिंधु डेनमार्क ओपन के प्री-क्वार्टरफाइनल में, लक्ष्य सेन हुए बाहर

एजेंसी

ओडेंस (डेनमार्क)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने डेनमार्क ओपन 2024 टूर्नामेंट में महिला एकल स्पर्धा के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। आज हुए मैचों में केवल पीवी सिंधु ने अगले राउंड में जगह बनाई, शेष अन्य भारतीय खिलाड़ी अपने-अपने मुकाबलों मे हारकर बाहर हो गए। सिंधु ने पहले गेम 21-8 से आसान जीत दर्ज की। दूसरे गेम में सिंधु 12-7 से आगे थीं, लेकिन बैडमिंटन रैंकिंग में 28वें स्थान पर काबिज चीनी ताइपे की पाई यू पो को रिटायर होना पड़ा। सिंधु की पाई यू पो पर सात मुकाबलों में यह पांचवीं जीत थी। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने पहले गेम की आक्रामक शुरुआत की और शानदार स्मैश के साथ 10-2 से बढ़त बना ली। अपनी बढ़त को बनाए रखते हुए सिंधु ने चीनी ताइपे की शटलर को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। इसी के साथ भारतीय शटलर ने 13 अंकों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली, जिसे कम करना पाई यू पो के लिए नामुमकिन रहा। सिंधु ने इस गेम को 21-8 से आसानी से जीत लिया। दूसरे गेम में भी भारतीय शटलर ने अपनी लय को बनाए रखा और 9-4 से चीनी ताइपे की खिलाड़ी पर बढ़त बनाई। वहीं, पाई यू को अंक अर्जित करने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा और इस दौरान वह गेम के बीच में ही रिटायर हो गईं। इस गेम में भी सिंधु 12-7 से आगे चल रही थीं।

सुधीर सक्सेना ने एशियाई किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

कंबोडिया। कौशल और दृढ़ संकल्प का शानदार प्रदर्शन करते हुए किक बॉक्सर सुधीर सक्सेना ने 5 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक कंबोडिया के ओलंपिक स्टेडियम में आयोजित एशियाई किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में 94 किलोग्राम भार वर्ग में भारत के लिए कांस्य पदक जीता है। पूरे एशिया के कुछ बेहतरीन फाइटर्स के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए सुधीर ने असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया। उनके प्रदर्शन ने न केवल उन्हें पोडियम पर जगह दिलाई, बल्कि किक बॉक्सिंग के खेल में भारत की बढ़ती उपस्थिति को भी उजागर किया। सुधीर की भागीदारी पंजाब नेशनल बैंक के उदार प्रायोजन के माध्यम से संभव हुई, जो विभिन्न खेलों में उभरती प्रतिभाओं का दृढ़ समर्थक रहा है। पदक जीतने पर सुधीर ने कहा कि यह उपलब्धि मेरे प्रशिक्षण में लगाई गई कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मैं पंजाब नेशनल बैंक के अटूट समर्थन के लिए उनका आभारी हूं और मैं यह पदक उन सभी को समर्पित करता हूं, जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया। पंजाब नेशनल बैंक खेलों को बढ़ावा देने और एथलीटों को सफलता की यात्रा में सहायता करने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता रखता है।

दूसरे टेस्ट के पहले दिन पाकिस्तान के पांच विकेट पर 259 रन

मुल्तान। कमरान गुलाम के पदार्पण शतक (118) एवं सलामी बल्लेबाज सईम अयूब (77) के अर्द्धशतक की बदौलत पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन पांच विकेट पर 259 बना लिए। आज यहां मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 15 रन के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज अब्दुल्लाह शफीक (सात) को लीच ने बोल्ड कर इंग्लैंड को पहली सफलता दिला दी। स्कोर बोर्ड पर अभी चार रन और जुड़े थे कि लीच ने कप्तान शान मसूद (सात) को क्रॉली के हाथों कैच आउट कराकर पाकिस्तान टीम को दूसरा झटका दे दिया। तीसरे विकेट के लिए इस टेस्ट में पदार्पण करने वाले कमरान गुलाम और सईम अयूब ने संभलकर खेलते हुए टीम के स्कोर को 168 रनों तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर पॉट्स ने सईम अयूब (77) को स्टोक्स के हाथों कैच कराकर इस साझेदारी को तोड़ा और टीम को तीसरी सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए सऊद शकील को कार्स ने जल्दी ही स्मिथ के हाथों कैच आउट कराकर पाकिस्तान का चौथा विकेट झटक लिया। शकील मात्र चार रन ही बना पाए। पहला टेस्ट मैच खेल रहे कमरान गुलाम ने मोहम्मद रिजवान के साथ मिलकर टीम को स्कोर को आगे बढ़ाया।

पीसीबी ने जमान को कारण बताओ नोटिस जारी किया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इंग्लैंड के ख़िलाफ़ जारी टेस्ट श्रृंखला में बल्लेबाज बाबर आज़म को टीम से बाहर किए जाने के बाद फ़ख़र ज़मान को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। फखर जमान ने दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच से बाबर आजम को बाहर किए जाने की ख़बर पर सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर इस संबंध में टिप्पणी की थी। जबकि उस समय तक पीसीबी ने अंतिम दो टेस्ट मैचों के लिए टीम की घोषणा भी नहीं की थी। फ़ख़र ने इस फ़ैसले को चिंताजनक बताते हुए कहा था कि पाकिस्तान के अब तक के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज़ों में से एक बाबर आजम को बाहर किया जाना ग़लत संदेश देगा।

फ़ख़र ने बोर्ड को खिलाड़ियों को नीचा दिखाने के बजाय उन्हें संरक्षित करने की मांग की थी। पीसीबी ने फखर जमान की इस पोस्ट पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बोर्ड ने कहा है कि एक केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी होने के नाते फ़ख़र को बोर्ड के ख़िलाफ़ सार्वजनिक तौर पर ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए थी। फ़ख़र ने अब तक नोटिस का जवाब नहीं दिया है। आचार संहिता के कथित उल्लंघन पर जुर्माना फ़ख़र के जवाब पर निर्भर करेगा।

युगांडा ने दक्षिण सूडान को हराकर अफ्रीकी कप ऑफ नेशंस 2025 के लिए किया क्वालीफाई

एजेंसी

जुबा। युगांडा ने एक रोमांचक मुकाबले में दक्षिण सूडान को 2-1 से हराकर मोरक्को में होने वाले 2025 अफ्रीकी कप ऑफ नेशंस (एएफसीओएन) के लिए क्वालीफाई कर लिया है। युगांडा ने 11 अक्टूबर को कंपाला में हुए उलट मुकाबले में दक्षिण सूडान को 1-0 से हराया था।

दक्षिण सूडान के मुख्य कोच निकोलस डुपुइस ने कहा कि युगांडा व्यक्तिगत मुकाबलों में बेहतर टीम थी, उन्होंने कहा कि मैच का फैसला करने में यह महत्वपूर्ण था। दक्षिण सूडान की राजधानी जुबा में एक ब्रीफिंग में डुपुइस ने कहा, हमारे लिए यह बहुत मुश्किल था क्योंकि युगांडा हमसे बेहतर था, इसलिए मुझे लगता है कि परिणाम सामान्य है। व्यक्तिगत रूप से वे बेहतर थे, लेकिन हमने कड़ी मेहनत की। यह पर्याप्त नहीं है लेकिन हमने एक अच्छी टीम के खिलाफ खेला।

डुपुइस ने कहा कि उनकी टीम का ध्यान अब 25 अक्टूबर को टोटल एनर्जीज अफ्रीकन नेशंस चैंपियनशिप में केन्या के खिलाफ होने वाले आगामी मुकाबले पर

केंद्रित है। युगांडा के मुख्य कोच पॉल जोसेफ पुट ने कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि उनकी टीम ने मैच की शुरुआत से लेकर अंत तक दबदबा बनाए रखा। पुट ने कहा, मुझे लगता है कि हमने हर अच्छी टीम को देखा है, उन्होंने पहले पल से लेकर अंत तक पहल की, मुझे लगता है कि दक्षिण सूडान अपने खिलाड़ियों की लंबाई के कारण कॉर्नर किक्स में थोड़ा खतरनाक था, लेकिन हमने खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने कहा कि मैच के पूरे 90 मिनट में बनाए गए कई अवसरों के कारण उनकी टीम अधिक गोल कर सकती थी। युगांडा ग्रुप के में शीर्ष पर है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका, कांगो गणराज्य और दक्षिण सूडान शामिल हैं।

द हंड्रेड :मैनचेस्टर ओरिजिनल्स पुरुष टीम के प्रभारी बने रहेंगे साइमन कैटिच

एजेंसी

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने साइमन कैटिच को एक साल का अनुबंध विस्तार दिया है, जबकि इस सत्र में उनकी पुरुष टीम ने केवल एक जीत हासिल की थी, हालांकि क्लब ने स्टीफन पैरी को महिला टीम के कोच पद से हटा दिया है। पैरी ने दो साल तक महिला टीम की कमान संभाली थी।

दोनों कोचों के भविष्य पर निर्णय ओरिजिनल्स बोर्ड द्वारा लिए गए, जिसे 2025 से लंकाशायर के साथ उनके घनिष्ठ संबंधों को दर्शाने के लिए पुनर्गठित किया गया है। काउंटी अगले सत्र में ओरिजिनल्स में बहुसंख्यक शेयरधारक बन जाएगी, जब उन्हें ईसीबी द्वारा 51त्न हिस्सेदारी सौंपी जाएगी, जबकि शेष 49त्न एक निजी निवेशक को बेची जाएगी।

लंकाशायर के क्रिकेट निदेशक मार्क चिल्टन को पैरी के उत्तराधिकारी के रूप में महिला टीम के मुख्य कोच की नियुक्ति प्रक्रिया का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी गई है। लंकाशायर बोर्ड में शामिल जेम्स शेरिडन ने ब्रॉडकास्टर मार्क चैपमैन से ओरिजिनल्स के अध्यक्ष के रूप में

पदभार संभाला है, हालांकि चैपमैन बोर्ड में बने रहेंगे। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज कैटिच ने 2021 में हंड्रेड के उद्घाटन सत्र से ओरिजिनल्स के पुरुषों को कोचिंग दी है, और कहा कि 2025 में वापसी के लिए सहमत होने के बाद उनका अधूरा काम रह गया है। कैटिच ने ईएसपीएनक्रिकइंफो के हवाले से कहा, पिछले तीन वर्षों में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स का नेतृत्व करते हुए मुझे बहुत मज़ा आया और मैं अगले साल का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूँ। ओरिजिनल्स पुरुषों के हंड्रेड के 2022 और 2023 सीज़न में उपविजेता रहे, ट्रेंट रॉकेट्स और ओवल इनविंसिबल्स के खिलाफ़ कड़े फ़ाइनल में हार गए। लेकिन वे इस साल चोटिल जोस बटलर की अनुपस्थिति से उबरने में विफल रहे, फिल साल्ट की कप्तानी में अपने आठ मैचों में से केवल एक में जीत हासिल करने के बाद सातवें स्थान पर रहे। कैटिच ने कहा, हम सभी इस बात से निराश हैं कि यह सीज़न कैसा रहा, खास तौर पर 2022 और 2023 में हम इतने करीब आ गए थे। मुझे लगता है कि हंड्रेड के पिछले तीन संस्करणों की घटनाओं को देखते हुए हमारे पास अधूरा काम है और ओरिजिनल्स में हम सभी यह सुनिश्चित करेंगे कि हम अगले साल फिर से पटरी पर लौटें... हम मैनचेस्टर के लिए इसे जीतने के लिए दृढ़ हैं।

लौरा डेलानी की जगह गैबी लुईस बनीं आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान

एजेंसी

डबलिन। गैबी लुईस को आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है, जो अब तक की सबसे अनुभवी खिलाड़ी लॉरा डेलानी की जगह लेंगी। डेलानी ने सभी प्रारूपों में आयरलैंड का 207 बार प्रतिनिधित्व किया है, और पिछले आठ वर्षों से वह उनकी कप्तानी भी कर रही हैं। वे महिला टी20 विश्व कप में जगह बनाने में असमर्थ रहीं, लेकिन हाल ही में उन्हें सफलता मिली है, अगस्त में श्रीलंका के साथ द्विपक्षीय मुकाबले में 1-1 से बराबरी की, जब लुईस ने शतक बनाया और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गई। इसके बाद उनकी टीम ने वनडे में श्रीलंका को 2-1 से हराया। लुईस, जो वर्तमान में मेलबर्न में क्लब क्रिकेट खेल रही हैं, ने कहा, मुझे पता है कि जब मैं पहली बार सीनियर टीम में आई थी, तो डेल्स उन टीम-साथियों में से एक थीं जिनसे आप प्रेरणा लेते थे। शौकिया से पेशेवर युग में जाने के बाद, उन्होंने लगातार अपने खेल को विकसित करने और सुधारने की कोशिश की है, और मैं डेल्स के साथ कई और मौकों पर खेलने के लिए उत्सुक हूं क्योंकि हम अपनी टीम के विकास के अगले चरण में आगे बढ़ रहे हैं। लुईस ने आयरलैंड के लिए अपना डेब्यू तब किया था जब वह सिर्फ 13 साल की थीं। वह 28.95 की औसत से 3,742 रन बनाकर उनकी सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं, जिसमें दो शतक और 21 अर्धशतक शामिल हैं। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने 12 बार अपने देश की कप्तानी भी की है और अब नवंबर और जनवरी में होने वाले बांग्लादेश और भारत के दौरे से पहले पूर्णकालिक कप्तानी संभालेंगी। लुईस ने कहा, मुझे आयरलैंड की महिला टीम की स्थायी कप्तान बनने के लिए कहा जाना बहुत अच्छा लगा। मुझे गर्मियों के दौरान इस भूमिका में अभिनय करने में बहुत मज़ा आया और मैं सिस्टम के ज़रिए आने वाली युवा प्रतिभाओं को लेकर वास्तव में उत्साहित हूँ। हालाँकि हम एक युवा टीम हैं, लेकिन हाल के वर्षों के परिणामों ने दिखाया है कि हम सर्वश्रेष्ठ के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। आयरलैंड की चयनकर्ता सियारा ओब्रायन ने पुष्टि की कि डेलानी टीम के लिए खेलना जारी रखेंगी। वहीं, मुख्य कोच एड जॉयस ने 2010 में शुरू हुए करियर के दौरान उनके योगदान की प्रशंसा की। जॉयस ने कहा, मुझे पिछले पांच वर्षों में लॉरा के साथ मिलकर काम करने का सौभाग्य मिला है, और मैदान पर और मैदान के बाहर उनके द्वारा किए गए काम के लिए मेरे मन में गहरा सम्मान है। न केवल उन्होंने शौकिया से पेशेवर युग में बदलाव के दौरान टीम का नेतृत्व किया है, बल्कि कोविड के उन वर्षों के दौरान उन्होंने टीम को जो अविश्वसनीय समर्थन दिया है, उसे काफी हद तक अनदेखा किया जाता है। लॉरा उन सबसे प्रतिस्पर्धी और केंद्रित खिलाड़ियों में से एक हैं जिनके साथ मैंने काम किया है, और मैंने हर मिनट का भरपूर आनंद लिया है।

उदिता को श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने 32 लाख रुपये में खरीदा

एजेंसी

नयी दिल्ली। हॉकी इंडिया लीग 2024-25 महिला नीलामी के पहले हाफ में चारों फ्रैंचाइजी ने 41 भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए बोली लगाई। श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने उदिता दुहान के लिए सबसे बड़ी बोली लगाकर 32 लाख रूपये में खरीदा। नीलाम में उदिता को श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने 32.00 लाख रूपये, उदिता हरियाणा से है और भारतीय टीम में डिफेंडर के तौर पर खेलती है। दूसरे नंबर पर नीदरलैंड की यिब्बी जेनसन को ओडिशा वारियर्स ने 29 लाख रूपये में खरीदा, लालरेमसियामी को श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने 25 लाख रूपये में, सुनीलिता टोप्पो को दिल्ली एसजी पाइपर्स ने 24 लाख रूपये में और संगीता कुमारी दिल्ली एसजी पाइपर्स को 22 लाख रूपये में खरीदा। ये पांच महिला खिलाड़ी बोली में शीर्ष पर रही। श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने आज यहां दिन के पहले हाफ में भारत की उदिता के लिए 32 लाख रुपये की सबसे महंगी बोली लगाते हुए उन्हें खरीदी लिया। इसके अलावा डच स्टार ड्रैग-फ्लिकर यिब्बी जानसेन को ओडिशा वॉरियर्स ने 29 लाख रुपये की बोली लगाकर खरीदा।

युवा भारतीय खिलाड़ी लालरेमसियामी को श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने 25 लाख में खरीदा, सुनीता टोप्पो को दिल्ली एसजी पाइपर्स ने 24 लाख में और संगीता कुमारी को दिल्ली एसजी पाइपर्स ने 22 लाख में खरीदा। इस दौरान कई विदेशी खिलाड़ियों की बोली लगी। जिसमें सूरमा हॉकी क्लब ने बेल्जियम की चार्लोट एंगलबर्ट को 16 लाख रुपये में, जर्मनी की चार्लोट स्टेपेनहोर्स्ट को 16 लाख रुपये में और ऑस्ट्रेलिया की जोसलीन बार्टाम को ओडिशा वॉरियर्स ने 15 लाख रुपये में खरीदे गये। वर्तमान भारतीय महिला हॉकी कोर ग्रुप में सलीमा टेटे (20 लाख रूपये) और सविता (20 लाख रूपये) को सोरमा हॉकी क्लब ने खरीदा, जबकि दिल्ली एसजी पाइपर्स ने नवनीत कौर को 19 लाख रूपये में खरीदा।

एलिस पेरी ने टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में लगाई लंबी छलांग, 16वें स्थान पर पहुंचीं

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी ने संयुक्त अरब अमीरात में चल रहे आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के लीग मैचों में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में उल्लेखनीय प्रगति की है। विश्व कप में पेरी ने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 22 रन, न्यूजीलैंड के खिलाफ 30 रन और भारतीय टीम के खिलाफ 32 रन की पारी खेलकर ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम रोल निभाया। अपने इस प्रदर्शन के दम पर पेरी ने बल्लेबीजों की रैंकिंग में 6 स्थान की लंबी छलांग लगाई है।

जारी ताजा आईसीसी महिला टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई स्टार पेरी 6 स्थान ऊपर उठकर संयुक्त रूप से 16वें स्थान पर पहुंच गई हैं। उनके 597 रेटिंग अंक हो गए हैं। इस प्रारूप में पेरी की करियर की सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी रैंकिंग 14वां स्थान है जो उन्होंने आखिरी बार

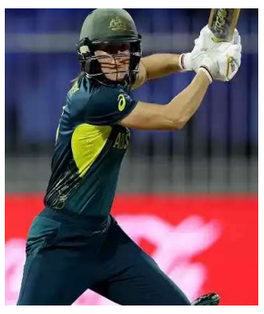

फरवरी 2020 में हासिल किया था। उनकी टीम की साथी फोएबे लिचफील्ड भी अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 30वीं रैंकिंग पर पहुंच गई हैं। उन्होंने शारजाह में भारत के खिलाफ नौ गेंदों पर नाबाद 15 रन बनाकर टीम की जीत में योगदान दिया था। ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की कप्तान एलिसा हीली, भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर और बांग्लादेश की निगार सुल्ताना, न्यूजीलैंड की खिलाड़ी अमेलिया केर और इंग्लैंड की डैनी व्याट को भी बल्लेबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ है। एलिसा एक स्थान ऊपर सातवें स्थान पर, हरमनप्रीत कौर एक स्थान ऊपर 11वें स्थान पर, निगार एक स्थान ऊपर 13वें स्थान पर, अमेलिया एक स्थान ऊपर 14वें स्थान पर, डैनी व्याट तीन स्थान ऊपर 15वें स्थान पर पहुंच गई हैं। भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी दीप्ति शर्मा और रेणुका ठाकुर महिला टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में संयुक्त तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। दीप्ति एक स्थान ऊपर और रेणुका ठाकुर दो स्थान ऊपर उठकर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंची हैं।

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को 73 रनों से हराया

एजेंसी

दांबुला। पथुम निसंका (54) की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को खेले गए दूसरे टी-20 मैच में मात्र 89 रनों के स्कोर पर समेट कर 73 रनों से जीत दर्ज की हैं। पथुम निसंका को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

163 रनों के लक्ष्य का पीछा करने मैदान पर उतरी इंडीज की टीम की शुरुआत खराब हुई और 12 रन के स्कोर पर वेल्लालगे ने सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग को मेंडिस के हाथों स्टम्प आउट कराकर वेस्टइंडीज को पहला झटका दिया। ब्रैंडन ने पांच रन बनाए। टीम के स्कोर में दो और जुड़ने के साथ ही तीक्ष्णा ने लुइस को (सात) पर पगबाधा आउट कर टीम को दूसरी सफलता दिला दी। इसके बाद वेस्ट इंडीज टीम के बल्लेबाज श्रीलंका के गेंदबाजों के आगे टिक नहीं सके और उनके विकेट नियमित अंतराल पर गिरते गए तथा पूरी टीम 16.1 ओवर

में मात्र 89 रनों पर सिमट गयी। वेस्टइंडीज के सात बल्लेबाज दहाई संख्या में भी नहीं पहुंच पाए। केवल शरफेन रदरफोर्ड (14), रोवमन पॉवेल (20) अल्जारी जोसेफ (16) रन बनाए और शमार जोसेफ पांच रन बनाकर नाबाद रहे।

श्रीलंका की तरफ से दुनित वेल्लालगे ने तीन, महीश तीक्ष्णा, चरित असलंका, वानिंदु हसरंगा ने दो-दो तथा मतीशा पतिराना ने एक विकेट लिया। इससे पहले श्रीलंका ने पथुम निसंका (54), कुसल मेंडिस (26) और कुसल परेरा (24) की पारियों की मदद से वेस्टइंडीज को जीत के लिए 163 रनों का लक्ष्य दिया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शमी का खेलना संभव नहीं : रोहित शर्मा

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मोहम्मद शमी को आस्ट्रेलिया के आगामी टेस्ट दौरे से लगभग बाहर कर दिया है और कहा कि टखने की सर्जरी से उबरने में इस तेज गेंदबाज के घुटने में सूजन के कारण बाधा आ रही है और इस बड़े मुकाबले के लिए उन्हें उतारना सही नहीं होगा। शमी ने आखिरी बार भारत के लिए पिछले साल वनडे विश्व कप फाइनल में खेला था और उसके बाद से टखने की सर्जरी से उबर रहे हैं।

रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर यहां संवाददाताओं से कहा, ईमानदारी से कहूं तो अभी हमारे लिए यह तय करना मुश्किल है कि वह इस सीरीज या ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए फिट

होंगे या नहीं। हाल ही में उनके घुटने में सूजन आ गई थी, जो काफी असामान्य था। उन्होंने कहा, वह फिट होने की प्रक्रिया में थे, 100 प्रतिशत के करीब पहुंच रहे थे, उनके घुटने में सूजन आ गई थी, जिससे उनकी रिकवरी में थोड़ी देरी हुई। इसलिए उन्हें फिर से शुरुआत करनी पड़ी। अभी वह एनसीए में हैं, वह एनसीए में फिजियो और डॉक्टरों के साथ काम कर रहे हैं। रोहित ने कहा कि टीम प्रबंधन चाहता है कि शमी शीर्ष स्तर के क्रिकेट में वापसी से पहले पूरी तरह से फिट हो जाएं। उन्होंने कहा, हम उम्मीद कर रहे हैं कि वह 100 प्रतिशत फिट हो जाएं। हम कमज़ोर शमी को ऑस्ट्रेलिया नहीं ले जाना चाहते, यह हमारे लिए सही फैसला नहीं होगा। उन्होंने कहा, एक तेज गेंदबाज के लिए यह काफी मुश्किल है, क्योंकि वह बहुत ज़्यादा क्रिकेट से चूक गया है और फिर अचानक से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना, यह आदर्श नहीं है।रोहित ने कहा कि राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के कर्मचारी शमी की फिटनेस का आकलन करना जारी रखेंगे और इस प्रक्रिया में वह कुछ आंतरिक मैच खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, हम उसे ठीक होने और 100 प्रतिशत फिट होने के लिए पर्याप्त समय देना चाहते हैं। फिजियो, ट्रेनर और डॉक्टरों ने उसके लिए एक रोडमैप तैयार किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से पहले उसे कुछ (अभ्यास) मैच खेलने हैं। शमी ने भारत के लिए 64 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 27.71 की शानदार औसत से 229 विकेट लिए हैं। भारत 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैच खेलेगा।

उप्र के हर्षित तोमर ने महाराष्ट्र के ध्रुव बंसल को हराया

एजेंसी

लखनऊ। योनेक्स सनराइज डा.अखिलेश दास गुप्ता मेमोरियल आल इण्डिया सीनियर रैंकिंग बैड़मिंटन टूर्नामेंट में क्वालीफाइंग ड्रा के आखिरी राउण्ड के मैच खेले गए। क्वालीफाइंग ड्रा के अन्तिम राउण्ड के मैच विपिनखण्ड गोमती नगर स्थित बी0बी0डी0 बैडमिंटन अकादमी में आयोजित किये गये क्वालीफाइंग राउण्ड के सभी विजेता खिलाड़ी आगे मैन ड्रा में प्रतिभाग करेंगे।

पुरुष एकल में वर्ग में उत्तर प्रदेश के रिशांक ने महाराष्ट्र के सिद्धार्थ ठाकुर को 15-10, 16-16, 15-8 से हरा दिया। वहीं उत्तर प्रदेश के सिद्धान्त सलार ने कर्नाटक के मोहित गोवडा के अनुपस्थित होने के कारण सीधा मुख्य दौर में प्रवेश कर गये।

उत्तर प्रदेश के हर्षित तोमर ने 13वीं वरीयता प्राप्त चंडीगढ़ के ध्रुव बंसल को 15-13, 13-15, 17-15 हराकर मुख्य दौर में प्रवेश किया। महिला एकल में तरनजीत कौर ने तमिलनाडु की हरनी राजा को 14-16, 15-2, 15-10 से हराकर मेन ड्रॉ में प्रवेश किया। पुरुष युगल वर्ग अर्ष मोहम्मद अपने जोड़ीदार शंकर

सारस्वत (राजस्थान) के साथ मुख्य दौर मे प्रवेष करने में सफल रहे। मिश्रित युगल में मो0 अर्ष व प्रगति परीदा (ओडिशा) के साथ मैन ड्रा के लिए अपनी जीत सुनिश्चित की।

इसके अलावा अमोलिका सिंह और मानसी सिंह, सोनाली सिंह, चिराग सेठ, तुषार गगनेजा, तनिषा सिंह, समृद्धि सिंह को सीधे मुख्य ड्रॉ में प्रवेश करेंगें। उत्तर प्रदेश के पुरुष एकल में सिद्धार्थ मिश्रा (होस्ट कोटा),अंश विशाल गुप्ता (होस्ट कोटा) मुख्य दौर में खेलेंगे। इनके अलावा महिला एकल में सिमरन चैधरी (होस्टकोटा), और स्नेहा सिंह (होस्ट कोटा) मुख्य दौर मे अपनी चुनौती पेश करेंगी। पुरुष एकल में उ0प्र0 के अतुल कुमार व प्रदीप कुमार (होस्ट कोटा) की जोड़ी के साथ महिला युगल में उत्तर प्रदेश की रमा सिंह व सुनीता सिंह (होस्ट कोटा) की जोड़ी के अलावा, मिश्रित युगल में शिवम वर्मा व सोनाली सिंह (होस्टकोटा) के द्वारा मैन ड्रॉ में प्रवेश करेंगे।

वेस्टइंडीज, इंग्लैंड को छह विकेट से हराकर सेमीफाइनल में

एजेंसी

दुबई। हेली मैथ्यूज (50) और किआना जोसेफ (52) रनों की आतिशी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत वेस्टइंडीज ने महिला टी-20 विश्वकप के 20वें मैच में इंग्लैंड को छह विकेट से हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। किआना जोसेफ को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। इंग्लैंड के 141 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज और किआना जोसेफ की सलामी जोड़ी ने तूफानी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 102 रनों की साझेदारी की। 13वें ओवर में नेट साइवर ब्रंट ने किआना जोसेफ को आउट कर इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई। किआना जोसेफ ने 38 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए (52) रनों की पारी खेली। अगले ही ओवर मे सेरा ग्लेन ने कप्तान हेली मैथ्यूज को आउट कर वेस्टइंडीज को दूसरा बड़ा झटका दिया। हेली मैथ्यूज ने 38 गेंदों में सात चौके और एक छक्के की मदद से (50) रन बनाये। डिएंड्रा डॉटिन (27) रन बनाकर आउट हुई। शमैन कैंपबेल (पांच) पर रनआउट हुई। आलिया ऑलेन आठ रन बनाकर नाबाद रही।वेस्टइंडीज ने 18 ओवर में चार विकेट पर 144 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। इसके साथ तालिका में शीर्ष पर चल रही इंग्लैंड तीसरे नंबर पर पहुंचने के साथ ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई है।इंग्लैंड की ओर नेट साइवर ब्रंट और सेरा ग्लेन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले नेट साइवर ब्रंट के (नाबाद 57) की अर्द्धशतकीय पारी मदद से इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को जीत लिये 142 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज की कप्तान हेले मैथ्यूज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने आयी इंग्लैंड टीम की मैया बाउचियर और डैनी व्याट-हॉज की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए चार ओवर में 29 रन जोड़े। चौथे ओवर की पांचवी गेंद पर फ्लेचर ने डैनी व्याट-हॉज को जोसेफ के हाथों कैच कराकर इंग्लैंड को पहला झटका दिया। डैनी व्याट-हॉज ने 16 रन बनाए। अगले ही ओवर की चौथी गेंद पर नए बल्लेबाज ऐलिस कैप्सी (एक) रनआउट हो गयी। उस समय टीम का स्कोर दो विकेट पर 31 रन था। तीन रन बाद ही सलामी बल्लेबाज मैया बाउचियर (14) को फ्लेचर ने जोसेफ के हाथों कैच कराकर टीम को तीसरी सफलता दिला दी। इसके बाद चौथे विकेट के लिए नेट साइवर ब्रंट ने कप्तान हीथर नाइट के साथ टीम के स्कोर को आगे बढ़ाया। इन दोनों की साझेदारी अच्छी चल रही थी तभी कप्तान नाइट (31) रिटायर्ड हर्ट हो गयी। टीम के पांच बल्लेबाज दहाई संख्या में भी नहीं पहुंच पाये। इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 141 रन बनाये।

सोनम मस्कर ने 10 मीटर एयर राइफल में जीता रजत पदक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की सोनम मस्कर ने आईएसएसएफ विश्वकप फाइनल 2024 में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाजी स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। यहां हुई स्पर्धा में 22 वर्षीय भारतीय निशानेबाज ने 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में 252.9 के स्कोर कर रजत पदक अपने नाम किया। वहीं चीन की युटिंग हुआंग ने 254.5 के स्कोर के साथ एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता।

फ्रांसीसी निशानेबाज ओसिएने मुलर ने 231.1 के स्कोर के साथ कांस्य पदक मिला। तिलोत्तमा सेन 167.7 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहीं क्वालीफाइंग राउंड में सोनम मस्कर ने 11 निशानेबाजों के बीच 632.1 का स्कोर कर चौथा स्थान हासिल किया। तिलोत्तमा सेन ने कुल 628.9 अंक के साथ सातवां स्थान हासिल कर फाइनल में जगह बनाई। शीर्ष आठ निशानेबाजों ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। एना एनसेन ने 636.9 का क्वालीफाइंग विश्व रिकॉर्ड बनाया, लेकिन फाइनल में वह सातवें स्थान पर रहीं। यह आईएसएसएफ विश्वकप में सोनम का तीसरा पदक है।

पहले अक्षय कुमार से पूछो हेलीकॉप्टर पर क्यों आता है... अजय देवगन ने Singham Again की रिलीज से पहले लिए सूर्यवंशी के मज़े

Ajay Devgn बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म सिंघन अगेन को लेकर सुर्खियों में हैं. रोहित शेट्टी के डायरेक्शन में बनी कॉप यूनिवर्स की इस फिल्म का काफी बज देखने के लिए मिल रहा है. अजय देवगन भी अपनी इस फिल्म का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं. इसी बीच अजय देवगन ने X पर #AskAjay के साथ अपने फैन्स से बातचीत की.अजय देवगन ने अपनी फिल्म की रिलीज से पहले फैन्स से बातचीत करने के लिए X पर एक ट्वीट किया. अजय देवगन ने ट्वीट किया 'शूट करो अपने सवाल' और फैन्स से सवाल पूछने को कहा. इस ट्वीट के बाद अजय देगवन के फैन्स ने तमाम तरह के सवाल पूछने शुरू कर दिए, इसके बाद अजय देवगन ने कुछ लोगों के सवालों का जवाब भी दिया.

अजय देवगन से फैन्स ने पूछे ये सवाल

हालांकि फैन्स ने अजय से फिल्म 'सिंघन अगेन' के अलावा भी कई तरह के सवाल पूछे. इसमें लोगों ने अजय देवगन से अक्षय कुमार से लेकर अजय के सबसे चैलेंजिंग सीन और उनके आइकॉनिक फिल्म कैरेक्टर के बारे में सवाल किए. अजय देवगन फैन्स को नाउम्मीद न करते हुए कई सवालों के जवाब भी दिए.

अक्षय कुमार को बताया 'खिलाड़ी'

एक फैन्स ने अजय देवगन से सवाल किया कि एक शब्द में अक्षय कुमार सर को डिस्क्राइब कीजिए. इस सवाल के जवाब में अजय देवगन ने लिखा 'खिलाड़ी'. साथ ही आगे लिखा अक्षय कुमार आई लव यू.

अजय देवगन का सबसे चैलेंजिंग सीन

वहीं, एक फैन ने अजय देवगन से सवाल किया कि आपने अभी तक जितने भी स्टंट और एक्शन सीन्स किए हैं, इनमें से क्या कोई ऐसा है जो सबसे ज्यादा चैलेंजिंग या यादगार रहा हो ? इस सवाल के जवाब में अजय देवगन ने बताया कि दो बाइक पर खड़ा होना उनके लिए हमेशा सबसे चैलेंजिंग है.अजय देवगन का सबसे चैलेंजिंग सीन

वहीं, एक फैन ने अजय देवगन से सवाल किया कि आपने अभी तक जितने भी स्टंट और एक्शन सीन्स किए हैं, इनमें से क्या कोई ऐसा है जो सबसे ज्यादा चैलेंजिंग या यादगार रहा हो ? इस सवाल के जवाब में अजय देवगन ने बताया कि दो बाइक पर खड़ा होना उनके लिए हमेशा सबसे चैलेंजिंग है.

गाड़ी घुमाकर क्यों आते हैं अजय देवगन

इसके अलावा, एक यूजर ने अजय देवगन से पूछा कि आप हमेशा गाड़ी घुमाकर क्यों आते हैं. इस सवाल पर अजय देवगन ने मजाकिया अंदाज में लिखा- पहले अक्षय कुमार से पूछो कि वो हमेशा हेलीकॉप्टर पर लटक के क्यों आता है.

आलिया, रणबीर कपूर और विकी कौशल के फैन्स के लिए बुरी खबर, इस चीज ने बिगाड़ा भंसाली का खेल

रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विकी कौशल किसी फिल्म में एक साथ हों, तो उस पिक्चर की चर्चा तो बनती है. ऐसी ही फिल्म है संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर'. भंसाली ने तीनों को साथ लाकर सिनेमा लवर्स के लिए एक बढ़िया फिल्म की उम्मीद जगा दी है. इस फिल्म को 2026 में रिलीज किया जाना है.टाइम पर रिलीज करने के लिए फिल्म की शूटिंग जल्द से जल्द शुरू करनी होगी. इसकी शूटिंग अक्टूबर में शुरू होने वाली थी. लेकिन अब इसे एक महीने आगे बढ़ा दिया गया है. ऐसा कहा जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अब नवंबर के एंड में या फिर दिसंबर की शुरुआत से होगी.

मुंबई की बारिश ने बिगाड़ा खेल

संजय लीला भंसाली अपनी फिल्मों में ग्रैंड सेट्स के लिए जाने जाते हैं. 'लव एंड वॉर' में भी कुछ ऐसा ही होने की उम्मीद है. फिल्म का सेट बनाया जा रहा है. लेकिन अभी तक ये पूरी तरह से तैयार नहीं है. बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक मुंबई की बारिश के चलते अक्टूबर की शुरुआत में फिल्म का सेट डैमेज हो गया था. इस कारण से शूटिंग आगे बढ़ा दी गई है.फिल्म का सेट फिर से तैयार किया जा रहा है. भंसाली के दिमाग में सेट की एक इमेज है, वो उसे अचीव करना चाहते हैं. इसमें ही समय लग रहा है. इसलिए फिल्म का शूट अक्टूबर से आगे बढ़ा दिया गया है. अब ये नवंबर या दिसंबर में होगी.

भंसाली रखेंगे खास वर्कशॉप

भंसाली को अब फिल्म के लिए और टाइम मिलेगा. वो इस बीच इसकी स्क्रिप्ट पर काम करेंगे, इसे और ज्यादा फाइन ट्यून करेंगे. फिल्म के म्यूजिक पर भी वो और ढंग से लग सकेंगे. इसके अलावा वो रणबीर कपूर, विकी कौशल और आलिया भट्ट के साथ एक वर्कशॉप भी करेंगे. शूटिंग का नया शेड्यूल जल्द ही जारी किया जाएगा. फिल्म 2026 में ईद के मौके पर रिलीज होगी.

बाबा सिद्दीकी के जनाजे में क्यों नहीं शामिल हुए शाहरुख खान? क्या सलमान खान हैं वजह?

12 अक्टूबर की रात करीब 9:30 बजे बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई. इस घटना को सुनकर राजनीति से लेकर बॉलीवुड तक हर कोई दंग रह गया. बाबा सिद्दीकी को आखिरी बार देखने के लिए लगभग पूरा बॉलीवुड पहुंचा. सलमान खान और शाहरुख खान दोनों ही बाबा सिद्दीकी के काफी करीब थे. जहां एक ओर सलमान खान नम आंखों से बाबा सिद्दीकी को आखिरी बार देखने पहुंचे, तो वहीं शाहरुख खान को बाबा सिद्दीकी के जनाजे में कहीं नहीं देखा गया.सलमान खान से लेकर सोहेल खान, पूजा भट्ट, यूलिया वंतूर, अर्पिता खान, मुन्नवर फारूकी और मन्नारा चोपड़ा जैसी तमाम हस्तियां बाबा सिद्दीकी को आखिरी बार देखने के लिए उमड़ीं. लेकिन शाहरुख खान इस दौरान कहीं नहीं नजर आए. ऐसे में सोशल मीडिया पर कई तरह के सवाल उठने लगे कि बाबा सिद्दीकी के करीबी शाहरुख खान आखिर ऐसी दुख की घड़ी में क्यों नहीं पहुंचे ?

लोगों को खटकी शाहरुख खान की गैर-मौजूदगी

बाबा सिद्दीकी को अंतिम विदाई देने के लिए शाहरुख की गैर-मौजूदगी लोगों को काफी खटक रही है. लोग शाहरुख खान पर सवाल खड़े कर रहे हैं कि जहां बॉलीवुड के तमाम सितारे इकट्ठे हुए थे, तो शाहरुख खान ने उनके करीबी होने के बावजूद उन्हें आखिरी बार देखने क्यों नहीं पहुंचे.

इस मामले से दूर रहना चाहते हैं शाहरुख खान ?

मीडिया ने कई बार शाहरुख की टीम से कॉन्टैक्ट करने की कोशिश लेकिन उनकी टीम ने इसपर चुप्पी साधे रखी. शाहरुख खान ने भी इस पूरे मामले में दूरी बनाए रखी, क्योंकि ये एक हत्या का मामला है और शायद वो नहीं चाहते कि उनका नाम इसमें घसीटा जाए.

सलमान खान की वजह से नहीं हुए शामिल ?

टाइम्स नाउ ने एक सूत्र के हवाले से बताया है कि शाहरुख खान बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में शामिल नहीं होना चाहते हैं और ये मामला सलमान खान से भी जुड़ा हुआ है, इसलिए किंग खान इस मामले से दूरी बनाए हुए हैं. लॉरेंस बिश्नोई का सर्किट कैसे काम करता है, ये जानते हुए शाहरुख खान खुद पर कोई आंच नहीं आने देना चाहते हैं. शायद इसलिए शाहरुख खान ने बाबा सिद्दीकी के जनाजे में न शामिल होने का फैसला लिया.

वो तीन आदमी, जिनको इंडस्ट्री के बारे में सब पता होता है...

करिश्मा कपूर ने खोली रणबीर कपूर और करीना की पोल

करीना कपूर और करिश्मा कपूर कपिल शर्मा के शो में पहुंची थीं. यहां उन्होंने कई किस्से शेयर किए. एक-दूसरे की टांग भी खींची. दोनों ने एक-दूसरे की शरारतें भी ऑडियंस के सामने रखी. करिश्मा कपूर ने बताया कि करीना बहुत बड़ी गॉसिप क्वीन हैं. उनकी एक टीम है, जिसे इंडस्ट्री के बारे में सब पता होता है. इस टीम में करण जौहर, रणबीर कपूर और करीना हैं.कपिल शर्मा ने जब करिश्मा से पूछा कि करण जौहर ने एक बार बताया था, करीना के पास हर तरह की गॉसिप होती है. उनको सब पता होता है. इसके बाद ही करिश्मा ने करीना का भांडा फोड़ दिया.

इन तीन लोगों को सब पता होता है

करिश्मा ने कहा, मैं सबको सच बताना चाहती हूं. ये तीन लोगों का गुट है. इन्हें सिर्फ गॉसिप ही नहीं पता होती, बल्कि इंडस्ट्री में जो भी हो रहा होता है, इन्हें पता होता है. इस टीम में करीना तो हैं ही, साथ में रणबीर कपूर भी हैं.अब करीना कपूर को भी अपने डिफेंस में कुछ कहना था, सो उन्होंने कहा भी. उनके शब्द थे, गॉसिप हम तक खुद आती है. हम किसी को कॉल नहीं करते, किसी तरह की जानकारी निकालने के लिए.

करीना को सब पहले से पता होता है

जब करिश्मा अपनी बहन को इंप्रेस करना चाहती हैं, तो वो उन्हें कॉल करके कोई गॉसिप बताती हैं. पर करीना को वो पहले से ही पता होती है. वो करिश्मा से कहती हैं, ये मुझे पहले से पता था, मैं तुम्हें कल बताना भूल गई थी.

जींस चोर हैं करीना

अर्चना पूरन सिंह ने भी 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में एक सवाल दोनों बहनों से पूछा. उनका सवाल था कि दोनों एक-दूसरे के कपड़े शेयर करती हैं या नहीं. इस पर करीना का कहना था कि करिश्मा उनसे बहुत पतली हैं, उन्हें उनके कपड़े फिट ही नहीं आएंगे. करिश्मा ने इसमें कपड़ों को लेकर होने वाले बचपन के झगड़े को जोड़ा.